He Gazette of India

Alleight a Naphrid

सं ० 24]

नई बिल्लो, शनिवार, जून 11, 1983 (ज्येष्ठ 21, 1905)

No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 11, 1983 (JYAISTHA 21, 1905)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 मई 1983

सं० ए० 32014/1/83-प्रशा०- — संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित वरिष्ठ वैयिक्तिक सहायकों (के० स० स्टे॰ से० का ग्रेड ख) का राष्ट्रपति बारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए अथवा आगामी आदेणों तक, जो भी पहल हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे॰ से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता हैं:—

| क० सं० | नाम | | भ्रव <u>धि</u> | |
|-----------|-----------------------|------------|----------------|----|
| 1. | श्री जोगिन्दर सिंह | 18-5-83 से | 17-8-83 | तक |
| 2. | श्री आर० एत० ठाकुर | 4-5-83 से | 3-8-83 | तक |
| 3. | श्री बैं।० बी० छिज्बर | 5-5-83 से | 8-8-83 | तक |

दिनांकः 19 मई 1983

सं० ए० 32014/1/83-प्रशा०-I---संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति बारा प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदमों तक, जो भी पहले हो, सी संवर्ग में पूर्णन: अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का मेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त किया जाता है:——

| नियुक्त | किया जाता है:⊶∽ | - | |
|-----------|------------------|------------------------------|---|
| क० सं० | नाम | अवधि | अभ्युक्ति |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. % | ी टीं० आर० शर्मा | 9-5-83 से 8-8-83 नक | दीर्घ कालीन रिक्तियों के एक स्थान पर । |
| 2. 8 | त्री शाम प्रकाश | 4-5-83 से 3~8-83 सक | श्री आर० एल० ठाकुर की निजी सिचय के पद पर पदोन्नति हो जाने पर उनके स्थान |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|--------------------|---------------------------------|--|
| 3. | श्री एच० ओ० मदान | 9 - 5-83 सं | श्री बी० बी० छिब्बर की निजी |
| | | 8-8-83 | स चिवके पद िपर |
| | | तक | पदोन्नति हो जाने पर उनके स्थान |
| 4. | श्री वी० पी० महाजन | 18-5-83 से 17-8-83 ्तक | पर। श्री जोगिन्दर दिह की निजी सचिव के पद पर पदो- श्रित हो जाने पर उनके स्थान पर। |

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रंड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

3. सर्वेश्री टी० आर० शर्मा, शाम प्रकाश और एच० ओ० मदान की नियुक्तियां इस बात पर है कि कार्मिक और प्रसाशनिक सुधार विभाग के अनुमोदन कर दें।

> य० रा० गांधी अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

सरवार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकावमी हैवराबाद-500252, विनांक 30 अप्रैल 1983

सं० 15014/80 स्थापना — श्री के० वि० एस० भीमा राव, स्वास्थ्य मंत्रालय वर्ग के अनुभाग अधिकारी ने 14-7-82 (पूर्वाल्ल) अकादमी में प्रशासन अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला ।

श्री के० वि० एस० भीमा राव, अकादमी में प्रथम बार 14-7-82 से तीन वर्ष की अविध के लिए, प्रशासन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे। वे वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन से० एफ० 1(11)-ई० (बी)/75 दिनांक 7-11-75 की तथा समय-समय पर संगोधित शर्ती के अनुसार प्रमुभाग श्रधिकारी का कुल वेतन तथा 20 प्रतिगत प्रतिनियुक्ति भत्ता प्राप्त करेंगे।

ज्ञा० च० सिंघवी निदेशक

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वषण ब्यूरो नर्द्र विल्ली, दिनांक 19 मई 1983

सं० ए०-19014/1/83-प्रगा०-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अधि- कारी श्री पी० एन० प्रार्य को दिनांक 10 मई, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापक्ष प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करत हैं।

दिनांक 23 मई 1983

सं० ए० 20023/6/80-प्रणा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एम० वी० कृष्णमाचारी, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, मब्रास की सेवाएं दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के अपराह्न से आंध्र प्रदेश सरकार को सौंपी जाती है।

राम स्वरूप नागपाल प्रशामनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम विभाग)

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 4 जून 1983

संख्या 23/3/83-सी पी आई—अप्रैल, 1983 में आंद्योगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960—100) मार्च, 1983 के स्तर से छः अंक बढ कर 508 (पांच सौ आठ) रहा। अप्रैल, 1983 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949—100) पर परिवर्तित किए जाने पर 617 (छः सौ सत्तरह) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निद्शेक

िवित्त मंस्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग) प्रतिभृति कागज कारखाना

होर्गगाबाद-461005, दिनांक 7 मई 1983

सं० पी० डी०-3/1592—-श्री एस० के० आनन्द, फोरमैन (उत्पादन) को श्री एम० पद्मनाभन, सहायक कार्य प्रबन्धक की छुट्टी रिक्ति में दिनांक 9-5-1983 से 7-6-1983 तक र० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक कार्य प्रबन्धक के स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श० रा० पाठक

महाप्रबन्धक

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1983

सं० 8 वि० आ० 2(4) - ए/82 - आठवें विक्त स्यूयोग में संयुक्त निदेशक के पद पर पुनर्नियोजित श्री एस० पी० बक्शी का 30 अप्रैल, 1983 को देहान्त हो गया।

> सुखवासी लाल माथुर अवर सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1983

सं० प्रशा० 1/कार्यालय आदेश 70—श्रीमान निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यानय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 13-5-83 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक 840-1200 रु० के वेतनक्रम में स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधि-कारी नियुक्त करते हैं।

ऋ०सं० नाम

- 1. श्री चन्दर शेखर गुप्त
- 2. श्री साधुराम गुप्त

दिनांक 23 **मई** 1983

सं० प्रशासन I/का० आ० 85---श्रीमान निवेशक लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यानय के श्री कुष्ण नरायण बगई स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधि-कारी के वेतनक्रम 840-1200 रु० में 16-5-1983 के पूर्वाह्र से अगले आदेश आने तक नियुक्त करते हैं।

सं० प्रगा० I/कार्यालय आवेश 86—श्रीमान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री मदन मोहन गुप्त—II स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतनकम 840—1200 रु० में 18—5—1983 के पूर्वाह्म से अगले आवेश आने तक नियुक्त करते हैं।

प्र० त्निपाठी संयुक्त निदेशक ले० प० (प्र०)

 $\pi(1)$ र्ज्य, महालेखाकार-1, बिहार रांची, दिनांक 18 मई 1983

सं० प्र०-2-215---महालेखाकार--1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री शान्तीमय मन्डल को दिनांक 30-4-83 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थाना-पन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-2-222--महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी--श्री सुनिर्मल चटर्जी को अपने कार्यालय में दिनांक 18-4-83 के पूर्वाह्म से अगना आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-2-237--महालेखाकार-I, बिहार, रांची अपने कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री के० सी० रिव को अपने कार्यालय में दिनांक 18-4-83 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापंन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पवोन्नत करते हैं।

आर० भाष्यम वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०) बिहार

कार्यालय महालेखाकार-I, राजस्थान जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

सं० प्रधाः 11/जी० राजपत्र अधिसूचना /101—महालेखा-कार (प्रथम) राजस्थान ने निम्नलिखित प्रथर अनुभाग अधि-कारियों को पदोन्नत करके उनके आगे दिए गए दिनोक से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है :——

सर्वश्री

| 1. रामजी लाल शर्मा | 24-3-83 | (अप०) |
|-------------------------|--------------------|-----------|
| 2. सुरेन्द्र नाथ धीर | 24-3-83 | (अप०) |
| 3. राजेश्वर सहाय भार्गव | 26-4-83 | (v j |
| 4. राम दयाल गुप्ता | 2-5-83 | (o k |
| | मवन सिंह | शेखावत |
| वरिष्ठ | उप-महालेखाकार/प्रध | ग्रासन–II |

कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 2 अप्रैल 1983

सं० प्रशासन-एक/राज०/I--महालेखाकार-प्रथम, मध्य-प्रदेश द्वारा निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा अधिकारी पव पर वेतनमान ६० 840-40-1000 द० रो० 40-1200 में उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अगामी आदेश तक पदोन्नत किया गया है।

| | स्थाई ऋमांक | कार्यभार ग्रहण कर ने का दिनांक |
|------------------------------|-------------|--|
| सर्वश्री | | |
| . एस० के० माथुर | 02/306 | 31-3-1983 (¶°) |
| २. एच०एन०भार्गव | 02/316 | 31-3-1983 (qo) |
| 3. एस० पी ० खुरा ना | 02-/292 | 31-3-1983 (qo) |
| ।. के०एस० अम्ब | 02/1518 | 31-3-1983 (पू॰) |
| s. एल ० डी० शाक् यवार | 02/2129 | 31-3-1983 (বৃ৽) |
| | | |

(प्राधिकार : महालेखाकार प्रथम के आवेश दिनांक 30-3-1983)

विनांक 14 श्रप्रेल 1983

सं० प्रशा०/ले० अ० प्रमो/41—-महालेखाकार मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी पद पर वेंतनमान 840-30-1000-ई० बी०

13. गोपाल चन्द दास $-_{
m I}$

(अनु० जा०)

1-3-1980

1-4-1979

| र्दनांक से अगामी आदेश तक | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|---------------------------------|-------------------------------------|--------------|---------------------------------------|------------------|-------------------|
| कमांक नाम | स्थाई क्रमांक | कार्यभार ग्रहण दिनांक | | अमूल्य चन्द्र चौधुरी | 1-3-1980 | 1-4-1979 |
| सर्वश्री | | | | यज्ञेश्वर चौधुरी | 1-3-1980 | 1-9-1979 |
| त्यत्रः 1. डी० एस० चौहान | 02/298 | 1 1~4−83 _{क्} पूर्वाह्न | | तिंड्त कुमार मुखोपाध्याय | 1-3-1980 | 1-10-1979 |
| | | 40 | 1 7 . | मनोरंजन कर | 1-3-1980 | 1-10-1979 |
| ादनान सं० प्रशासन-एक/प्रतिनियु | | о писта (î 20— | 18. | पुण्यक्रत लाहिरी | 1-3-1980 | 1-11-1979 |
| स० प्रशासन-एक/प्रातानपु भी के० एस० श्रीवास्तव लेख | | | 19. | क्षितीश्वर विश्वास | 1-3-1980 | 1-12-1979 |
| ना पार एस व्यापारतप सार हस्स लिमिटड में स्थाई वि | | | 20. | ज्योतिमय होम | | |
| 82 पूर्वाह्म से शासकीय से | | | | चौधुरी | 1-3-1980 | 1-12-1979 |
| ्र (प्राधिकार : महालेखाः | - | | 21. | बिमल चन्द्र समाधार | 1-3-1980 | 1-12-1979 |
| 27-4-83) | • | | 22. | सुधीर चन्द्र भवाल | 1-3-1980 | 1-12-1979 |
| · | | बी० के राय | 23. | परमानन्द पालित | 1-3-1980 | 1-2-1980 |
| 3 | ारिष्ठ उप-म <mark>हालेखा</mark> | कार (प्रशासन) | 24. | गोपाल चन्द्र शर्मा | _ | 1 2 1900 |
| | | | | चौधुरी | 1-3-1980 | 1-2-1980 |
| कायलिय महालेख | प्राकार-प्रथम, पश्चिम | । बंगाल | | समीरेन्द्र नाथ बोस | 1-4-1980 | 1-3-1980 |
| कलकत्ता 70000 | 1, दिनांक 20 मई | 1983 | 26. | राजेन्द्र नाथ दास 🗸 | | 1 0 190(|
| सं० प्रणा ० 1/94 7- | ^{III} /549पूर्वतर | दिनांकों से लेखा | | (अनु० जा०) | 1-7-1980 | 1-3-189 |
| अधिकारी के संवर्ग में स्थार | , ,,, | | 2 7 . | अजय कुमार लाला | 1-7-1980 | i-3-198 |
| महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम | न बंगाल के आदेशानु | सार निम्नलिखित | | रौलेन्द्र बन्धोपाध्याय | 1-8-1980 | 1-3-198 |
| लेखा/लेखापरीक्षा अधिकारि | यों की पुष्टि के दिनांव | ों को पूर्व दिनांकित | | कमलांग भट्टाचार्य | 1-8-1980 | |
| कर विया गया है : | | | | सुशील कुमार | 1 0 1900 | 1-3-198 |
|) | | ~ ~ ~ | 30. | चक्रवर्ती | 1-9-1980 | 1-3-198 |
| | पुष्टिके मूल | पुष्टि के परि- | 31 | सुनील कुमार मलिक | 1-11-1980 | |
| नाम | दिनांक | शोधित दिनांक | | सुशील कुमार सरदार | 1 11-1960 | 1-3-198 |
| 1 2 | 3 | | 34. | ् (अनु० जा०) | 1-11-1980 | 1 2 100 |
| | | - | 22 | ्रापुर गाउँ / ्रिजित कुमार मुखर्जी | 1-12-1980 | 1-3-198 |
| ं सर्वेश्री | | | | . देवी प्रसाद बनर्जी–I | | 1-3-198 |
| गुरु प्रसाद राय | 1-9-1979 | 1-4-1979 | | | 1-2-1981 | 1-3-198 |
| 2. परिमल घोष | 1-10-1979 | 1-4-1979 | | . मधुसूदन सेनणर्मा | 1-2-1981 | 1-3-198 |
| 3. अमरिन्द्र नाथ | | | 36 | . सुनील रतन गंगोपाध्याय | | |
| चत्र वर्ती . <u>८-६ २</u> | 1-10-1979 | 1-4-1979 | | | 1-3-1981 | 1-3-198 |
| र्मिनेन्द्र चटर्जी मज गोपाल घोषाल | 1-11-1979 | 1-4-1979 | | . देवी प्रसाद मित्र-1 | 1-3-1981 | 1-3-198 |
| अज गापाल वाषाल बीरेन्द्र कुमार घोष | 1-12-1979 1-12-1979 | 1-4-1979 | | . अमरेन्द्र घोषाल | 1-3-1981 | 1-3-198 |
| जय नारायन मुखर्जी | 1-12-1979 | 1-4-1979 1-4-1979 | | . मृगेन्द्र नाग | 1-3-1981 | 1-4-198 |
| असे पारायम मुख्या श्री बिन्द पद | 1 12 19/9 | 4 4 XU/U | 40 | . अर्ध्य कुसुम | | |
| जोआरदार | 1-12-1979 | 1-4-1979 | | मजुमदार | 1-3-1981 | 1-7-198 |
| हरिपद भट्टाचार्य | 1-2-1980 | 1-4-1979 | 41 | . गौरी शंकर चौधुरी | 1-6-1981 | 1-7-198 |
| <u> </u> | 1-2-1980 | 1-4-1979 | | | | |
| 10. चि त रंजन विम्वास | 1 2 1960 | | | | | |
| 10. चित्ररंजन विश्वास 11. देवी प्रसाद बनर्जी!! 12. जर्नादन घोष | | 1~4-1979 | | महालेखाकार-प्रथम परि | एचम बोगाल, ने इस | `कार्यालय/कार्याल |

महालेखाकार-प्रथम पश्चिम बंगाल, ने इस कार्यालय/कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल/कार्यातय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता के निम्निलिखित स्थानापन्न लेखा/लेखा परीक्षा अधिकारियों को, प्रत्येक के आगे दिखाये गये दिनांक से

| ⊓/लेखा परीक्षा अश्विकारियों के संवर्ग में, मौिं ने की कृपा की हैं :— | नकरूप सं । नयुक्त | कर्मां क नाम | [| पुष्टिकी तारी |
|---|-------------------|--|----------------------------|---------------------------------|
| ————————————————————————————————————— | पुष्टिकी तारीख | 44. एस० चन्द्र ह | | 1-4-1982 |
| | (1 ° 11 (11 (14 | 45 सुनील कुमा | | 1-4-198 |
| स र्वश्री | | 46 सत्यनारायण | घोष | 1-4-1982 |
| ा. महादेव प्रसाद दत्त | 1-8-1980 | 47. ननीगोपाल व | त्रऋवर्ती | 1-4-1982 |
| अशोक कुमार घोष | 1-8-1980 | 48. स्वदेश रंजन | भट्टाचार्य | 1-4-198 |
| सत्यक्रत गुहा ठाकुरता | 1~9-1980 | 49. बिमल कुमार | मखर्जी-1] | 1-4-198 |
| 4. अजित रंजन चक्रवर्ती | 1-11-1980 | 50 शंभु नाथ द | • | 1-4-198 |
| सौरेन्द्र नाथ घोष | 1-11-1980 | 51. जतीश रंजन | | |
| क्याम नारायण प्रामानिक (अनु० जा | | | | 1-4-198 |
| तापस कुमार दे | 1-2-1981 | 52 कानाई लाव | न मुखजा | 1-4-198 |
| दिलीप कुमार वर्मन | 1-2-1981 | 53. सुकुमार कुंडु - | | 1-4-198 |
| 9. निरोद कुमार चौधुरी (अनु० जा० | | 54 शांतिपद मुख | | 1-4-1982 |
| 10. मून्य-रिक्त— | 1-3-1981 | 5. 5 . आशीष कुमा | र घोष | 1-5-1982 |
| 11 . तपन कुमार सरकार $-^{ m I}$ | 1-3-1981 | 56 पिनाकी रंज | न मुखर्जी | 1-8-1983 |
| 12. प्रहलाद चन्द्र सेन | 1-3-1981 | | | |
| 13. सनत कुमार मित्र | 1-3-1981 | | 5 | गो० स० मेहरो ल्ल |
| 14. निमाई चरण मजुभदार | 1-6-1981 | | वरिष्ठ उप महाले | खाकार (प्रशासन) |
| 15 . रीनेन्द्र नाथ घोप $ ^{11}$ | 1-8-1981 | , | , K | |
| 16. सुगील कुमार मजुमदार | 1-12-1981 | - | रक्षा लेखा विभाग | |
| 17. अमरेन्द्र नाथ दासगुप्त | 1-1-1982 | anni an | १, रक्षा लेखा महानियंद | Tæ |
| 18. पुलिन चन्द्र दास | 1-1-1982 | | | |
| 19. संतोष कुमार चौधुरी— ¹¹ | 1-1-1982 | नई दिल्ली-110 | 066, दिनांक 19 मई | 1983 |
| 20. सुबोध कुमार चक्रवर्ती | 1-1-1982 | सं० प्रशा०/11/26 | 603/83-1 रक्षा ं | हेखा महानियंदक |
| 21. हिमांशु कुमार राय चौधुरी | 1-1-1982 | निम्नलिखित स्थायी अनु | | |
| 22. निखिल रंजन मेनगुप्त | 1-2-1982 | के नाम के समक्ष दर्शाई ग | | |
| 23. रवीन्द्र नाथ दत्त | 1-3-1982 | लेखा अधिकारियों के रूप | | |
| 24. देवेन्द्र नाथ बेरा | 1-3-1982 | | | |
| 25. गोपाल चन्द्र दास11 | 1-4-1982 | क० नाम | संगठन जहां | प्रभावी |
| 26. देवन्नत विग्वास | 1-4-1982 | सं० भवंश्रो | येत्रारत है | तारीख |
| 27. सुभाष चन्द्र चऋवर्ती | 1-4-1982 | | | |
| 28. अमेलेन्दु भ ट्टाचा र्य | 1-4-1982 | 1. डी०पी० देव | लेखा नियंत्रक (-११) | 1-4-81 |
| 29. सुकुमार मजुमदार | 1-4-1982 | | (फैक्ट्रीज) कलक | |
| 30. बिपुल चन्द्र राय | 1-4-1982 | 2. आर० नटराजन | — तथव—– | 1-4-81 |
| 31. पुलकेश घोष दस्तिदार | 1-4-1982 | 1 | | ी० के० चेर्तासह |
| 32. अजय कुमार भट्ट | 1-4-1982 | | रक्षा लेखा उप महा | ~ |
| 33. केशव चन्द्र राय (अ० जा०) | 1-4-1982 | | Carr Coar Or Sen | |
| 34. भूतनाथ दास (अ० जा०) | 1-4-1982 | PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY. | | A CA MANAGEMENT AND COMMENT AND |
| 35. चितरंजन पुरकायत (अ० जा०) | 1-4-1982 | | | |
| 36. अमलेन्दुमय मित्र | 1-4-1982 | | रक्षा मंत्रालय | |
| 37. रथीन्द्र _् लाल दत्त | 1-4-1982 | भारतीय | आर्डनैन्स फैक्टरियां से | वा |
| 38. गुरुपद देव | 1-4-1982 | | | |
| 39. नारायण प्रसाद बनर्जी | 1-4-1982 | সা | र्इनैन्स फैक्टरी बोर्ड | |
| 40. गोपाल चन्द्र बनर्जी ^Ⅲ | 1-4-1982 | कलकत्ता | , दिनांक 7 म र्द 19 | 83 |
| 41. अधिवनी कुमार राय | 1-4-1982 | | | |
| 4.2 अखिल चन्द्र मैत | 1-4-1982 | | -राष्ट्रपति महोदय निम्ह | |
| 43. शिशिर कुमार भौमिक | 1-4-1982 | को सहायक वर्क्स मैनेज | र (परखावाध) के | पद पर, उनके |

सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं:---

| क० सं० | नाम | कार्यभार संभालने की तारीख |
|-----------|-----------------------------|------------------------------|
| 1. | श्री पी० डब्स्यू० रैलेगांकर | 5-7-1982 |
| 2. | श्री सौरभ कुमार | 15-7-1982 |
| 3. | श्री अनुप कुमार गुप्ता | 30-10-1982 |
| 4. | श्री सी० जी० हमने | 20-1-1983 |
| 5. | श्री डी० भी० सनपाईपारे | 28-2-1983 |
| '6₊ | श्री भी० एस० सेनयील | 1-9-1982 |
| 7. | श्री कैलास चन्दर | 23-2-1983 |
| 8. | श्री मधुसूदन चटरजी | 28-2-1983 |
| | श्री वी० वी० सरमा | 26-2-1983 |

सं० 22/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्निलिखित अफसरों को अस्थायी गहायक वर्क्स मैंनेजर के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से प्रागामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं:---

| ऋ० नाम सं० | कार्यभार सम्भालने की तारीख |
|--|-------------------------------|
| सर्वेश्री | |
| 1. वी० के० पुन्नी | 11-9-1982 |
| 2 पी० ए० जोसफ | 30-9-1982 |
| वो० एच० वेंकिटसुक्रामनियन् | 18-10-1983 |
| 4. सुधामय दास | 17-11-1982 |
| 5. डा एस० र्जे० भासे | 22-11-1982 |
| 6. जे० जी० सुरवादे | 1-12-1982 |
| 7. एस० एस० नारायणमूर्ति | 28-12-1982 |
| 8. एस० के० बिण्वास | 22-1-1983 |
| 9. एस० के० शर्मा | 31-1-198; |
| 10. पी० पी० शर्मा | 9-2-1983 |
| 11. भी० वेंकटरमनी | 28-2-1983 |
| 12. आर० सी० गन्धी | 10-3-1983 |
| | वी ॰ के ॰ मेहता |

वाणिज्य मंत्रालय

निदेशक/स्थापना

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यांत का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 5/3/81-प्रशासन (राज०)/24234---राष्ट्रपति, श्री पी० गोविन्वराजू को आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद पर अनुरक्षण स्थिति में केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेंड-2 में 28-1-83 से नियुक्त करते हैं।

विनांक 6 मई 1983

सं० 6/1413/83-प्रशासन "राज"/2424-- मेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एल० एन० मलहोत्ना, नियंत्रक आयात एवं नियंति, वण्डीगढ़ की 31 मार्च, 1983 के वोपहर बाद से सरकारी सेवा से मुक्त होने की अनुमति दी गई है।

> वी० के० मेहता उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई, 1983

सं० 6/355/56-प्रणा० (राजपन्नित)/2806---सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री ए० एन० चटर्जी, केन्द्रीय सचि-वालय सेवा के प्रवरण वर्ग के स्थानापन्न अधिकारी और इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, को दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमित दी गई है।

> निरोतीलाक्ष उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन गौंघीधाम कच्छ, दिनांक 11 मई 1983

सं० न० एफ० टी० जेड/प्रशा०/7/2/78/7819— विकास आयुक्त, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ) सीमा शुल्क समार्कता कलूकता के स्थानापः अधीक्षक, श्री दुर्गादास बन्वोपाध्याय, परीक्षक, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ), जिसका वर्तमान पगार 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40 1200 है, प्रति सामान्य शर्ती पर वित्त मंत्रालय के कार्यालय आदेश सं० 10/24/60-ई० III, दिनांक 4-5-1961 के आधार पर जैसा कि समय पर परिवर्तन हुआ है, दिनांक 18-1-1983 के अपराह्म से नियुक्त करते हैं।

अशोक भाटिया विकास आयुक्त कांडला मुख्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1983

सं० ए०--19018(685)/83---प्रणा० (राज०) ---विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान के स्थायी अधीक्षक श्री पी० वेल्लन को दिनांक 23-2-1983 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (688)/83-प्रणा० (राज०)-लघु उद्योग विकास संगठन के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री
आर० सी० अती के हरियाणा राज्य लघु उद्योग तथा निर्यात
निगम लिमिटेड, चण्डीगढ़ से दिनांक 1 अप्रैल, 1983 (अपराह्म)
से, प्रतिनियुक्ति से वापस होने पर, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)
उन्हें इसी संगठन में दिनांक 2 अप्रैल, 1983 (पूर्वाह्म) से, तदर्थ
आधार पर, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (हौजरी) के रूप में नियुक्त
करते हैं।

दिनांक 17 मई 1983

सं०ए-19018 (334)/77-प्रणा० (राज०) खण्ड II— राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान के अधीन विस्तार केन्द्र, फिरोजाबाद के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (कांच/मृत्तिका), श्री एस० के० वाधवानी को, प्रक्रिया सह उत्पाद विकास केन्द्र, रांची में दिनांक 11 मार्च, 1983 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, उपनिदेशक (कांच/मृत्तिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 मई 1983

सं० 12 (550)/67-प्रमासन (राज०) खण्ड-3-इन्टैलीजेन्स ब्यूरो, नई दिल्ली में उप आधिक सलाहकार के रूप में नियुक्ति के परिणाम स्वरूप डा० टी० एन० जैटली को विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के निदेशक, ग्रेंड-II (निर्यात संवर्द्धन) पद से दिनांक 29 अप्रैल, 1983 (अपराह्म) से कार्यमुक्त किया जाता है।

> सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1983

सं० प्र०~1/1(1207)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा बम्बई स्थित निरीक्षण निदेशक के कार्यालय में अधीक्षक श्री आर० रामनाथ, श्रार्थयर को दिनांक 26-4-1983 के पूर्वाह्न से पूर्णतः स्थानीय तदर्थ आधार पर बम्बई स्थित पूर्ति तथा निपटान निदेशक के कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक (प्रणासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करने हैं। यह नियुक्ति उसी कार्यालय में कार्यरत तदर्थ सहायक निदेशक (प्रणासन) (ग्रेड-II) श्री गेण्डो राम के स्थान पर हुई है जो दिनांक 21-4-83 के अपराह्म से जमशेवपुर स्थित

निरीक्षण निदेणक (धातु) के कार्यालय में अधीक्षक द्वितीय स्तर के पद पर प्रत्यार्वातत हो गए हैं।

> एस० बालासुत्रमणियन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा तिपटान

इस्पात और खान मंद्रालय

(खान विभाग)

(भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण)

कलकत्ता-700016, दिनांक 17 मई 1983

सं० 4374 बी०/ए-19012(4-आर० सी० एस०)/82-19बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (द्विलिंग) श्री राजेश चन्दर सभेरवाल को ड्रिलर के क्ष्प में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-750-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आवेश होने तक 14 विसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न में नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 19 मई 1983

सं० ए०—19012(172)/83—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर कुमारी एन० एस० मोहरीकर, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अ० प्र०) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद दिनांक 29 अप्रैल 1983 (पूर्वाह्म) से पदोन्नित प्रदान की गई है।

व० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1983

सं० 5(69)/70-एस० एक-महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री एम० डी० सामल, को 27 अप्रैंल, 1983 से अगले आवेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी इम्फाल में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

1

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1983

1/11/83-एस०---2---महानिदेशक आकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री डी०ं सेल्वाराज, एकाउन्टैन्ट को म्राकाशवाणी, सिल्चर में दिनांक 14-4-83(पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। ह० भ्रपठनीय

> उपनिदेशक प्रशासन क्रुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1983

सं० 301/14/83-एफ (एफ०)--भारत के असाधारण राजपन्न के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1), सा० का० नि० 281(ई), दिनांक 26-3-1983 में प्रकाशित सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 301/14/83-एफ (एफ), दिनांक 26-3-1983 के द्वारा प्रकाशित भारत का 30जा राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1983 विनियमों के नियम 19 और 20 तथा सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 1983 विनियमों के नियम 15 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ने तीन राष्ट्रीय जुरियों द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित फिल्मों /निर्माताओं /निर्देशकों/कलाकारों/तकनी-शियनों/लेखकों को पुरस्कार देने का निर्णय लिया है, अर्थात् :--

फिल्म का नाम पुरस्कार विजेता का ऋ० सं० पुरस्कार नाम और पता और भाषा

3 2 1 4

I. फीचर फिल्में

1. सर्वोत्तम फीचर फिल्मों के लिए पुरस्कार :

स्वर्ण कमल और निर्माता : चोस्त्र (बंगला) 50000/- रु० पश्चिम बंगाल सरकार सूचना (केवल पचास और सांस्कृतिक हजार रुपये) कार्य विभाग, का नकद पुरस्कार । राइटर्स बिल्डिंग, कलकत्ता-700001 ।

निर्देशक :

श्री उत्पलेन्द्र चन्नवर्ती, स्वर्ण कमल और 32, रानी हर्षमुखी रोड, 25,000/- रू० क प्रकला -- 700002ः । (केवल पच्चीस हजार का नकद पुरस्कार ।

2. द्वितीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार:

निर्माता : खारिज नीलकंठ फिल्म्स, (बंगला)

और कमल रजत

158, लेनिन सरणी, 30,000 रु० (केवल कलकत्ता-700013ः । तीस हजार का नकद पुरस्कार ।

निर्देशक :

श्री मुणाल सेन, रजत कमल और 14, बेंला टोला रोड, 15,000 रु० (केवल कलकता-709026. । पन्द्रह हजार ६०) का नकद पुरस्कार ।

 राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए नरिगस दत्त पुरस्कार :

अरूदम

निर्माता :

श्रीमती रोसम्मा जार्ज, (मलयालम) और रजत कमल रोज विल्ला, अरंगथ क्रास. 30,000 रु० रोड, कोचीन-682018। (केवल तीस हजार क्०) नकद पुरस्कार ।

निर्देशक : श्री आई० बी० ससंरे रजत कमल 25, माधवन नायर रोड, 15,000 रु० (केवल पन्द्रहहजार रुपए) महालिगपुरम, मद्रास-का नकद पुरस्कार । 400034 |

परिवार कल्याण पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार :

निर्माता : स्पन्दन

(हिन्दी) श्री सत्य नारायण मिश्र, रजत कमल श्री अब्दुल मस्जिद और 30,000 ए० (केवर कुमारी दुर्गा नन्दा तीस हजार रुपए) मार्फत एम० एम० का नकद पुरस्कार। प्रोडक्शन्स, हरीपुर रोड, कटक-753001 I निर्देशक :

> श्री विष्तव रे चौधरी रजत कमल मार्फत कुमारी सिखा रे 15,000 ६० (केवल चौधरी, 3-बी, राजी पन्द्रह हजार ६०) का भट्टाचार्जी लेन, नकद पुरस्कार । कलकत्ता-700026 ।

5. निर्देशक की पहली सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार: कन्न सिवन्धल

मन्न सिवक्कुम (तमिल)

रजत कमल और 10,000 र० (केवल दस हजार रुपये) का

और

निर्देशक : श्री श्रीधर राजन, 277, तीसरा तल, फाउटेंन प्लाजा एगमोर, नकद पुरस्कार । मब्रास-600008. ।

और

और

कलकत्ता-7000341

3 सर्वोत्तम निर्देशन के लिए पुरस्कार : 14. सर्वोत्तम कला निर्देशन के लिए पूरस्कार: निर्देशक : चोख नितिश राय श्री नितिश राय, रजत कमल (बंगला) श्री उत्पलेन्द्र चऋवर्ती, रजत कमल। (खारिज) 1/573, मोतीलाल नेहरू 10,000 रू० (केवल 32, रानी हर्षमुखी रोड, (बंगला) रोड, कलकत्ता-हजार रुपए) दस कलकत्ता-700002। 700029 1 का नकद पुरस्कार। 7 सर्वोत्तम पटकथा के लिए पुरस्कार: 15. सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार : खारिज रमेश नायड श्री रमेश नायडु, रजत कमल (बंगला) श्री मुणाल सेन, रजत कमल और (मेघ सन्देशम्) 6/ ७, पहली स्ट्रीट, 10,000 रु० (केवल 14, बेलाटीला रोड, 10,000 ६० (केवल (तेलुगु) युनाइटेड इंडिया दस हजार १५५५) का कलकत्ता-700026। दस हजार रुपए) का कालोनी नकद पुरस्कार । नकद पुरस्कार । मद्रास-600024 । सर्वोत्तम अभिनेता के लिए पुरस्कार : 16. सर्वोत्तम पार्श्व गायक के लिए पुरस्कार : कमल हसन कमल हसन कमल और रजत कें०जे०येसुदास श्रीके०जे०येसुदास, रजत कमल और (मुन्द्रम पिरै) एल्डम्स रोड, 10,000 रु० (केवल (मेघ सन्देशम्) 13, अबिरामपुरम, 10,000 रु० (केवल (तमिल) मद्रास-600018. I दस हजार रुपए) का (तेलुगु) तीसरी गली, दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार । मद्रास-600028। नकद पुरस्कार । सर्वोत्तम अभिनेत्री के लिए पुरस्कार : 17. सर्वोत्तम पार्श्वगायिका के लिए पुरस्कार : शबाना आजमी सूश्री शबाना आजमी पी० सूशीला सुश्रीपी० सुशीला, रजस रजत कमल और कनल और 7, अणोक रोड, (मेघ संदेशम्) (अर्थ) 25, जानकी कुटीर, जुहू, 10,000 रु० (केवल 10,000 रु० (केवल (हिन्दी) बम्बई-400049। अल्बरपेट, वस हजार रुपए) का दस हजार रुपए) का (तेलुगु) मद्रास-600018। नकद पुरस्कार । नकद पुरस्कार । 10 सर्वोत्तम बाल कलाकार के लिए पुरस्कार: 18. सर्वोत्तम असमिया फिल्म के लिए पुरस्कार: विमल मास्टर विमल, रजत कमल और निर्माता: अपरूपा (अखूबम) नं० ६, दूसरी गली, 5,000 ₹∘ (केवल (असमिया) श्री जाहनु बरुआ, रजत कमल लेक एरिया, नुगम्बक्कम (मलयालम) पांच हजार रुपए) का 10, फेयरलान, 15,000 रु० (केवल मद्रास-400034 । नकद पुरस्कार । 1128, महर्षि कार्वे पन्द्रह हजार रु०) का 11. सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफी (रंगीन) के लिए पुरस्कार : नकद पुरस्कार । वालु महेन्द्र श्री वालु महेन्द्र, रजत कमल बम्बई-4000201 (मुन्द्रम पिरै) 14, इन्द्रागांधी स्ट्रीट, 10,000 रु० (केवल निर्देशक : (तमिल) सालिग्रामम्, दसहजार रुपए) का मद्रास-600093 । नकद पुरस्कार। श्री जाहनु बरुआ, रजत कमल 12. सर्वोत्तम आडियोग्राफी के लिए पूरस्कार : 7,500 रु० (केवल (स्वर्गीय) ऐस्सा (स्वर्गीय) श्री ऐस्सा सात हजार पांच सौ रजत कमल और भाई एम० सूरत-भाई एम० सूरतवाला रुपए) का 10,000 হ০ (केवल पुरस्कार । मार्फत अजन्ता आट्स, दस हजार रुपए) का पाली हिल, बान्द्रा, (नमकीन) नकद पुरस्कार । 19. सर्वोत्तम बंगला फिल्म के लिए पुरस्कार: (हिन्दी) बम्बई-400050 । नागमोती निर्माता: रजत कमल और 13 सर्वोत्तम सम्पादन के लिए पुरस्कार: श्री सिवा प्रसाद 15,000/-(केवल पन्द्रह हजार रुपए) का केशव हिरानी 🕚 श्री केशव हिरानी . और रजत कमल 179/179 नेताजी कहद पुरस्कार । (अर्थ) मार्फत रंजीत स्टूडियो, 10,000 हैं। (केवल मुभाय रोड, वावर, बम्बई-(हिन्दी) दस हजार रुपए) का

400014. I

नकद पुरस्कार ।

4

1 2 3 2 1 निर्वेशक : श्री गौतम चटर्जी, रजत कमल (केवल 356/4, नेताजी 7,500 ছ৹ सात हजार पांच सौ सुभाष चन्द्र बोस शापिट निर्माता: रुपए) मा कलकत्ता-700047। पुरस्कार । 20. सर्वोत्तम हिन्दी फिल्म के लिए पुरस्कार: निर्माताः और रजत कमल कथा श्री सूरेश जिन्दल, 15,000 ६० (केवल एल ० – 3, एडन हाल, पन्द्रह हजार रुपए) डा० ऐनी का नकद पुरस्कार । बेसेंट रोड, बम्बई-400018। निर्देशक : निर्देशक : श्रीमती साई और रजत कमल 7,500 रु० (केवल परांजपे, सात हजार पांच सौ 204, अम्बर अपार्टमेंट्स, गांधी-रुपये) का नकद ग्राम रोड, जुह, पुरस्कार । बम्बई-400049 । 21. सर्वोत्तम कन्नड् फिल्म के लिए पुरस्कार: निर्माता: फनियम्मा श्रीमती प्रेमा करन्थ रजत कमल और बाबुकोडी मूवीज, 15,000 रु० (केवल 47,20 वां क्रोस, पन्द्रहहजार रु०) का छठा ब्लाक, जय नकद पुरस्कार नगर, बंगलीर-560011 । क्लब, निर्देशक: श्रीमतीप्रेमाकरस्थ रजत . निर्देशकः बाबुकोडी मुवीज, 7,500 ₹৹ 47, 20 वां ऋास, सात हुजार पांच सौ छठा ब्लाक, जयनगर, २०) बंगलोर-560011 । पुरस्कार। 22. सर्वोत्तम मलयालम फिल्म के लिए पुरस्कार 🕄 चापा निर्माता : श्रीपी० के० अब्दूल रजत कमल और निर्माता : मेघ संदेशम् लतीफ मार्फत मिली 15,000 रू० (केवल इण्टरनेशनल पन्द्रह हजार रु०) का फिल्म्स, 5/773 नकद पुरस्कार । न्यूरोड, कोचीन-2(केरल)

निर्देशक :

13, 18वां एवेन्यू,

श्रीपी०ए० बैकर, रजत कमल

7,500 ₹∘

और

सात हजार पांच सौ अशोक नगर, मत्रास-600083 । ₹०) का पूरस्कोर ।

3

23. सर्वोत्तम मराठी फिल्म के लिए पुरस्कार:

श्री मधकर रूपजी, रजत कमल और सुश्री सुधा चिटाले 15,000 रु० (केवल और श्री विनय पन्द्रहहजार रु०) का नेवालकर, ट्रोइका नकद पूरस्कार । फिल्म कम्बाइन मार्फत गिपसीज,

1/18, ब्राडवे शापिंग सेंटर, दादर,

बम्बई-400014

श्री राजदत्ता और रजत कमल और श्री अर्रावंद देशपांडे 7500/~ रु० (केवस ट्रोइका फिल्म कम्बा-सात हजार पांच सौ इन मार्फत गिपसीज, रु० का नगद पुरस्कार ।

1/18, म्राडवे शापिंग सेंटर, दादर, बम्बई-200014 1

24 सर्वोत्तम तमिल फिल्म के लिए पुरस्कार:

एजावतु मनियन निर्माताः

श्री पलै एन० रजत कमल ₂और 15,000 रु० (केवल शनमृगम, 18, कास्मोपोलिटन पन्द्रह हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।

मद्रास-600002 ।

श्री के० हरिहरन, कमल और रजत डी०-43, अन्ना-7,500 रु० (केवल नगर, मद्रास~ सात हजार पांच सौ 600102 I रु०) . का

25. सर्वोत्तम तेलुगु फिल्म के लिए पुरस्कार:

श्री दसारी नारायण रजत कमल राय, 45, वाजुल्ला 15,000 रु० (केवल रोड, टी-नगर, पन्द्रह हजार ६०) का मद्रास-6000177। नकद पुरस्कार ।

निर्देशक :

श्री दसारी नारायण रजत और (केवल राव, 45, वाजुस्ला 7,500 रु०

| | | | | <u> </u> | |
|--|--|-----------------------------|---------------------|--|--|
| 1 2 | 3 | 4 | 1 2 | 3 | 4 |
| <u> </u> | रोड, टी० नगर, सात ह मद्रास-600017। ६०) पुरस्का | जार पांच सौ का नकद र। | | एस० डी॰ टेम्पल रोड, महीम, बम्बई-400016 | Ť |
| | II. लघु फिल्में | | | निर्देशक: | |
| ०८ म र्वोक्स ा सह | वना फिल्म के लिए पुरस्कार : | | | कुमारी विमला | रजत कमल और |
| ८०: सपाराम सूर एन० इंडियन | | मल और मुले, | | स्वमिनाथन, | 5,000 र० (केवल |
| - · | | .मल जार पुरु, र० (केवल | | 11, राश्याम | पचि हजार ६०) का |
| 40101 (MAS | , • | हजार रुपय) | | ानवास, एस० डा० टेम्पल रोड, महीम, | नकद पुरस्कार । |
| | | र पुरस्कार । | | इम्पल राड, महाम, बम्बई-400016 | |
| | कोआपरेटिब हाउ- | | | • | |
| | सिंग सोसाइटी, | | | ोगात्मक फिल्म के लिए | ५ पुरस्कार : |
| | कार्यालय, बरोडा रोड, | | चर्यकर चन्दुक | | _ |
| | बान्द्रा | | चमेलीवाला √६—० \ | भारतीय फिल्म | रजत कमल और |
| | (पश्चिम), | | (हिन्दी) | और टेलीविजन | 5,000 र० (केवल |
| | बम्बई-400050। | | | संस्थान, पुणे-411004 । | पांच हजार ६०) का |
| | | कमल और | | नुष-सार्वास निर्देशकः | नकद पुरस्कार । |
| | श्री तपन के ्बोस, 5,000 | • | | ानदशकः श्री एन० सी० थाडे | , रजत कमल और |
| | | ार रु०) का | | | , रणत कमल आर 5,000 र० (केवल |
| | | रस्कार । | | | , पांच हजार रु०) का |
| | कोआपरेटिव | | | बम्बई-400014। | |
| | हार्जीसग सोसाइटी, कार्यालय बरोडा | | 30 सर्वोत्तम एनी | मेशन फिल्म के लिये | • |
| | कापालय वराडा रोड, बान्द्रा | | राजु एंड टिकु | निर्माता : | 3 |
| | (पश्चिम), | | (हिन्दी) | चिल्ड्रैन्स फिल्म | रजत कमल और |
| | बम्बई-400050 I | | | सोसाइटी आफ | 5,000 रु० (केवल |
| a= | | | | इण्डिया, फिल्म | पांच हजार ६०) का |
| | <mark>भाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म के लिए</mark> | . पुरस्कार : | | प्रभाग कम्पाउंड, | नकद पुरस्कार । |
| कूडुयाल पाल | निर्माताः | | | 24, স্তা০ জী০ | |
| बेना मेंकिल (————) | मैसर्स केरल राज्य रजत क | | | देशमुख मार्ग, | |
| (मलयालम) | फिल्म विकास 5,000 | • | | बम्बई-400026 | I |
| | निगम, काटन हिल, पांच हज निवेन्द्रम-14। नकद पुरर | • | | निर्देशक : | |
| | निर्देशक : | (TILL) | | श्री अजय कुमार चक्रवर्ती, | रजत कमल और |
| | | मस और | | | 5,000 र० (केवल पांच हजार रु०) का |
| | | न्मल और रु० (केवल | | एस्टेट, एस० वी० | - |
| | राज्य फिल्म विकास पांच हुज | , | | रोड, बान्द्रा, | 3 |
| | निगम, काटन हिल, नकद 🐉 पु | | | बम्बई-400050 | 1 |
| | विवेन्द्रम−14 । | | | ऐंनीमेटरः | |
| 00 me | | | | श्री अजय कुमार | रजत कमल और |
| | ाण पर सर्वोत्तम फिल्म के लिए जिल्हार | १ पुरस्कार : | | चऋवर्ती, | 5,000 ६० (केवल |
| कल और आज (कि.क .) | | | | - | पांच हजार ६०)का |
| (हिन्दी) | कुमारी विसला रजत का | | | | नकद पुरस्कार |
| | स्वामिनाथन 11, 5,000 | | | रोड, बान्द्रा, | 4- |
| ······································ | रामश्याम निवास, पांच हजा | र ए०) का | | बम्बई-400050 । | |

33.

1 2 3 4

31. सर्वोत्तम भारतीय समाचार समीक्षा के लिए पुरस्कार एशियाड 82 निर्माता :

न्यूज-1 श्री एन० एस० रजत कमल और (अंग्रेंजी) थापा, फिल्म 5, 000 रु० (केवल प्रभाग, भारत पांच हजार रु०) का सरकार, 24, नकद पुरस्कार। डा० जी० देशमुख मार्ग वस्बई-400026

III-पुस्तक पुरस्कार

32. सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक के लिए पुरस्कार:

चलचित्र श्री विजय कृष्णन्, रजत कमल और
समीक्षा डाकखाना कोलोडे, 5,000 रु० (केवल
(मलयालम) विवेन्द्रम-695571 पांच हजार रु०) का
नकद पुरस्कार ।

IV/--दादा साहेब फाल्के पुरस्कार :

श्री एल० बी० स्वर्ण कमल और प्रसाद, नं०-2, 40,000 ६० (केवल सारंगपानी स्ट्रीट, चालीस हजार ६०) का टी० नगर, नकद पुरस्कार । मद्रास-600017

विजेन्द्र सिंह जाफा संयुक्त सचिव

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 12 मई, 1983

सं० ए०-19012/13/82-ई०-1 — मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री डी० विमोदकुमार को समाचार चिद्र अधि-कारी के पद पर फिल्म प्रभाग, अहमदाबाद में दिनांक 2 मई, 1983 के पूर्वीह्न से अगले आदेश तक रु० 840-40-1000 द०रो०-40-1200 के वेतनमान पर नियुक्त किया है।

एच० जी० भंडारकार सहायक प्रशासकीय अधिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1983

सं० ए०12025/21/81-प्रशासन-I (भाग-2)--- राष्ट्र-पति ने श्री सुरेश चन्द को 22 अप्रैन, 1983 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में वास्तुविद् के पर्व पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 मई, 1983

सं०-ए० 32014/3/81-(जे०आई०पी/प्रशासन-1 (एफ० एंड०एस०) — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० जयरमन को 25 फरवरी, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचरी में पुस्तकाध्यक्ष के पद पर बिल्कुल तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

त्रिलोक चन्द जैन उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई, 1983

सं० ए०-12026/15/82-(प्रशासन-I)/एम०एच० — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने निर्माण एवं आवास मंत्रालय, नई विल्ली के मुद्रण निदेशालय के श्री आर०पी० सक्सैना, लेखाकार को 16 अप्रैल, 1983 से केन्द्रीय मनचिकित्सा संस्थान, रांची में प्रशासनिक अधिकारी के पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया है।

प्रेम कुमार घई उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 16 मई, 1983

सं० टी०/3|बीएडी/स्था०1/1745 — डा० विद्याधर गोविंद टाट्रके ने वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एस एफ" पद का पद भार 21-4-1983 अपराह्न को ऐंच्छिक सेवा से निवृत हुए।

पी०एन० कुष्णमूर्ति नियत्नक

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रम और भंडार निदेशालय बम्बई, दिनौंक 12 मई, 1983

सं०: डीपीएस |2|1(5)|82-प्रभा० |16325 ~-इस निवेशालय की तारीख 28 जनवरी 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के कम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री सवानंद को कक्रपार परमाणु विद्युत परियोजना, कक्रपार की भंडार यूनिट (डो॰पी॰एस॰) में आगे 31 जुनाई, 1983 तक के जिए या अग्रिम आदेश होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

> पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद 500762, 26 अप्रैल 1983 श्रादेश

संदर्भ : ना ईंस/का प्र 5/2606/2638/505--जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के अभियांतिकी सेवा प्रभाग में मददगार "ख" श्री सी एच, वेंकटण्यरलु दिनांक 30-8-81 से अप्राधिकृत काम से अनुपस्थित रह रहे हैं;

और जब कि तार संख्या ना ई स/का प्र 6/व-129/ अ ई से/1879, दिनांक 17-10-1981 की डाक प्रति को जिने उन के निवास संख्या 8/59, कुशाई गुड़ा, हैदराबाद के स्थानीय निवासीय पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया था, उसे डाक प्राधिकारियों ने बिना वित-रित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "वितरण अवधि में कानेत निरंतर अनुपास्थित था";

और जब कि तार संख्या ना ई स/ का प्र 6/व- 129/ अ ई सं०/1879, दिनांक 17-10-1981 की डाक प्रति को जिसे उन के ग्राम व मंत्रालय स्टुअर्टपुरम्, तालुक बापटला, जनपद गुंट्क के स्थायी पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रोपत किया गया था, उसे भी डाक प्राविकारियों ने, बिना वितारत किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया "प्रेषिती गांव में नहीं है अत: यह पत्र प्रेषक को लौटाया जाता है"

और जब कि उन्त श्री वैंकटण्यरंचु क्राम पर नहीं आए तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र की अपना अता-पता बताए बगैर तथा बिना अवकाश लेने की सूचना दिए अवकाश का अनुमोदन करवाए हो अप्राधिकृतः काम से निरंतर अनुपस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री वेंकटण्वरलुको उन के विरुद्ध आरोप की तथा की जाने वालो प्रस्तावित कार्यवाही की जापन संख्या ना ई स/का प्र 5/2638/2177, दिनांक 19-12-1981 द्वारा सूचना दी गयी;

और जब कि उक्त श्री वेंकटण्वरलु को विनांक 19-12-1981 का आरोप पत्न उन के स्थायी पते पर प्राप्त हुआ किंतु उन्होंने अपने बचाब में कोई लिखित वक्तव्यं ें. नहीं प्रस्तुत किया;

और जब कि यह विचार किया गया कि आरोप की जांच करवाई जाए तथा तबनुसार आदेश संख्या ना ई स/का प्र 5/2606/2638/83, दिनांक 18-1-1982 के अनुसार एक जांच अधिकारी नियुक्त कियागया।

और जब कि जांच अधिकारों ने अपनी दिनांक 23-2-82 की रपट प्रस्तुत की जिस में उन्होंने लिखा कि उक्त श्री वेंकटेश्वरलु ने पत्न प्राप्त करने के बाद भी जांच की कार्यवाही में भाग नहीं लिया तथा इस कारण से एक पक्षीय जांच की गयो तथा यह कि उन पर आरोप विद्व हो गया;

और जब कि दिनांक 23-2-82 की जांच रपट (प्रितिलिपि संलग्न है) सह मामले के अभिलेखों का सावधानीरपूर्वक मनन करने के परचात् प्रधोहस्ताक्षरी आरोप को सिख हुन्ना मानते हैं तथा इस अनंमिम निश्चय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री वेंकटश्यरलु सेवा में रखने योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए;

और जब कि उक्त श्री वेंकटश्वरलु को शापन संख्या ना ई ल/का प्र 5/2606/2638/1384, दिनांक 17-8-1982 के द्वारा इस अनंतिम निश्वय को सूचना दी गयी तथा उन्हें इस शापन की प्राप्ति के 10 दिन के अंदर प्रस्तावित दंड के बारे में अपना अभिवदन प्रस्तुत इस्ते का एक अवसर दिया गया;

और जब कि उन के स्थायी पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रिषत दिनांक 17-8-82 के उक्त शापन को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "प्रेषिती ने पन्न लेने से इनकार किया, अतः प्रेषक को लौटाया जाता है";

और जब कि दिनांक 23-2-82 की जांच रपट सह मामले के अभिलखों के आधार पर अधोहस्ताक्षरी इस अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री सी० एच० वेंकटक्ष्वरलु सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाएं;

अतः अब, जब नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेव 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश संख्या 22(1)/68-प्रशासन II, दिनांक 07-7-79 से संयोजित कर उनमें प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री सी०एच० वेंकटेण्वरलु को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी, प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

श्रनुलग्नक:

श्री सी० एन० वेंकटेश्वरलु श्री सी० एन० वेंकटेश्वरलु ग्राम व पत्रालय: स्टुझर्टपुरम 8/56, कुशाई गृडा, तालुका: बापटला, हैशराबाद। जनपक्षःगृटरु

दोनो पत्र पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित ।

हैदराबाद, दिनांक 19 मई 1983

सं० का प्र भ/0704/1339 — नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी उच्च श्रेणी लिपिक श्री मु० लक्ष्मण रावु को तवर्थ आधार पर दिनांक 18-5-1983 से 18-6-1983 या आगामी आदेशों पर्यन्त, इन में से जो भी पूर्व मिंटत हो, रु० 650-30-750-35-880-द रो-40-960 के बेतन मान में स्थानापन्न सहायक कामिकाधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

जी०जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

वाया कोटा (राजस्थान) दिनांक 12 मई 1983 सं रापविप/भर्ती/3(2)/82-83/852—-राजस्थान परमाणु विद्युत् गृह के मुख्य परियोजना अभियंता इस विद्युत् गृह में वर्तमान कार्यरत निम्नलिखित अराजपित्रत तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गए ग्रेड में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से अगले आदेश होने तक के लिए इसी विद्युत् गृह में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

| . 41.62 | | | |
|-----------------------|--|--------------------------------|--|
| ऋ∘सं०नाम | पद जिस पर नियुक्त हैं | कार्यभार संभा- लने की तारीख | |
| 1. गिरीश चन्द्र शर्मा | वैज्ञानिक अधि- कारी इंजीनियर ग्रेड एस०बी० | 1-2-1983 | |
| 2. घनम्याम कंडपाल | 1) | 1-2-1983 | |
| 3 मोपी कान्त तिवारी | e ² | 1-2-1983 | |
| | | | |

वी० पी० नाईक प्रशासन अधिकारी (स्था०)

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना कुलपाक्कम, दिनांक 18 मई 1983

सं० एम०ए०पी०पी/18(132)/83 भर्ती —परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना, इस परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी परियोजना में अस्थाई रूप से उनके नाम के आगे उल्लिखित पदक्रमों पर दिनांक 1 फरवरी 1983 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

| ऋ०सं० नाम | वर्तमान पद | नियुक्ति पद |
|--|---|----------------------------|
| 1 2 | 3 | 4 |
| 1. ए० स्वामीनाथन् | वैज्ञानिक सहायक सी | एस०ओ०/अभि- यंता एस० बी० |
| 2. वी० राजगोपाल | " | " |
| के० अम्बुक्क्षी वीन्टो जोजफ ज्यूड | ग्राफ्टसमैन 'सी' वैज्ञानिक सहायक सी | " |

| 1 2 | 3 | 4 |
|------------------|---------------------|--|
| 5. ए० वेद्रीवेलु | वैशानिक सहायक सी | — एस०ओ०/अभि- यंता ए स०बी० |
| 6. एम०वी० वेकटेश | 1 | 11 |
| 7. डी० भक्तवच्चल | म ,, | 7 . |
| 8. ए० अपम्स | 11 | 11 |

टी० रामानुजम् प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 19 मई, 1983

सं० प ख प्र-16/3/82-भर्ती — परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक व स्थानापन्न लेखापाल श्री जे०के० शर्मा को उसी प्रभाग में 26-2-83 के पूर्वाह्न से लेकर 16-4-83 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी०डी० घाडने विद्युष्ट प्रशासन व लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर 18 महाराष्ट्र, विनांक 5 मई, 1983

सं० टी०ए०पी०एस०/1/18(1)/77-आर — मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री के०वी० राघवन को तारापुर परमाणु बिजलीघर में 3 मार्च, 1983 (पूर्वाह्न) से 18 अप्रल, 1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर सहायक प्रणासनिक अधिकारी के ग्रेड ६० 650-30-750-35-880-६० रो०-50-960) में एक अधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० स्रयंबकनार्थ, सहा-यक कार्मिक अधिकारी को तदर्थ आधार पर प्रणासनिक अधिकारी-III के पद में प्रोक्षत किये जाने के फलस्वरूप की जा रही है।

द० मरक्ले प्रशासनिक अधिकारी-I<u>II</u>

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपाक्कम, विनौंक 5 मई 1983

सं० आर०आर०सी०ए० 32023/1/77-आर०/6526 — रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वरिष्ठ आधुलिपिक तथा स्थानापन्न आधुलिपिक-ग्रेड-III श्री एम० कृष्णमूर्ति को 29-4-83 से अगला आदेश जारी होने तक उसी केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० वेंकटरामन प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1983

शुद्धि-पत्न

सं०ए० 32014/2/82-ई०सी०।—इस कार्यालय की दिनांक 7 फरवरी, 1983 तथा 17 मार्च, 1983 की अधिसूचना सं० ए०-32014/2/82-ई०सी० (खण्ड III) की प्रथम पंक्ति में राष्ट्रपति शब्द के स्थान पर "महानिदेशक नागर विमानन" पढ़ा जाए।

दिनांक 21 मई 1983

सं ए० 19011/10/80-ई० I—श्री वी०एन० कपूर, उपमहानिदेशक नागर बिमानन सी०सी०एस० (पेंशन) नियम के नियम 48-ए० के अधीन दिनांक 21 मई, 1983 (पूर्वाह्न) से स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए हैं।

ठाकुर दत्त सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1983

सं० ए०-38013/8/82-ई०सी० 1—नागर विमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन के निदेशक संचार, बैमा- निक संचार स्टेशन, कलकत्ता के कार्यालय के श्री जे० सान्याल, सहायक तकनीकी अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-4-83 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

विनांक 17 मई 1983

सं० ए० 12025/1/82-हिन्वी I—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री लाल रत्नाकर सिंह को विनांक 22-1-1983 (पूर्वाहन) से अन्य आदेश होने तक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा इन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, मब्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया गया है।

सं० ए० 12025/1/82-ई० सीं०——राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित व्यक्तियों को उनके द्वारा पद का कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से अन्य आदेश होने तक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:——

| · - | · | |
|------------------------------|--|--|
| कार्यभार ग्रह | रृण जिस स्टेशन | |
| करने की | . , | |
| तारीख | गया है | |
| 2 3 | 4 | |
| 1 0- 1- 1 9 8 (पूर्वाह्म) | 10-1-1983 वे० सं० (पूर्वाह्म) स्टेंशन | |
| | भुवनेश्वर | |
| | करने की तारीख 2 3 10-1-198 | |

| 1 | 2 | 3 | .4. |
|----------------|----------------|---|--|
| 2. एम० एस० किर | लों | | 3 निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई विल्ली का कार्यालय। |

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निवेशक प्रशासन

विदेश मंग र

बम्बई, दिनांक 20 मई 1983

सं० 1/1/83-स्था० विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतदद्वारा विदेश संचार सेवा की दौड शाखा के अधिक कि श्री ए० आर० पंजवानी को 11 अभैल, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक विकास प्रशिक्षण अनुभाग, पुणे में स्थाना-पन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं ।

> एच० एल० मलहोत्ना उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 13 मई 1983

सं० 16/404/83-स्थापना1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री आर० आर० यादव, सहा-यक वनपाल, मध्य प्रदेण वन विभाग को दिनांक 7 अप्रैल 1983 की पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, उत्तरी वन राजिक महाविद्यालय देहरादून में नियुक्त करते हैं।

> रजत कुमार कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थ न एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066 दिनांक 13 मई 1983

सं० ए-19012/972/81-स्था०-पांच, ग्रध्यक्ष, केन्द्राय जल ग्रांचोग एतददवारा श्री एस० के० सिल पर्यवेशक को केन्द्रीय जल आयोग में , अतिरिक्त सहायक निवेशक/ सहायक अभियन्ता के पद पर पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ रूप में, ६० 650-30-740-35-910-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 17 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्र) से एक वर्ष की अवधि या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक के लिए स्थानापन्न रूप में नियक्त करते। है

2. उपरोक्त अधिकारी की पदोश्नति माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में 1980 के लाम्बित मामले सिव्हिल नियम संख्या 10823 (डब्ल्यू०) के निर्णय के अध्यधीन है।

दिनांक 21 मई 1983

सं० ए०-19012/910/81-स्था०-पांच — अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० सीं० मिश्रा, पर्यवेक्षक को ए० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्स सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेंड में 10 मार्च, 1981 की पूर्याह्म से एक वर्ष की अविध अथया पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19012/1027/83स्था०-पांच — अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री रिव किरण खुराना, अभिकल्प सहायक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 30 अप्रैल, 1983 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की अविध अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत: अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

आर० आर० अरविन्द, अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1983

सं० 33/1/81ई० सी०-9—राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग की नामित श्री अणोक कुमार को उपवास्तुक के अस्थायी पद्मपर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप 'क') के० लो० नि० विभाग में रुपए 700/- प्रति माह वेतन पर रुपए 700-40-900द० रो०-401-100-50-1300 के वेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सहित) सामान्य नियम एवं शतौं पर 31-1-1983 से नियुक्त करते हैं।

- श्री अशोक कुमार का वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा है।
- श्री कुमार को नियुक्ति की तिथि में 2 वर्ष की अविध के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है।

श्क्षिपुत्र

सं० 33/1/82-इ० सी०-9— राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग की नामित श्री योगेश बिहारी लाल की उपवास्तुक के नाते नियुक्ति से सम्बन्धित इस कार्यालय की दिनांक 7-5-1983 की अधिसूचना सं० 33/1/82-ई० सी०-9 का पैरा 2 हटा दिया जाए और पैरा 3 को पैरा 2 पढ़ा आए।

कार्यभार सम्मिलित होने की तिथि 26-31983 के बदले 25-3-1983 पढ़ी जाए।

> ए० के० नारंग प्रणासन उपनिवेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य संत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय
ग्वालियर-474009, विनाक 16 मई 1983

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ग्वालियर स्ट्रा बोर्ड एण्ड पेपर पल्प इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विश्वय में।

सं क 968/पी० एस०/सी० पी०/457—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदब्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स ग्वालियर स्ट्रा बोर्ड एण्ड पेपर परूप इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी सितारा हिन्द ट्रेड एनकरेंजमेंट कम्पनी लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर-474009, दिनांक 16 मई 1983

सं० 532/पी० एस०/सी०पी०/460—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैं सर्स वी सितारा हिन्द ट्रेड एन्करेजमेंट कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कपनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स लावानिया इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में।

ग्वालिय:र-474009, दिनांक 16 म**ई** 1983

सं० 921/पी॰ एस॰/ सी॰ पी॰/463—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन माह के अवसान पर मैंसर्स लावानिया इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, अकलंतरा का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रारमध्य प्रदेश ग्यालियर

कोचीन, दिनाँक 9 मई 1983

सं० 1778/लिक्बिंग/560 (4)/22590/83—यतः रवर एण्ड प्लास्टिक्स् लिमिटेड (लिक्बिडेशन) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय, कोट्टयम में है का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरिस यह विश्वास करने का मुक्तियुक्त हकूक रखता है कि कोई समापन कार्य नहीं है। रहा है और यह कि स्टेटमेंट्स आफ अकाउण्ट्स समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है यह कमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः जब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रबर एण्ड प्लास्टिक्ज् लिमिटेंड (लिक्बिडेंशन में) का नाम, यदि इसके. प्रतिकूल हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जनता आयुर्वेता फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनाँक 11 मई 1983

सं० 2129/लिक्विं। 0/560(3)/4491/83---कम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनता प्रायुर्वेसा फार्मेसी प्राइवेट लिमिटड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> के० पन्चापकेशन कम्पनी का राजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनयम, 1956 और जूलान्स फर्मा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, विनाक 20 मई 1983

सं० 7119/सेक्शन 560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जूलान्स फर्मा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० के० रमणी, कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड, मद्रास प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या बी-114-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/2 है तथा जो लाजपतराय मार्ग लखनऊ में स्थित है (आए इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), र्राजस्ट्रीजर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक 27 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देवरेय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन तर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में:, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थार [:--

(1) श्री ए स॰ एम॰ वहीद रिजवी श्रीमती रानी जुबेदा सादात अली

(अन्तरक)

(2) श्री बंशीर अहमद खान

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुदारी

वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है:---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

भूमि का अंग बिल्डिंग सिहत पैमाइशी 3825 स्क्व.यर फीट जोकि सम्पत्ति नानपारा हाउस 25/2 लाजपत राय मार्ग पर स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3712/82 में विजित है जिसका जीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-9-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाव सक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

दिनांक: 7-5-1983

प्ररूप बाई० टी० दन• एस•---

नायक इ. निधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च, 1983

निदेण सं० पी० अर्र० नं० 2147-ए० सी० क्यू० 23-II/ 83-84-अत: मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव आरव एसव नंव 336 है तथा जो तांदलजा (बडौदा) में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन विनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिसियत उद्देश्य से उस्त अन्तरण में गास्तिवृक्त स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अम्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मगतलाल ओतमनाई पटेल के /मार्फत लिल कुमार मोहन लाल शुक्ल, 6, ममला सोसाइटी, रेसकोर्स, बडौदा ।

(अन्तर्ह)

- (2) 1. श्री दामोदर विठ्ठलदास ग्रुजंजर
 - 2. श्रीमती बसुनतिमरण मोहनलाल णुक्ल
 - श्रीमती ज़नाणरण मनता मोह्नलाल शुक्ल ममता सोताइटी, रेसकोस, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपटित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहारहास्तरों के पास लिखित में किए जा सकरीं।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाशित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जमीन, सर्वे नं० 336 जि.स्का कुल क्षेत्रफत 3470 चौ० मी० है जो तान्लजा में (बडौदा) में स्थित है और सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 5927, 5928, 5929 ता० 21-9-82 में रजिस्टर्ड हुई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

^{क अनुसर्ण} दिनांक : 30-3-1983 गंधारा (1)

मोहरु:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— प्ररूप आहु .टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज II, अहमदाबाध

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निवेश सं० यी० आर०नं० 2148- ए० सी० क्यू० 23-II/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 340 है तथा जो बधासी में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूबे से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंदे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दनांक 7 सितम्बर, 1982।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री पटेल रावजी भाई नरसिंह भाई चौरा के पास वधासी, तहु० आनंच ।

(अन्तरक)

(2) श्री पटेल मांति भाई मरधा भाई मंदिरपला फलिया, कुंजराब, तह० आनंदे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों अधिनियम के अध्याय 20-क हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो विघासी में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 10016 चौ० मी० है (सर्वे नं० 340) सब रजिस्ट्रार, आनंद 3934 नम्बर पर ता० 7-9-82 में रजिस्टर्ड हुई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज ुंग, अहमवाबाद

दिनांक: 8-4-1983

मोहरः

प्ररूप बार्इ. टी. एन. एस. -----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 🎹 अप्रैल 1983

निदेश सं० ी० आर०नं० 2192 ए० सी० क्यू० 23-H/83-84---अत: मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अ।र० एस० नं० 65/2 (पी०) है तथा जो वेजलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिक।री के कार्यालय, भरूष में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया यया या या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रो ईल्माईल उमरजी मोहम्मद
 - 2. श्री इब्राहीम उमरजी मोहम्मद
 - 3. श्री अली उमरजी मोहम्मद, गांव पारथरिया जि० भरूष ।
 - 4. श्रोमती बीबीबेन उमरजी मोहम्मद
 - 5. आयशे उमरजी मोहम्मद गांव परिश्वर, गांव दयदास
 - 6. श्री भरूष।

(अन्तरक)

(2) प्रयोज ह न्यूं शीतजनगर को० ओ० हा० सो० श्री ईस्माईल भाई ईब्राहिम भाई भरूच ।

(अन्तरस्ती)

को यह सूचना बारी करके पृथोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत आर० एस० नं० 65/2 (पी०), एस० प्लाट नं० 4, 5 और 6 वजनपुर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार भरूच में रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० साह, सक्षम प्राधिकारी, सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक: 2-4-1983

प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास मदास, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० 10/सितम्बर/1982---यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसाम उक्ति वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिलकी सं 174/डी, डी 1, डी 2, डी 3, स्वामी नेस्लेयणर रोड़, है तथा जो तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदास नार्थ (डाकुमेंट सं 2889, 2890, 2891, 2892/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से किथत नहीं किया गया है:—

- (भ) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिह्या के लिए;

धतः ग्रंब, उक्त मधिनियम की धारा 269-व के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट [:— (1) साक्रया

(अन्तरक)

(2) रशीद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्जन के विष्

जबत सम्परित को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण—-174डी, डी1, डी2, डी3, स्वामी नेल्लेयप्पर है रोड़, तिस्नेलवेसी । (डाकुमेंट सं० 2889, 2890, 2891, 2892/83)

आर० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, मवास

दिनांक: 13-5-1983

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4300—यक्षः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मक्सूक्पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल को एंद्रे रश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शंकर दास पुत्र भ्रत्तरा द्वारा जी 0 एन० जोगेन्द्र पाल पुत्र संकर्दास वासी गांव बलन्दपुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कौर पत्नी अजीत सिंह और प्रेम सिंह पुत्र अजीत सिंह वासी सतकार नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के श्रेष्णपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीएर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4087 दिनांक सितम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-5-1983

प्रारूप आहर् . टी . एन . एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालना र, विनांक 6 मई, 1983

निर्देश सं० ए० पा० नं० 4301—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांव स्तिम्बर 1982

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ठीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह गांव किंगरा तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी अवतार सिंह वासी गांव सत्तोवाल जिला होशियारपुर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4109 दिनांक 6-5-1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 6-5-1983

प्ररूप बाई • दो० एव• एस•----

म्रायकर अ**धिनियम,** 1961 (19**81 का 43) की धारा** 268-घ (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी॰ नं० 4302--यतः मुझे, जे० एस गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 63) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- कपये से प्रक्रिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपवारा (4) के अभीन निम्नसिख व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री हरीमाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह गिल पुत्र श्री बलदेव सिंह वासी गांव मकसूदपुर, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसानं ० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध हैं)

को यह मुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उरत सम्पन्ति के पर्जन के सम्मग्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन की ध्यक्षि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्वधि, को भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोवस व्यक्तियों म से विक्षी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन केमीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, धोर्डकारीका सम्पत्ति के पास लिखाद में किये जा सक्तेंगे।

स्पब्दीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, को सकत घितियम के धध्याय 20-क में परिधाबित है, वहीं धर्य होगा, बोजस प्रध्याय में दिया धना है !

वमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 4209 दिनांके सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकायी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 7-5-1983

माहर:

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एश्व॰-

ग्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनोक 7 मई 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4303—यतः मुझे, जे० एल० गिरघर,

आयकत् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आअत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में समी करने दा उससे अधने में सुविधा के लिए बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या या किया जाना चाहिए था खियाने में मृतिधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियन की भारा 269-ग के जनुकर्ज़ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री अमरीक सिंह एस० पी० ओ० उजागर सिंह जी० ए० बलजीत कौर, जोगिन्द्र कौर, मोहिन्द्र कौर सुपुत्र करतार कौर वासी गांव मकसूदपुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) दि नेशनल हाऊस बिल्डिंग कापरेटिव सोसाइटी द्वारा श्री विजय सिंह महाजन सेकेट्री आफ दि सोसाइटी वासी एन० एफ० 36, किला मोहल्ला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(2) जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबाई किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो उनत प्रश्निनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में विधा गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4255 दिनांक सितम्बर 1982 की रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिमांक: 7-5-1983

मोह्द 🗵

प्ररूप आई., टी., एन<u>ः,</u> एस<u>.</u> -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4304---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विच्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती सुरजीत कौर अलीयारा गुरवीथ कौर पत्नी सम्पूर्ण सिंह वासी गांव मकसूदपुर तहसील जालन्वर ।

(अन्तरक)

- (2) वि नेशनल हाऊस बिल्डिंग कोपरेटिय सोसाइटी द्वारी श्री विनय मिश्र महाजन सेन्नेट्री आफ वि सोसाइटी बासी एन० एफ० 36, जिला मोहल्ला जालन्धर।
 (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(﴿) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 4256 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 7-5-1983

मोहर 🔢

प्ररूप आहर्ष, टी. इंच. एता. -----

अस्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुष्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4305---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह किरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती दर्शनं कौर विधवा जोगिन्द्र सिंह जी० ए० आफ परमजीत कौर पुत्नी जोगिन्द्र सिंह वासी गांव गुड़ा सहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमीत सिंह पुत्र गुरदेव सिंह वासी गांव खेरा जिला होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। {मह व्यक्ति, जिनके बारे में अफोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करका हुने।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचका के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

श्वाकटीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4302 दिनांक दिसम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 7-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 43:06—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री माम कुमार पुत्र सतपाल जी० ए० ब्लाक लेफ्टीनेंट कर्नल एच० एम० खन्ना पुत्र श्री परामेश्वर वास वासी 3 जी० आर० पता 56 ए० पी० ओ०

(अन्तरक)

- (2) श्री हरबन्स सिंह, संतोख सिंह अमरीक सिंह सुपुत्र मोहिन्द्र सिंह वासी सैयदपुर जिला कपूरथला । (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि यह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अकिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुजुर्जी:

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4388 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 7-5-1983

प्ररूप. थाइ. टी. एन. एस. ----

आयफर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4307---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को। जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को जिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) श्रीमती बनन कौर माता जोगिन्द्र सिंह वासी गड़ा तहसील नकोवर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह हंस पुत्र भाग सिंह वासी मीरपुर हनज तहसील जगराओ जिला लुधियाना 2. श्रीमती सितन्द्र कौर पुत्र राजेन्द्र सिंह गिल वासी सराय खुर्द तहसील तरनतारन जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3840 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> भे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त अग्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-5-1983

मोहर

प्रऋष आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्प्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 मई 1983

निर्वेश सं० ए० पी॰ नं० 4308—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के उसित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कत निम्निनिवित उद्वेश्य से स्वत जन्तरण विश्वित में बास्त्रिक कम से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा को लिए;

बतः भव, उनत अभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—- (1) श्रीमती दर्शन कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह और श्रीमती चनन कौर माता जोगिन्द्र सिंह वासी गड़ा तहसील नकोदर, जिला जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) मेजर सरनजीत सिंह पुत्र आत्मा सिंह वासी 173, एम० टी० एन० रेजिमेंट पता 99 ए० पी० ओ०। (अन्तरिती)

(4) जो वैयिक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को वह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या द्वरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तयों में से किसी अविस्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नुसाहै।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3935 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे॰ एल॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर,

विनोक: 11-5-1983

प्रकृप आहु . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालग्धर, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4309—वतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982।

को पूर्वों क्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिवियम की भारा 269-ग के बनुस्रक में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :--- (1) श्रीमती बलजीत कौर विधवा प्रताप सिंह वासी 347 सैक्टर 9 धी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह 2. अजीत सिंह पुत्र दौलत सिंह 3. चमन कुमार पुत्र मोहन लाल 4. सुभाष चन्द्र पुत्र धारी लाल 5. चन्द रानी पत्नी लैफ्टिनेंट जे० एन० प्राशर 6. मंगत राम पुत्र लैफिटनेंट जे० एन० प्राशर 7. श्रीमती कमला रानी पत्नी राम और 8. मलकियत सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह 9. श्रीमती रजनी छाबड़ा पुत्र सोहन लाल वासी भोगपुर नकोदर जिला जालन्धर।
- (3) जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्वना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यापा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ज्वा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4334 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

विनांक: 11-5-1983

प्ररूप आर्चे.टी.एन.एस.-----

प्रायक**र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 4**3) की छारा **269-व(1**) के भ**धीन सूच**ना

भारतः भारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4310—यतः मुझ, जे० एल० गिर्धर

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-म के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फाजिलका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिलका में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वा कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिकत्त, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की माबत, उक्त स्मिनियम, के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--5---106 GI/83 (1) मैं सर्ज सित्तया राईस मिल्ज, फाजिलका द्वारा श्री इन्द्र मोहन पुत्र हीरा लाल, एग० के० सित्या पुत्र हरद्वारी लाल श्रीमती सरोज रानी पत्नी इन्द्र मोहन सित्या, फजिल्का सुरेश कुमार छात्रज्ञा पुत्र कर्म चन्द छात्रज्ञा वासी मालौट जिला मुक्तसर और श्रीमती माया देवी पत्नी कर्मचन्द्र वासी मालौट जिला मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्री पृथ्वी राज पुत्र लाला मुंशी राम वासी मण्डी अवोहर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(5) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस्थ है)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए धार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

भक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त पान्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्ी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2457 दिनांक मितम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फाजिलका ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-5-1983

५ रूव आई ही एन . एस . -----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहाय्क अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश स० ए०पी० नं० 4311—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

हायकर शिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मध्य पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में व्राणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का उन्हर प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकमी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (१) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री चरण सिंह पुत दीवान सिंह वासी गांव परवेज नगर डा़कखाना भवानीपुर तहसील कपूरथला । (अन्तरक)
- (2) श्री सुरजन सिंह पुत्र राजा सिंह गांव कांजली तहसील कपूरथला।

(अन्तिरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (5) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2002 दिनांक सितम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर ्रसक्षम प्राधि हारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

प्ररूप आइ. टी. एम. एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4312---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुए फिसी आप की बाबस, उसत अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वनने में सृषिधा के लिए; औट/या
- (ख) गुंसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तिया क्री, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनयम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तिसों, बर्धात :--

- (1) श्रीमती बलजीत कौर पत्नी अजमेर सिंह वासी मकान नं० 2044 वार्ड नं० 2, मुक्तसर। (अन्तरक)
- (2) जसवंत सिंह पुत्र काला सिंह वासी गांव अटारी तहसील₁ मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
स्विताहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भे कोई आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2227 दिनांक सितम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 12-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4313—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुप्त से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण सं शुई किसी आय की बाबस डक्ट अधि। नियम के ग्रधीन कर वने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित क्योंक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री भुपिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह वासी सोहन खैरा तहसील मलोट।

(अन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण गिरधर पुत्र तिलक राज मार्फत हिन्दुस्तान मोटर कम्पनी जी० टी० रोड़, नजदीक बस स्टैंड़, मलोट ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1427 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्तम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीत रोज, जालन्धर

तारीस: 12-5-1983

अरूप आह^र, टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० 4314--यतः मुझे, जॅ० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण आधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक हप से किथत नहीं जिया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ज्थित् :-- (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र करतार सिंह वासी गांव सोहन खेरा तहसील मलोट।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश गिरधर पुत्र तिलक राज द्वारा हिन्दुस्तान मोटर कंपनी जी० टी० रोड नजदीक बन स्टैंड मलोट।

(अन्तिरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बार मा अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी कारके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोर्ब भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारींख में 45 दिनी की अविध या तह्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमा प्रमुक्त शत्या और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

जन्स्की

सम्पिश्त तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1428 दिनांक सितम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

प्ररूप आहरं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० 4315—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैंमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो धोगड़ी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अधितः—— (1) श्री प्रेम सिंह पुत्र मावा सिंह नासी धोगड़ी तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुर तेज सिंह पुत्र बोगा सिंह वासी 81 गार्डन कालोनी, जालन्धर।

(अन्तfरती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षाः)
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 4120 विनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जै० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

मोहरः

पस्य आर्र . टर . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश मं० ए० पी० नं० 4316—यतः, मुझे, जे एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो धोगड़ी में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रक्यमान प्रतिफल से एमें इक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशान से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के तीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकारितियों से उद्धरं क्या से उद्धरं का निमत् में बास्तविक एसे से किया गया है ----

- (क) अन्तरण सं हुद्दे किसी आय को बाबस, उक्त अधिन्यम के अधीन दार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— (1) श्रीमती जसवंत कौर पत्नी रारदुल सिंह वासी धोगडी तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुदेव सिंह पुत्र समुन्द सिंह वासी रेरू, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

जात सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविध तो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दी और पर्दी का, जो उकत् अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4151 दिनांक सितम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षमः प्राधिकारी, सहायक आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4317—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य $2\xi,000/$ -रु. में अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लधेबाली में कियत है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धान्तिय रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेंगे किशी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब्, ⊲क्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रेम पाल पुत्र जवाल राम जी० ए० अरूड सिंह पत्र अवतार सिंह वासी लधेवाली, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) 1. श्री संजय मित्तल पृत्र मदन लाल 2. प्रेम पाल, यणपाल पृत्र परमानंद 3. नीलम जुनेजा पत्नी कुल अपण 4. मुरिन्द्र कीर पत्नी निरन्द्र सिंह 5. कृष्णा कुमारी पत्नी हरबंस लाल 6. हरबंस कौर परनी अमर इकबाल सिंह 7. प्रेम गाल सभी पृत्र नीर्थ राम, वासी जालन्ध्रय कैंट ।

(अन्तरिती)

- (3) ज़ैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुठचि रखता है। (बंह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4222 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 12-5-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

प्रायकर श्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के **पन्नी**न सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० 4319—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25.000/- क से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दशमेण नगर मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भासिसमों को, जिन्हूं भारतीय भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कै बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम को भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्मिलिकित व्यक्तियों, कुर्णात् किल किल किल व्यक्तियों, कुर्णात् किल

(1) श्री गुरदेव पुत्र बचन सिंह वासी मोगा महिला सिंह मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुखदेव कौर पत्नी अवतार सिंह मार्फत अवतार सिंह मान, गौशाला, सिंधरी (बिहार)

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थाना जारी करके पृथा किस सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4476 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

स्नायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० 4320—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हुं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर थेने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के रिस्ए;

(1) श्री रमन राए पुत्र राज कुमार जालन्धर कोल्ड स्टोरेज जी० टी० रोड़ नजदीक डी० ए० वी० कालेज जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) दि जालन्धर एल० आई० जी०/एम० आई० जी० इम्पलाईज को०आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० जालन्धर मार्फत बी० एन० जोशी डी० ए० वी० कालेज, जालन्धर ।

(अन्तक्ति)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पस्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

की यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण है---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसमी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4145, विनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्छर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, यक्षम अधिकारी, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक: 12-5-1983

प्रक्ष माई॰ टी॰ एन॰ एस॰

पायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रावीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० पी० 4321---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के यवीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के रचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वागार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित कहेंग्य से उनत प्रनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित कहेंग्य से उनत प्रनरण लिखित में वास्त्रिक कप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसा श्राय की बाबत, उक्त श्रक्षिक नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीच्या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिनाने में सुविधा के सिए।

मतः सव, उक्त विभिन्नियम, की धारा 269-ग के बनुसरथ मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिविक्त व्यक्तियों, वर्षात् ः—⊶ (1) श्री रमन राय पुत्र राज कुमार, जालन्धर कोल्ड स्टोरेज जी० टी० रोड, नजबीक डी० ए० वी० कालेज, जालन्धर।

(अन्तरक)

- (2) बी जालन्धर एल० आई० जी०/एम० आई० जी० इम्पलाईज को० आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० जालन्धर मार्फत बी० एन० जोशी, प्रेजीडेंट आफ दी सोसायटी डी० ए० वी० कालेज जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→-

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और वदों हा, जो उक्त प्रक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो एन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4146 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सह्यक्क आयक्कर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12~5~1983

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं् ए० पी० नी० 4322—यतः मझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरीचन्द पुत्र रामलाल सामने स्पोर्टस कालेज जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र पुत्र टेक चन्द वासी मकान डब्ल्यू० एक्स० 158 बस्ती नौ जालन्यर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं) .

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पब्दिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4758 दिनांक ' अक्तूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4323—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात :--

- (1) ऊषा रानी पत्नी नन्द िशोर और अशोक कुमार, मनीश कुमार किशोर कुमार तथा किरण सुनीता संतान नन्द किशोर वासी मिटठ बाजार जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) नेशनल रबड एंड कैमीकल इंडस्ट्रीज बस्ती बाबा खेला, जालन्धर ।

(अन्तिरिती)

(3) जैसाकि नं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जिसकी विलेख सं० 3876, दिनांक सितम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, स**क्षम प्राधि**कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 13-5-1983

प्रक्ष भाई .टी.एम .एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 13 मई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4324—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका पैचत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वों कर सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वित में बास्त्रिक क्ष्य से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोधनार्थ अन्यद्विती ब्वादा प्रकट नहीं किया पंथा था या किसा बाना बाहिए वा, खिमाने में सविधा के लिए;

नतः जब, उनत निभिनियम की भाषा 269-म के नमृत्रसम में, में, उनत निभिनियम की भाषा 269-म् की उपभाषा (1) के अधीत, निजनितियत न्यनित्ती, अर्थात् ः— (1) श्री संत राम दुग्गल पुत्र रघुनाष दास जी० ए० आफ देश कपूर पुत्र मधरा दास बासी 128/3 सेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी पत्नी वर्मा नन्द बेरी वासी मकान नं० 98 सादश नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) को यह स्थान वारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

हमक्द्रिक्ट्रणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 38,22 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी जालन्बर में लिखा है।

> जे॰ एल॰ गिरघर, मक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जालम्घर

विनांक: 13-5-1983

मोहर् 🕄

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजने रेंज, जालन्धर जालाधर, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 4325—यतः मुझे, जे० एल० गिरश्रर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. मे अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दलीप कुमार त्रिज पुत्र भीम रोन और भगवन्ती पत्नी भीम भेन वासी 85—न्यू रेखिदी कालोनी, जालम्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र ठाकुर दास शासी नंगन करार खां तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहः

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत राज्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काकोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक्त में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित हा, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विवा गवा हा।

जनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 4183, दिनां। सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने निखा हैं।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जालन्त्रर

दिनांक: 13-5--1983

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, आलन्धर
जालम्धर, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश संव एव पीव नंव 4326--यतः मुझे जेव एलव गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यायित्य जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राम प्रकाण पुत्र राधा कृष्णा वासी जालन्धर (अस्तरक)
- (2) श्री प्यार सिंह मनोहर सिंह विश्व सिंह पुत्र करनार सिंह और गुरबजन सिंह पुत्र कुंदन लाल और डा० प्रकाण नाथ पुत्र दोवान चन्द बासी डब्ल्यू० ई० 262/675 शेरवान बाजार जालाँधर। (अन्तरिती)

(3) जैमा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पंत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4167, दिनांक सिनम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 13-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4318—-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योगों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वापा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम भी धारा 260-ग के अनुसरण मी, मी तक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---7---106 GI/83 (1) श्री अमराप्ति थिह पुत्र उमराऊ सिह बासा गांव बड़ाला तहसील जालन्यर ।

(अन्तरक)

(ग) आत्म कौर पत्नी कृपाल सिंह वासी 504 मणल ग्राम लुधियान, प्रकाण वन्ती मरवालः पत्नी तीर्थ राम वासी डब्ल्यू० डी० 163, अली मोहल्ला जालन्धर जनम राष्ट्र पत्नी रमेण कपूर बासी 84 णिक्त नगर, जालन्धर, मुख मोहन सिंह पुत्र जैमल सिंह वासी 4-सी, माडल टाऊन जालन्धर, रमेण वालिया पत्नी इन्द्र मोहन सिंह वासी 48-बी, माडल टाऊन जालन्धर, गुर मोहन सिंह पुत्र चमेल सिंह वासी 4-सी, मण्डल हाऊस, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)
को यह स्भाग जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4403, दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे ० एत० गि॰धर, सक्षम अधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-5-1983

भोहर :

प्ररूप बार्च, टी. पून. पूस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 मई 1983 निदेश सं० ए० पी० नं० 4327—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान शितफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल में, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री जुगराज सिंह पुत्र शिव सिंह गांव डेरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर ।

(अन्सरक्)

- (2) श्री रिवन्द्र कुमार पुत नन्द लाल वासी 40, कुणतुरबा नगर, जालन्धर कँट, शमिन्द्र कौर पत्नी रिजन्द्र सिंह, 99 रेडियो कालोनी जालन्धर आर० एन० सहाय पुत्र चरनी लाल माली वासी 2-नेताजी नगर, जालन्धर, अमरजीत सिंह पुत्र करनार सिंह वासी माधोपुर जैलावात जिला कपूरथला, परमजीत सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी डब्ल्यू० जी० 204, इस्लाम गंज जालन्धर, जनक दुलारी पत्नी विश्वा मिल वासी 5-दाक्षानगर, माडल टाऊन, जालन्धर। (अन्तरिती)
- (4) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 101 मरले जो ि क्यिंग में स्थित है ग्रीर व्यक्ति जैसा त्रिलेख नं० 4366, दिनांट सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीइन्ती अधिकारी जालनगर में लिखा है।

> जे० एल० गिग्धर, सक्षम प्राधिकारी, सहामक आयखर आंयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 13-5-1983

मो हर :

प्रसम्प काइ . टी. एन्. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 111/83-84-यतः मुक्षे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 341 है तथा जो रानीगंज सिकिवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्या, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्ग से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अन्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बृत्ध ब्व, उक्त निधिनियम् की पाद्य 269-य के बनुस्रण, व, व, उक्त निधिनियम की पाद्य 269-व को उपपादा (1), के नधीन्, निम्मृतिचित स्युक्तियों, अपृत् हि—

- (1) एम०/एस० बाबूखान बिल्डर्स, बेगमपेट, हैदराबाद (अन्सरक)
- (2) यू॰ सारास्वती, दत्ताभाई भवत के पास, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनता सम्परित के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी अहे पास निकास में किए जा सकती।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 341, तीसरी मंजिल में एम० नं० 5-4-86 से 92 विस्तीर्ण 487 वर्ग फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6682/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी, सहायत्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 5-5-1983

मोहरु ः

जरूप जाई.टी.एन.एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 112/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 30 है तथा जो रानीगंज सिकंदाराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिधां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के सिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् :---

- (1) एम०/एस० बाब्खान बिल्डर्स, बेगमपेट, हैदराबाद (अन्सरक)
- (2) मिस मुहारक बेगम, ईंडेन गार्डेन, किंग कोटी हैदराबाद।

(अन्तर्गरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

णाप नं० 30, नीचे मंजिल में एम० नं० 5-4-86 से 92 तक विस्तीर्ण 212 स्क० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6681/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांबा: 5-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरावाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 113/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 347 है तथा जो रानीगंज सिकन्दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरा-बाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पुर्वक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे धचने में सूविधा के लिए; और्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्:---

- (1) एमं ०/एस० बाबूखान बिडर्स, बेगमपेट हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री के० बालाकृष्णा राव, जिमखाना रोड़, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 347 तीसरा मंजिल में एम० नं 5-4-86 से 92 विस्तीर्ण 266 चतुर फीट र्गजस्ट्रीकृत विलेख नं 6680/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांफ: 5-5-1983

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 114/83-85---यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य., 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नं० 22 है तथा जो रानीगंज सिन्कदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पृशांकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ये बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुव् किसी नाय की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनिया, 1057 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिपती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) एम०/एस० बाब्खान बिल्डर्स, बेगमपेट, हैंदराबाद (अन्तरक)
- (2) ए० महालक्ष्मी, पति डाक्टर ए० दासारादा नायडू जगितयाल, करीमनगर जिला ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किमी अन्य काश्चित द्वारा अध्यक्ष पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 22, नीचे मंजिल में एम० नं० 5-4-86 से 92 तक विस्तीर्ण 516 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत खिलेख नं० 6593/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-5-1983

प्रारूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भारा

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक मामकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश स'० आर० ए० सी० नं० 115/83-84--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 2 है तथा जो दूसरी मंजिल में येमारालड़ कामप्लेकस में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/य
- (का) एंसी किसी आय था किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के तिए।

- (1) एम०/एस० येभारालड बिल्डर्स, आंबेड रोड़, बै० श्री गोपालराय अग्रवाल, हैंदराबाद ।
 - (अन्तरक)
- (2) एम०/एम० स्टमस ष्यूल और सोमाप्पा लिमिटेड, बंगलीर ।

(अन्तरिनी)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपृत् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

आफिस नं० 2, दूसरी मंजिल में येमारालड कामप्लेकस, सरोजिनी देवी रोड़, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6554/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदराबाद

अंतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण कर उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

दिनांक: 5-5-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 116/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० 201 है तथा जो 3-6-200 हिमायत नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रूर्यमान प्रतिफल सं, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्लिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियस को अधीन कर दोने को अन्तरक को दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भविधा के लिए:

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत् ः——

- (1) एमः / एमः शारदा कन्स्ट्रकशन प्राइवेट लिमिटेड 3-6-200, हिमायतनगर, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) मोहम्मद अब्दुल अजीज, पिता, लट मोहम्मद अब्दुल करीम 5-9-1045 हैदरगुड्डा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत् :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए या सकेंगे:

स्पर्ध्योकरणः -- इसमें प्रय्कत शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एफ० नं० 201 पद दूसरी मंजिल में अरुनोदाया अपार्ट-मेंट्स नं० 3-6-200 हिमायतनगर हैंदराबाद विस्तीर्ण 1412 चतुरफीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 897/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-5-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए०सी० नं० 117/83-84---यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० नं० 5 है तथा जो बेगमपेट हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालमनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 8---106 GI/83

(1) एस॰ प्रेमलता, (प्रेमलता) पति एस॰ राधास्वामी नं॰ 133 वेस्ट मारेडपाल्ली, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री णंकर मुखर्जी, पिता, लेट आई० एन० मुखर्जी यू० 16 ग्रीनपार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली-110016 (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, या भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5 अपरना अपार्टमेंटस, बेगमपेट, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 900 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1732/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाल्लाभनगर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनौंः : 5-5-1983

भोहर ः

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 118/83-84--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन.

शायकर किविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 102 है तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बाल्लाभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बासत उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कीयत्व से कमी करने या उससे बचन यो सुविस्त के किए; कोर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियरं की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-त्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) इं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्णिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;— (1) एम०/एस० बुमाकारन तेज कारन, 8-2-547 बंजारा हिस्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० भाल, पिता लेट हरसुख राय 102 जयंती अपार्टमेंटस, बेगमपेट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरों के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

एफ० नं 102 पहली मंजिल में जयन्ती अपार्टमेंट, क्रेगम-पेट, हैदराबाद विस्तीणं 1000 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1668/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाल्लाभनगर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-1983

प्रक्ष आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 119/83-84-पतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव 10-3-17/7 सी है तथा जो हुमायू नगर हैदराबाव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, करताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिश्वत बाजार मूल्य से काम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कोंक्त सम्पत्ति का उिश्वत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया एसे न्तरण के लिए प्रति-फल निम्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिशत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राहामातुल्ला खान, 10-2-29/1 आसिफनगर, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इम्राहिम और अन्य, 10-3-17/7/सी, हुमायूं नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्सक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

नीचे और पहली मंजिल घर नं० 10-3-17/7|सी हुमायू नगर, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6778/82 रजिस्ट्रीकृतां अधिकारी कैरताबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहभदाबाद

दिनांक: 9-5-1983

प्रस्पु आद्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 120-83-84---यतः मुझे. एम० जगम मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्त से अधिक हैं

और जिसकी सं जमीन है तथा जो हैदरनगर गांव में स्थित है (और इसमे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, आरं आरं जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक हे और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कथी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

वतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्रीमती हाशमातुन्तिसा बंगम, 11-5-152/बी/1, रेड हिल्स, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) एम०/एस० सत्या साई कोआपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 6-3-841/1, अमीरपेट, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 9 एकड़ हैंदरनगर गांव, राजेन्द्रानगर तालुक रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7545 और 7479/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी आर० आर० जिला।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैक्साबाद

· दिनांक : 9-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 121/83—84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो) की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रा. संअधिक हो

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो किशनगृंडा हैदराबाद में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विश्वति है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० आर० जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नदन अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, किएएने में मरिया के लिए;

(1) डी श्रीत क्रिस्टन् फामिली ट्रस्ट, डी शासिक्षणा फै।मिली ट्रस्ट, 2-6-863 शालिबंडा, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) मास्टर दिलीप कुमार केडिया, बै० प्रभुदयाल केडिया 19-2-226, मीरालम टैंक रोड, हैदराबाद ।

(अन्स**िरती**)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए याणनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (अ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हात मों किए जा सकोंगे।

स्वर्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्द जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद्य ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुखी जमीन 5 याकरम सर्वे नं० 10 किष्णगृडा, हैदराबाद वेस्ट तालेख राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7598/82 राजस्ट्रीकृत्ती अधिकारी आर० आर० जिला ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 9**–**5**–**1983

मोहर:

भतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- प्रकप भाई. टी. एन. एस. ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं ० आर० ए० सी० नं ० 122/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उदाः अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन गथाम श्रीधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन हैं तथा जो किशनगुड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, आर० आर० जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से, कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूब्धिय के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, जीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्योक्तयों, अर्थात् ः— (1) डो॰ विष्णु फैमिली ट्रस्ट, डी॰ राधाकृष्णा फैमिली ट्रस्ट, 23-6-863, शालिबंडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर रिवन्द्रा कुमार केडिया, पिता, प्रभूदयाल केडिया; 19--2-226, मोरालम टेंझ रोड, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन 5 याचरस अर्थे नं० 10 स्थिपगूडा, हैदरा**बाद रिजस्ट्री-**क्र**त** विलेक नं० 7597/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी आर**० आर०** जिला ।

> एम० जगन मोहन, मक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज, हैदराशाद

विनोक . 9-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत संदुकार

बार्यालब्, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 123/83-84-यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रु. स आधक हैं
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो चन्तारम विलेज तांडूर
तालेख में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आरं० आरं० जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पंद्रह प्रतिरात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में

बास्तिष्ठिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से ब्रुष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अस्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन पा वस्य आस्तियों भी, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रीविनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (195? का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिमाने में मुदिशा के जिए ;

स्रतः धव, उक्त बहिनियम की बारा 269-व के धन्सरण वें, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा(1) के बधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, सर्वातुः—ो

(1) खासिम बेग और अन्य, नं० 8-4-75, पुराना तांडूर सार० आर अण्ला।

(अन्तरक)

(2) एम०/एस० इंडस्ट्रीयल मिनारल सपलाईरस, बै० श्री अशोक देसाई, नं० 4-3-314 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना **पारी कुरुचे पूर्वोक्त संपत्ति के अ**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संपरित के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्तियों व्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारी।

स्थण्टोकरणः---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहाँ अर्थ होगा को उस अध्याय दों दिया गया है।

अनुस्ची

खुला जमीन शेष्ठ के सात तांढूर तालूक आर० आर० जिला, विस्तीर्ण 5266 चतुर गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7077/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आर० आर० जिला।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-1983

भांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 9 मई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 124/83-84--यत: मुझे, एम० जगनु मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-3-966/16 है तथा जो येल्लारेड्डीगुडा हैंदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पोत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के ख़्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती खबारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अय उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कामेण्यर मिश्ना, पिता रघुनाघ मिश्ना, 8-3-898/20 पहली मंजिल, नागारजुना कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वोबुल रेडर्डा और अन्य नं० 3/156 नागाराजुपेटा, काशापार्टन ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

धर नं० 8-3-966/16, 16-1 और 16-2 नागारजुना कालोनी, येल्लारेड्डीग्डा, विस्तीर्ण 824 चतुर गज सर्वे नं० 25/1, 2 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6764/82 .रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-1983

प्ररूप बाह : . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्देण सं० आर० ए० मी० नं० 125/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० रामानाचपूर है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, दूवबौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्यित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—
मोहर:

9-106 GI/83

- (1) श्रीमती आर० इंदिरा, पति आर० श्रीपति राव जिमुकुंटा गांव, अच्चामपेट तालूख, माहाबूबनगर जिला (अन्तरक)
- (2) एम०/एस० बिजुंसारिया कस्ट्रेक्णनम प्राईवेट लि.म-ठेड, बै० एम० डी० प्रभुदयाल केडिया, 19-2-226, मीरालम टेंक रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस जब्याव में दिशा गया है।

बन्स्ची

प्लाट नं० 6 विस्तीर्ण 294 चतुर गज रामानाथपुराम, जूलाजिकल पार्क के सामने हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1364/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दूदबौली ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैवराबाद

विनांक: 9-5-1983

मोडरः

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिसांक 9 मई 1983

निर्वेश सं अार ए० सी० नं 126/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. सं संधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, दूदबौली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सिसम्बर, 1982

को पृथेकित सम्बन्ति को उचित बाजार बुम्ब को कम के अवसान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है बौर मुम्में वह विद्यांत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदेश से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कि ए गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमतीयन मानिषयाम्मा, पति एन० मादाबाराव, मानिस्ला पाल्ली बिलेज, अच्चेमपेट तालेक, माहाबूब-नगर जिला।

(अन्तरक)

(2) एम०/एस० बिजुसारिया येकस्ट्राकशनस (पी०) लिमिटेड बै० प्रभुदयाल केडिया, 19-2-226, मीरालम टेंक रोड, हैदराबाद 264।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स्थी

प्लाट नं 1 विस्तीर्ण 560 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1357/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी दूवबौली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहाबन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 9-5-1983

प्रक्प आहें. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 127/83-84-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 द० से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट है तथा जो बाहादुरपुरा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दूदबौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंचह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुन् किसी गाय की गावत; उक्त ग्रीभित्रत के शभीन कर दोने के शन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के शिए; गौर/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया है तुन्द;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिस्पॉ, अर्थात् ह—∻

- (1) श्री आर० वेंकाटा वेलापातीराव, पिता नारायाना राव, 5-1~583, द्रृप बाजार, हैवराबाद। (अन्तरक)
- (2) एम०/एस० बिजुसारिया कसद्रकसन्स (पी०) लिमिटेड बै० प्रभुदायाल केडिया, 19-2-226, मीरालम टैंक रोड हैंदराबाद-264 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजप्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 - के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमार नथा हैं।

वनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 795 चतुर गज रामंथपुर हैवराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1356/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी दूवबौली।

एम० जगम मोह्न, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाव

विनांक: 9-5-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनोक 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 128/83-84---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो रामंतपुरा हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूदबौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्वरेग से उक्त जंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिमिश्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन. निम्निजिसित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्रीमती सुलोचानाम्मा, पति श्री हरीदास, नारायाना-गृष्ठा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) एम०/एस० बिजुसारिया कंसट्रकसन्स (पी०) लिमिटेड बै० प्रभुदयाल केडिया, 19-2-226, मीरालम टैंक रोड़, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है !

अभूसची

प्लाट नं 10 विस्तीर्ण 472 चतुर गज रामंतापुरा हैदरा-बाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1366/82 रिजस्ट्रीकर्ताअधिकारी दूदबौली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 9-5-1983

प्ररूप भादः टी एन. एस.---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक, 9 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 129/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है, जो रामंतपुरा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुदबौली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एस इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तारित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत स्व्दर्य से उचत अन्तरण निम्नल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाम की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रासूल बी० पती, अबदुल कादर, 5-1-581 ट्रूप बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. एम०/एम० बिजुसारिया कंसट्रकसन्स (पी०) लिमिटेड 19-2-226, मीर आलम टेंक रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी कारके पूर्विक्तः सम्प्रितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना व राज्यम भी प्रवाधन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की ताभीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मीं समाध्य होती हो, के भीवर प्रविक्त. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस स्भाना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त: अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया; गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7 विस्तीर्ण 798 चतुर गज रामंतपुरा हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1367/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी दूद-बौली।

> ्रम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-1983

प्ररूप भाइरे. टी. एन. एस.-----

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983

आर० ये० सी० नं० 130/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं घर, जमीन है जो तिम्मापुर गांव में स्थित है ((और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शादनगर में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- एम० एस० भाग्यानगर झाभारीस (पी०) लिमिटेड दिलशुक्तगर, हैदशबाद।
 - (अन्तरक)
- 2. एम० एस० वेंकटेस्वारा हाचारीस (पी०) लिमिटेड 14-1-1233 4 हैच० सुबोदाया अपार्टमेंट्स, बोग्गला कुंटा, हैपराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथीं क्या संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन, की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः —-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

जमीन 13-38 याकरस सर्वे नं० 60 तिम्मापुराम गांव कोलूर ग्राम पंचायत, शायनगर तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1997/ 82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शायनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ाँ (1) तारीख: 9-5-1983 मोहर:

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 260-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बचीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अभृति स्— प्ररूप आर्थ: टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत अरकीर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 46/83-84 — यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या 215/3 है, जो पाटामाटा विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्वोदय से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की वावत उक्त निध-निवस के व्योग कर दोने के अन्तद्वक के दायित्व कें कमी करने वा उसते दचने में सुनिधा के सिबे; और/सा
- (क) एसी एसी जाय हा किसी धन या अन्य अस्तियों कीं, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधात् :----

- 1. यू० कासीपुरनाम्मा, पती० माल्लिकारजुना राष, विजय-वाड़ा। (अन्तरक)
- श्रीरामा कोआपरेटिव बिल्डिंग सोमाइटी लिमिटेड दुर्गा अग्राहाराम, विजयवाडा—520002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्ची

जमीन पाटामाटा नं० 215/3, विस्तीर्ण 8059 चतुर मीटरस रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 9853/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैयराबाद

तारी**व**: 4-5-1983

प्रस्प बाई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ए (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश मं० आर० ए० सी० नं० 47/83-84-- यतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्वित इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 46/4 है, जो पैदावालतेर वेजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथा गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय का नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआ । प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआ । प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआ । प्रयोज नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

 मुकुमागननात, पिता लेट० काननदी पद्मानाभन, डिफेंस कालौनी, इंदिरा नगर, चेंगलर ।

(अन्तरक)

 एम० एस० राजीव बिल्डर्स, मैनेजिंग पार्टनर जी० रामा-राज्, बैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूक्ता के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उजत स्थानर सम्पत्ति में हित-बस्थ जिल्ही जन्म अणित प्रवास, अवाह स्ताबारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्नों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हो, बहु अधि हाम जो उस बन्धाय मा दिल्ला गया हो।

अनुसूची

खुल्ला जमीन पेदा वालतेर वैजाग में विस्तीर्ण 2131-1/3 भतुर गज सर्वे नं० 46/4 प्लाट नं० 23, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9075/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैजाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

कतः अब उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन निम्निसिस स्यक्तियों, अर्थात्:——

सारीखा: 4-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर०ए० सी०नं० 48/83-84-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 149/1 है, तथा जो सत्यानारायानापुरम विजय-वाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुचिधा के लिए।

 भी डी॰ वेंकाटारामाय्या, पिता वेंकाटा सुम्बय्या नोगल राजापुरम विजयवाड़ा-10।

(अन्तरक)

 चिटटी कोआपरेटिय बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन सत्यानारायाना पुराम नं० 149/1 विस्तीणी 11735 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9773/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्तित व्यक्तियों, अर्थातः——

10-106 GI/84

तारीख: 4-5-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 49/83-84-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संख्या एस० 152 है, तथा जो राजामंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राज-

स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजामंडी में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाब्त, उक्स अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीत. गिम्म्लिणित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एम० अब्बाई पिता गानिराजु, इंदिरापार्क के पास, त्रैदराजाव

(अन्तरक)

 एम० सत्यानारायणा और 6 अन्य वेंकाटेस्वारा मटम वीधि, राजामंडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अम्स्ची

खुल्ला जमीन रामावासुपेटा, राजामंडी विस्तीर्ण 3-86 सेंटस, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 6616/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजामंडी ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबा**ध**

तारीख: 4-5-1983

माहर:

प्रकम नार्चः टी. एग्. एत्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अभीन स्वना

> भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

आर० ए० सी० नं० 50/83-84-यतः मुझे एम० जगन

मोहन

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा न्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 278/3 है, जो राबुलापाले आरयापुराम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरयरपुरम में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय गा किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

 डी० श्रीनिवासाराव, पिता, सत्यानारायना शर्मा, रावुलापालाम, कोत्तापेटा, ई०जी० जिला।

(अन्तरक)

2. श्री एम० के० रेड्डी और अन्य रावुलापगम, कोत्तपेटार। (अन्तरिती)

कांगहस्चना जारी करके पृथाँकत सम्मस्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिकतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण:--हममी प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 278/3, राषुला पालेम, कोत्तापेटा तालुखा, विस्तीर्ण 0.6 सेंट्स, 2751-86 चतुर गज र्राजस्ट्रीकर्ता विलेक नं० 1392/82 राजस्ट्रीकर्ता आरयापुराम।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात ः⊶-

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 51/83-84-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या 5/146/बी है, जो नूसदला विजयवाड़ा में स्थित है (और इसे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में श्रुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :---

 गी० मोबर (2) पी० दुर्भामवाना, सुर्यारावपेटा, विजयवाडा।

(अन्तरक)

 श्री एम० सीतारामय्यपिता बापय्या, और अन्य, पांच , सीतारामापूरम, विजयवाडा,

(अन्तरीती)

की यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपर्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वर्फ की कंपनी के पास संपत्ती, जिसका घर. नं० 146/बी० गूनदला, जो विजयवाडा धर्फ की कंमनी के नाम से जानी जाती है, विस्तीण 1368 चौ० गंज विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10028-82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 4-5-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

आर ए० सी० नं० 52/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 19-1-310 है, जो पेछहा पुरम, में स्थित है (और इसरे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेदापुरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल् के लिए अन्तिरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल् से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिख्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग (1) के अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री एस० रामलांगेस्वर मोडलियार पिता निलकंटे भ्वर मोडलियार पेदापुरम, इस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० रामा कृष्णा पिता श्री पी० अब्दुना अलियास अक्षानुदु, वडलमूरु, तालुका पेछब्दपुरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुकारा;
- (ज) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यनुत्रूची

घर संपत्ति नं० 19-1-310, पेदवापुरम, विस्तीर्ण 3698 चौ० गज रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2173/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पेददापुरम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आर्ष: टी. एन पुस: -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

आर० ए० सी० नं० 53/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 120/1 ए है, जो पाटामाट, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,

1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्व, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्युष्टेय से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती एम ० विजयलक्ष्मी पत्नी, सुरेश, पाटामाटा, विजयवाज्ञा ।

(अन्सरक)

2. द गोपी कृष्णा कोआपरेटिय हौस० बिल्डिंग सोसाइटी पाटामाटा लंका, विजयाबाड़ा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुरुला जमीन पाटामाटा, विजयवाड़ा में आर० एस० नं० 120/1 ए० बिस्तीर्ण 8093 चतुर गज ग्रौर 2607 चतुर गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10067/82, 10068/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

आर० ए० सी० नं० 54/83—84——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 357/2 और अन्य है, जो गणावाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

- श्री वी० नागेंद्राप्र साद और अन्य, विजयवाड़ा । (अन्तरक)
- कानाका दुरगा कोआपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की रारों करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन गुणादाला विजयवाड़ा में नं० 357/1-2, 357/2, 366/2, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9805 से 9808 तक 82 विस्तीर्ण 8 एकरस 77 सेंट्स, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 4-5-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ?69-ष(1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० सं० 55/83-84---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 151, 7/2 है, तथा जो बेल्लकी कांचेकाचेरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय छांचेकाचेरला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत, उकत अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री जी० नारायणा.
 - (2) जी० नामेश्वरा राव,
 - (3) वेंकाटेरवरा राव, वेल्लंकी, कांचिकाचेरला, कृष्णा (अन्तरक)
- 2. विलेज री-कन्स्ट्रक्न आरगनाइजेशन, पेदाकाकानी गुंटूर जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य, व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोंने।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

जमीन डी० नं० 7/2 सर्वे नं० 151, डी० नं० 121/1 वेल्ल की, विस्तीर्ण 8-70 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1570/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कांचिकाचेरला ।

एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जारक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 56/83-84---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं विश्व है तथा जो ढंगर वाकणारामम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाकणारामम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित हा-सो. लिमिटेड, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अक्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविशा के लिए;

- 1. श्री आर० वेकटा रायुडु और 4 अन्य, वेंकटागिरी, ढंगेरू, रामाचन्द्रापुरम, ईस्ट गोदावरी जिला (अन्तरक)
- 2. श्री एम० रामालिंगा रेड्डी और 4 अन्य, रामावाराम, रायावाराम तालूका, ईस्ट गोदावरी जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरि।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 शेर, एम/एस, महेंब्रा मुराली रेस मिल, ढंगेर, रामाचन्द्रापुरम तालुका, ईस्ट गोदावरी जिला में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3109, 31-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्राकणारामम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---11--106 GU/83 तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 57/82-83-प्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रास्ते से अधिक है

और जिसकी सं है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

हत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- श्री वी० चन्द्रासेकारा राव, पिता भ्षय्य, पाटामाटा लंका, विजयवाडा

(अन्तरक)

2. दजी फैंडस को-आपरेटिव हाउस बिर्लाडग सोसाइटी लिमिटेड नं० एच० 2789, पाटामाटा, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हा 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन पाटामाटा, विजयवाड़ा में विस्तीण 0.80 सटस, आर॰ एस॰ नं॰ 50/1, 50/2,53, 49/3 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 10259 और 10260/82।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-5-1983

प्रकार बाह् .टी .एन्.एच _व -----

बायकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की

बाडा 269-म (1) के ब्भीन सुब्ता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद हैक्राबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 58/83-84--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 20-1-4 है, तथा जो का किनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, का किनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का चृत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- चिक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:---

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी बाय की वायत, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा 'के मिए; क्रीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां की, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता आहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, सनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ध—-

- 2. श्री बी॰ रामाकृष्णा द्वारा, पिठापुराम (अन्तरक)
- (1) श्री एम० सूर्या राव,
 - (2) एम० रामाचन्द्राराव, पेता ब्रह्ममावेवम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त तम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की जनधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 20—1—4, काकिनाडा, विस्तीर्ण 2871 चितुर गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8597, 8346/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकिनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, हैक्साबक

विनांक: 4-5-1983

मोहर 😲

प्रकृप आइ. टी. एन्. एस.-----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुभना

भारत सुरकार

कायां अप्राप्त कायकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनोक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 59/83-84---यतः, मुझे, एम० जान मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत-अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 224/वी है, तथा जो नाल्लापाडु गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) है के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रज्ञ प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और धन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के चिए तय नाया गया प्रतिखल, निस्त्रविधित सहेश्य से उदन प्रन्तरण निर्म्ति में रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण संदुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्वाने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों
 की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1937 (1957 का 27) के
 अभीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 भूतिका के लिए।

वतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-गं के प्रनु-प्ररण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रजीन. निम्नलिखित व्यक्तियों खर्णात्:—

- (1) श्री वी व वेंकाटा राव,
 - (2) वी० वें<mark>कान्ना चे</mark>रला, काम्माम[.] (अन्तरक)
- श्री पी० विजायानानन्य कुमार, पिता नागाभूषणम, काकुमानुवारी तोटा, गुंटूर ('अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के पीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितक के फिसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखिन में किए जा सकेंगे।

ज्यब्बीलरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर गर्दों का, को जबत श्रविनियन के प्रध्याय 20-क में नरिकाधित है, बही घर्ष लोगा जो उस ग्रम्याय में बिसर गया है

अनुसूची

खुला जमीन नाल्लाल्डु, गुंटूर में डी० नं० 224/वी विस्तीर्णं 752.50 रजिस्ट्रीकृत विलेक नं० 9441, 9442/82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी गुंदूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदरा**बाद**ं

दिनांक : 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं०/60/83-84——अतः मुझे, एम जगन मोहन

नायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ह

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो वेलंगी यानाम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यानाम में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का क्कारण है कि यंथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्रीमती संगावेणी, पति लेट वेंकटारामदास, पुटापरती, अनतापुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गायन्नी मोडरर्न रा बाईल्ड रैस मिल, यानाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन अडाविपालेम, दानियालाटिप्पा, पांडिचेरी स्टेंट, यानाम विस्तीर्ण 11 याकरस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 135/83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, यानाम् ।

> एम० जगन मोहन (सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख** : 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 61/83-84——अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 120-3-8/ए/1, 2, 3, 1, 5, 6, ताड-पल्लीगूडम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताडेपल्लीगूडम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निसित्ति उच्चेष्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिवक्र क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्री उपधारा (1) के अधीन, निक्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ई० नारायणामूर्ति पिता
सुब्बारायडू जी० पी० ए० टू
ई० लक्ष्मीपति नारायणमूर्ति,
3 रा बार्ड,
ताडेपल्लीगूडम,
वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) 1. सी० एच० बंगाराजू पिता सत्यनारायणमूर्ति, ताडेपल्लीगूडम और अन्य एक, साडेपल्लीगुडम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्जम् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वास्;
- (का)- इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त सुन्दों और पर्दों का, जो उन्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में प्रिंशािवत हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 12-3-8U/1, 12-3-8U/2, 12-3-8U/3, 12-3-8U/4, 12-3-8U/5, 12-3-8U/6, 19 बार्ड लाडेंपल्लीगृडम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4753 और 4754/82, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, ताडेपल्लीगृडम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी [सहायक़ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) [अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 4-5-1983]

मोहर ी

प्रकप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर्० ए० सी० नं०/62/83-84---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर समिनियम, 1.061 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के सभीन समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- व॰ से प्रक्षिक है

् और जिसकी सं० 140/3 ए है तथा जो कोरिटिपाडु, गूंटुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिये अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पण्डह प्रतिशत से प्रक्षिक है जौर अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किखित वें । स्तिविक अप से क्षित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग कन वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर धैने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जोधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः जब, उक्त अधिनिवार की भारा 269-ग के अनुसर्ण भा, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तिएकों स्थात् ६1. श्री टी० वेंकटास्वारा राव
 2. टी० वी० रतनाम गुप्ता
 3. श्री टी० कासरअन्नापुरना,
 सेगाडिगूटा,

गूंटुर ।

(अन्तरक)

2) श्री वै० चिन्ना केसावा नर्रासहाराव, पिता वै० रंगाय्या रेंटाचिताला, गुरजाला तालुक, गुंदूर जिला ।

(अन्सरिती)

की पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के जिए कार्मगाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांकतः व्यक्तियों में से किसी काक्तित सुनार।;
- (स) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन को शारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त करों और पदों का, औ शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, नहीं वर्ष होगा, यो उस वृध्याय में दिवा गया है।

अमुसूची

जमीन कोरिटिपाडू में नं० 140/3 ए०, बी०, 142/1 विस्तीर्ण 30 याकरस रिजस्ट्रीकृत विशेख नं० 9006/82 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, गुंदूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आह. . टी . एन . एस . ------

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए०सी०नं०/63/83-84--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ६ स मिल है तथा जो आकियोड़ येलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सित्म्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत निम्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के विषः

अतः गयः, उच्न अभिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती बैं० मंगाम्मा, पति पेंराय्या, कुप्पानापूडि, आक्षिबीडू, येलुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामाचन्द्रा राजू, श्राकिनीडू, येलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धक्रीकपण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्स अभिनियम के बच्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होंगा को उस अध्याय में दिया पता हैं।

अनुसूची

रैंस मिल नं० 486/2, विस्तीर्ण 0.13 1/3 सेंट्स, आकिवीडू में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6750/82 रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी, येलूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-1983

मोहर 🖫

प्रक्ष्म बाई. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 64/83-83--अतः मुंहो, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 रा. से अधिक हैं

और जिसकी स॰ 68 /2ए 69 जो बडलूर तानुकु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तानुकु में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए. और/मः
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियध के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थार [:--

(1) श्री कृष्णा राव और अन्य, तानुकु।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० श्री अनंता लक्ष्मी टेंक्सटाइल, (प्राइवेट) लिमिटेड, एम० डी० श्री० सी० एच० जानाकीरामाय्या, तानुकु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जमीन वडलूर एस० नं० 69, 68/2 ये०, विस्तीर्ण 2-15 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2735/82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, तानुकु ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-1983

मोहर:

12-106GI/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 65/83-84--अतः मुझें, एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद: 'जक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 192-1 है, तथा जो कोतापेटा, चीराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीराला में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मसर्स को रामं छल एण्ड प्रार् सेंस,वी० सी० वी०, शंकर प्रसाद,वुप्पुटुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आदर्श फाइनेंनसर्स, चीराला ।

(अन्तरिती)

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कोत्तापूटा चीराला विस्तीर्ण 0-35 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3418/82, 3417/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीराला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-5-1983

प्रकप धाई • डी • एन • एस •--

आयकर **प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43)** की **धारा 26%व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 66/83-84—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में ग्रधिक है,

और जिसकी सं० 71, 72, 73 है, तथा जो पेदारावूर, गृंदूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण, रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गृंदूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण जिखन में वास्तविक हम से कथा। नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते दुई फिसा आय की गायत, उन्त श्रीविनयम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिक के कभी करने या उसस गणने में सुविधा के लिए; घीर/यह
- (ख) ऐसा किसी धाय या किसी धत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री बी॰ वीरास्वामी और 12 अन्य, पेदारावूर, तेनाली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रामाक्तःशाराव और अन्य, पेदारावूर, तेनाली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उर्कत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पात जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त प्रश्चित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म दोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

जमीन नं० 71, 72, 73, 6 वार्ड डी० नं० 391-6, विस्तीर्ण 0-60 सेंट्स पेदारावूर में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4730/82 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, गुंटूर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-1983

प्रकल जीवाँ, टी. एस. एका. - - - ----

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 67/83-84--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 657/ए है, तथा जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० एच० नागेक्वरराव,पिता कालीदास,ताक्केल्लापाडू।

(अन्तरक)

(2) पद्मानगर को आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी गुंटूर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुस्ची

जमीन, गुंटूर में नं० 657-ए, 658 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8122, 8101, 8129, 8139/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुंटूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-54983

प्रकप चाई। डी। एव। एस----

आयकर मधिषियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

र्यं० आर० ए० मो० र्नं० 68/83-84:——यतः एमा० जगन मोहन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- अपये से अविक है

और जिसकी सं० 43-4-305 है, जो पालाकोल्लु स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल्लु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मिंसम्बर, 1982

को पूर्वनित सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूर्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है के यथापूर्वनित सम्पत्ति का जिल्त बाजार पूर्व, उसके दृष्यमान प्रतिफल के प्रश्नाप्त के दृष्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिशत से प्रक्षिक है और भ्रष्टरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित्ती (भ्रष्टित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप है स्वियत नहीं किया गया है।——

- (क) अम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त धिक्रियम प्रश्नीन कर देने के सम्तरक के अधिस्थ में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए अंपे/या
- (अ) एन किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत सिंधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के निए;

भ्रतः अ**ब, उ**क्त अधिनियम की धारा 268-ग के **अनुस**रण में, में, उक्त यश्चिनियम की धारा 269-च की उपजारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति विकास (1) किञ बें काटेस्काराबार, पिता: पुरूषोत्तम 43-4-30, 10 वार्ड, पालाकोडरलु।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ पी॰ आर॰ नारा सिंहरावराय, पिता सूरयराव, 43-4-30, वार्ड 10, पालाकोल्लु।

(अ तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उथत अन्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धालेप :---

- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहक्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; बौ उक्त अधिनियम के अध्याय 20का में परिचाचित हैं, बही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ।

अनुसूची

षर नं ० 43-4,305, पालाकोल्लु विस्तीर्ण 701-नं 1-50 चतुर गण रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 322/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पालाकोल्लु

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भागकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 69/83:84:---यतः मुझे; एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं . 10337 है, जो भीमावराम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से विण है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, येलुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उन्तर जिल्लाम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

 श्री जे० बी० शिव जाया भास्कर, पिता जे० केसावाराव, भीमावाराम।

(अन्सरकः)

2. श्री जी० वेंकान्ना और कम्पानी भीमावाराम, वेस्ट गोदावारी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्त्रची

जमीन वार्ड 8 में भीमवाराव नं 10337 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 7671, 7689, 7701, 257/82 विस्ती 3143 चतुर गज रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलुर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा(1) के अधीन, निम्निशिषत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4--5-1983

प्रकष् भार्दे तथी । एन् एस , - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

सं अार ए सी नं 70/83-84:—यतः मुझे एम जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10334 है, जो भीमावाराम स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूणरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा--- श्री जे० वी० विजाया भास्कर, पिता जे० केसावाराब, भीमावाराव।

(अन्तरक)

 श्री जी० सूरयानारायाणा, पिता वाकान्ना, भीमावाराम । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पूर्वोक्त 'सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वशिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो जकत् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 876 चतुर गज वार्ड नं० 10, 10334, भीमा-वाराम में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6928/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी येलूर।

> एम० जगत मोहन सक्तम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-5-1983

4111 444 44 VIII 1990

अक्षप साई • टी • एव • एस० -- ∙

जायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983 सं० आर० ए० सी० नं० 71/83-84---यत: मुओ, एम० जगन मोहन,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको संव नंव 10334 है, जो भीमानाराम में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, युलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उम्स अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया स्था है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त निध-नियम के बधीन कर देने के अन्तरक के बांयरल में कमी करने या उससे नजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

अंत: क्य, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण मों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, वर्षात :--- श्री जे० वी० विजासा भास्कर, पिता केसावाराव, भीमावाराव

(अन्तरक)

2. श्री जी० रामाना मूरती, पिता वेंकान्ना,भीमावाराम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकते।

स्पब्दीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थी उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन 876 चतुर गज नं० 10334, वार्डे नं० 8, भीमावाराम, राजिस्ट्रीकर्ती, विलेख नं० 6928/82 राजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी येलुर।

> एस० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-5-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1083

सं० आर० ए० सी० नं० 72/83-84---यतः मुझे, एम०्जगन मोहन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिस्की सं० 10334 है, जो भीमावाराम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, येलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्री जे बी बिजाया भास्कर, पिता केसावाराव. भीमा वाराम। (अन्तरक)
- 2. श्री जी० सूराम्मा, पति वेंकान्ना भीमावाराम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविध या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्त स्थावर सम्पत्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अम्सूची

जमीन बार्ड 10, नं० 10334, भीमावाराम, बिस्तीर्ण 480 जतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6931/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी युलूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

लारीख: 4-5-1983

मोहर:

13-106GI/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

सं० आर० ए. सी० नं० 73/83 84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 10334 है, जो भीमावाराम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमावाराम, येलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित को उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या धन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ, अर्थान, निम्निसित व्यक्तियाँ, अर्थान,

- श्री जे० वी० विजासा भास्करराव, पिता केयवाराव मीमावाराव। (अन्तरक
- श्री जी० वेंकान्ना, पिता घेद्धाय्या, भीमावारावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्परकाकरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्मूची

जमीन घाई नं० 10 में नं० ज10334, भीमावाराम, विस्तीर्ण 896 चतुर गज, रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 6930/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भीमावाराम।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 131/83-84 — यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० है, जो सेफाबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- मैसर्स दनंजाया होटलस (पी०) लिमिटें अ, बे ये० जितेंद्रानाथ डैरकटर, नं० 5-9-12, सेफाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती जैबुश्निसा खादर, पति डाक्टर आर० अब्दुल कादर, ये०-12, पाटिगाड्डा कालोनी, सिकिन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एफ नं० 5-9-12, सेफाबाद, हैदराबाद में. विस्तीर्ण 1088 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6363/ 82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख, दिनांक 11 मई 1983

निर्देण सं० आर० ए० सी० न० 132/83-8 — यत मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं में प्लाट नं जी है, जो सैफाबाद हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था चिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुमारण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैसर्स दनजाया होटल्म प्राइबेट लिमिटेड, मैं० जितेन्द्रानाथ, 5-9-12, सेफाबाद, हैसराबास। (अन्तरक)

 श्री जी० लक्ष्मण राव, पिता पांडुरंगाराब, रामगिरी, नलगंडा।

(भ्रन्सरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अम्सूखी

प्लाट नं० जी मंजिल में एम० नं० 5-9-12 सैफायाद, हैवराबाद विस्तीर्ण 1158 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6802 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

सारीख: 11-5-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आहे. टी, एन, एस्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा धार 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1083

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 133/83-84:—-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी० है, जो सैफाबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियार्ग) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, भिम्निलिशित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तीवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी आम की वासत, अक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यूपे में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिणाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ. उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) कैं अभीन, निम्नसिण्जित स्पिक्तियों, अर्थात् ६1. मैंसर्स दनजाया होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, बैं० जितेन्द्रा नाथ, 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० राजारतनम, एस० लालिता, 8-1-1336 तोली चौक, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त श्ब्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० बी मंजिल में एम॰ नं० 5-9-12 सैफाबाद, हैदराबादा विस्तीर्ण 2091.3 चतुर फीट र्राजस्ट्रीकृत विलेख सं० 6801/82 र्राजस्ट्रीकरण अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 11-5-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ह, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 11 मई, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 134/83-84:----यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा नया है), की प्रारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका धिन्य बाजार मूस्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी है, जो सैफाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व उसके पुर्यमान प्रतिफल से, ऐने वृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और भ्रम्तरक (प्रम्परकों) श्रीर प्रन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप मे कथित नहीं किया स्था है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम को बाबत जनत अधिनवम के ग्रजीन कर देने के अन्तरक के ग्राधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुक्रिया के क्षिए) और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय का किसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हे भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या श्रम-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षमार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. मैसर्स दनजाया होटलस प्राइवेट लिमिटेड, बे० ए० जितेन्द्रानाथ, 5-9-12 - सैफाबाद, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री डी० वी० राजु और अन्य. 7-22-61 डाटला वीधी गांधीनगर, कार्किनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूजना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबखि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रबीहस्ताक्षरी के पास किसीखान में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमं प्रयुक्त गब्दों और पर्दों का, जो उक्त ग्रीविनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ हीगा, जो सस अध्याय में विया गया है।

भन्त्ची

प्लाट नं० बी-एम० नं० 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1902.31 चतुर गज र्राजस्ट्रीकर्क्षा अधिकारी हैदराबाद, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6800/82।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

सारीख: 11-5-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. '----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 135/83-84:—यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० एफ हैं, जो सैफाबाद स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी केज कार्यालय हैदराबाद में झारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उत्कर रीभिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; कौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में कर्षिक के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिसित व्यक्तियो, अर्थात :---

- मैसर्स दनजाया होटलस प्राइवेट लिमिटेड, बै॰ ए॰ जितेन्द्रानाथ, 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री मती डाटला झासकाराम्मा, पति डी० बी० एस राजू, 6-3-1186/10, ग्रीनलेंडस रोड, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह स्वभा जारी करके पृताकत सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की नविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानीश से 30 दिन को अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० एफ०एम नं 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद, वस्तीर्ण 1088 चतुर गज रजिंस्ट्रोकर्ता अधिकारी हैदराबाद, रजिस्ट्री-कत विलेख नं० 6797/82।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्सराबाद।

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

निदोष सं० आर० ए० सी० नं० 136/83-89:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. भे अधिक है

और जिसकी सं० एच है, जो सैफाबाद हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितौं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- मैससँ दनजाया होटलस (पी०) लिमिटेड, बे० ए जितेन्द्रानाथ, डेरकटर, नं० 5-9-12, सैफाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री बी॰ खीक्षाराय।णा, पिंता भानुमूरती, रिंग रोड, गुंटूर।
 (अन्तरिंसी)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एच एम० नं० 5-9-12 सैफाबाद, हैदराबाद में विस्तीर्ण रॉजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6798/82 रॉजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण<u>)</u> अर्जन रेंज, हैदराबा**द**

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप बाद . टो. एन्. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

मं० आर० ए० सी० नं० 137/83-84:---यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी है, जो सैफाबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया है।——

- (क्क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी वाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सृतिभा के लिए;

 मैसर्स दंगंजाया होटलस प्राइवेट निमिटेड, बै० ये० जिनेन्द्रानाथ, 5-9-12, सैफाबाद, हैंवराबाद।

(अन्तरक)

 श्री के० बी० एस० राजु 93, एस० बी० ए० कालोनी, न्यू० बाकारम, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

कारे यह सूचना चारी करके पृशोंनत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकारण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ध अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गमा है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी एम० नं० 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1158 चतुर गज रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6799/82।

एम० जोगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5--1983

मोहर:

अतः अव, उक्त जिभियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अधीत् ः—— 14—106GI/83 प्रकप आईं, टी. एन. एस . ------

गायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्मालय सहायक आया हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 138/83-84:—-यतः मुझ, एम० जोगन मोहन,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी० है, जो सैफाबाद, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे. जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने भें स्विका के लिए;

 मैसर्म दनंजाया होटलक्ष प्राइवेट लिमिटेच बै० जितेन्द्रा नाथ, 5-9-12, सैफाबाद, हैदरावाद।

(अन्तरक)

 श्री के० सुत्ररामिनयाम; (2) विजासा सुबरामिनयम, राण बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी० मंजिल में, एम णं० 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद स्तिर्ण 1088 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6796/72 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---

तारीख: 11,~5-1083

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

सं अार ० ए० सी ० नं ० 139/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिम्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० है, जो सैफाबाद, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अंतरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दश्यमान प्रतिक्रल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्त निम्नलिजिन अंद्रश्य से उक्त भन्तरण खिबित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 मैसर्स दनंजाया होटलस (पी०) लिमिटेड, ए० जितेन्द्रा नाथ, डैरकटर, 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री गौरी वेंकाटा नारायणा 3-5-803/1, हैदरगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्नि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ज़िलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० ए 5 मंजिल में एम० नं० 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1122 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6795/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगम मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, जर्थात् :--

तारीख: 11-5-1983

भोहर:

प्ररूप आद्दं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मर्च 1983

निदंश सं आर. ए. सी. नं 140/83-84--यतः मुक्ते, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. बीं. है तथा जो सैफाबाद है दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, नवम्बर 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उन्स् अधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरक में, में उन्त् अधिनियमं की धारा 269-ए की उपभाव (1) के अधीन, निकाशिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स दनंजाया होटलस (पी.) लिमिटेड, ए. जितेन्द्रा नाथ, डौरकटर, 5-9-12, सैफाबाद हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री (निरीक्षक) तारा बालाकिशनन, पति बाला-किशननइ टीप ''बी'' कंचनबाग, नं. 10, हौदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वामित संपत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षांप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

प्लाट नं. बी. 5 मंजिल में एम. नं. 5-9-12 सैफाबाद, हैंदराबाद, विस्तीर्ण, 1052 चत्र फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 6794/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद।

एस. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हौदगढ़ाद

तारीख': 11-5-1983

प्ररूप बाहाँ . टी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त कार्यानय अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 141/83-84:---- मुझे एम० जोगन मोहन,

भायकर आंधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिसे जिसे विश्वास कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य. 25,000/ रु. सं अधिक है

और जिसक सं० ए है, जो सैकाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्दश्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुइं किसी नाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के निए; ब्रौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण माँ, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिसित व्यक्तिसों, अधीत :—

- मैसर्स दनजाया होटल्स (पी.) लिमिटेड, ए. जितन्द्रानाथ, डेरकटर, 5-0-12, मैफाबाद, हैदराबाद।
 (अन्तरक)
- 2. श्री पी. रामाधन्द्राराव, पिता नारासिंहराव, 1-1-686, न्यू. गांधीनगर, हैंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सृष्यना भारी करके पूर्वों कर सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरणः — इसमी प्रयुक्त शन्दी और पदीं का, जी उन्त अधिभियम के अध्यास १००० मी परिभाषित ही, विहो अधि होने जो उस सभाय मा दिया गया है।

अनुसुधी

प्लाट नं. 5 मंजिल में एम. नं. 5-9-12., सैफाबाद, हंबराबाद विस्तीर्ण चतुर फीट—-रिष्ट्रीकृत विलेख नं. रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

एम. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

तारीस : 11-5**-**1983

भोहर ः

प्ररूप बाहें दी, एन एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 142/83-84:—-यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संव गेरेज है, जो (सैफाबाद) हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरबाद दूर्णीद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:----

- (क) जन्तरण से हुवू किसी जाय की वावत, उक्त जिमियम के अभीन कर दोने के अम्बादक के वायित्व में कमी करने या उत्तरी वृज्नी में सुविधा के लिए; जॉर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के बिष्ट;

बतः अब, उम्स विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- मैसर्स दनजाया होटल्स (पी०) लिमिटेंड, बै० ये० जितेन्द्रानाथ, 5-9-12, सैफाबाद, हैसराबाद (अन्तरक)
- 2, श्री जी० पी० सांगी, 1-8-582, इण्डस्ट्रीयल एरिया, आजमाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रविकत स्थितयों में से किसी व्यक्ति सुवाश,
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क प्रेंपरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा ग्वा हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० गरेज एम० नं० 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद में विस्तीण 247.4 चतुर फोट, राजस्ट्रीकृत विलेख .सं० 6792/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 11-5-1983

प्रकल काई. टी. एन. एस. .-----

ब्रायकर अधिनियम, 19ता (198) का 43) की धार। 369-म (1) ह ब्रधीन सुमान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

सं० आर० ए० मी० नं० 143/83-84—यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

भ्रायकर श्रमितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे) इसमें इपके पण्यान 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-अंक पयीन सभन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 स् र• से प्रधिक है

और जिसकी मं० एफ० नं० बी० 503 है, जो हैदरगुडा हैदराबाद स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्काडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियो आप या किसा धन या भ्रत्य भ्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या छक्त मधिनियम, या धन-कर भेधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जानः चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैसर्स मातकरी इंजीनियर्स और बिल्डरस, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० रेबाती देवी पति पी० ए० पी० मूरती 3-6-175/1, हैदरगुड़ा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरो।

स्मच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अन्स्ची

प्लाट नं० बी० 403 विस्तीर्ण 895 चतुर फीट हैसरगुडा हैवराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 915/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्काडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त), (बिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

मोहरः

प्ररूप आइ^{*}. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० मी० नं० 144/83-84—यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण ही कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० एफ० नं० 104 है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्काडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार म्फे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिप्वल के पन्द्रह प्रतिशत से शिथक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 गैसर्ग मानध्यरी इंजीनियरिस और बिल्डरम, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।

in the contract of the contrac

(अन्तरक)

2. डाक्टर दासाराथीं, धिता, वेंकाटाचारी, 3-5-873, सी० ब्लाक, लाट नं० 104, हैदरगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अपन्य पातत्मस्थानी व्यक्तियों पर स्वना को तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किमी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 104, विस्तीर्ण 812 चतुर फीट हैदरगुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 918/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी चिक्काङगल्ली।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-------

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ैंहैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई, 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 145/83-84: यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- र∙ से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० है, जो बोग्गुलाकुंटा, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पनिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिक इन से किवन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किना आध ना बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने पा उपय बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म् की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- मैसर्स श्रीनिवासा कन्सद्रकशन्स, श्रीनगर कालोनी े हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री बी० ए० रासूल खान, क्बुप्पाल, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितव ध्रथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^न, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु^न।

अनुसूची

प्लाटनं ० एम० नं० 4-1-1233 और 1233/1 बोग्गुलाकुण, हैदराबाद विस्तीर्ण 337 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6717/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

> > अता: ...¥-

तारी**ख**: 11-5-1983

मोहरः

में, में, के अपीन प्ररूप थाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 146/83-84:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० है जो बोग्गुलाकुंटा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची के और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

 मैसर्स श्रीनिवासा कन्सट्रकशन्स, श्रीनगर कालौनी हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री टी० गोबिंदा, राजुलू, 3-6-532, हिमायेत नगर, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० . एम नं० 4-1-1233 और 1233/1 बोग्गुलाकुंटा, हैदराबाद विस्तीर्ण 337 चतुर फीट रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 6716/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

तारीख: 11-5-1983

भारत सरकार

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 157/83-84:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-वपए से ध्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाटनं० है, जो बोग्गुलाकुंटा हैवराबाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिसत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य स किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्वीं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत् अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अधीत् ६--- मैसर्स श्री निवासा कन्स्ट्रक्शन्स, श्रीनगर कालानी हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री टी॰ बी॰ गोपाला राब, 3-6-532, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र तृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत स्थितत में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम० नं० 4-1-1233 और 1233/1 क्रोग्गुलाकुंटा, हैदराबाद विस्तीर्ण 337 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6707/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त -(निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 148/83-83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं है, जो बोग्गुलाक ुंटा हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिचत नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 मैसर्स श्रीनिवासा कनस्ट्रकशनस, श्रीनगर कालानी हैवराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती पी० हेमालता देवी, पति मादावाराव,
 3-6-720, हिमायतनगर, हैदराबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं एम० नं 4-1-1233 और 1233/1 बोग्गुलाकुंटा, हैदराबाद विस्त्तीर्ण 337 चतुर फीट रजिस्ट्री-कृत विलेख नं 6706/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, हैदराबाद

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

सारी**ख**: 11-5-1983

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं अार ए० सी० नं 149/83-84:--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1186/7 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बाल्लाभनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, अक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित स्पिक्तमों, नर्भात् क्र-

- 1. श्रीमती के० रामायाम्भा पति, वी० के० ब्रह्मानन्दा रेडी 6-3-1186/7, बेगमपेट, हैदराबाद।
 - (अन्तरक)
- श्री श्रीकिशन भागरी, पिता बनसीदर भागरी, (2) श्रीमती, श्यामा भागरी पित श्री रामािकशन भागरी 8-2-350/5, रोड नं० 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया। संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्}. वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁰।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1186/7, बेंगमपेट दो रजिस्ट्रेशन में रजिस्टर्ड विस्तीर्ण 1760 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1898/82 और 1958/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **है**दराबाद ।

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप बाह्रै. दी. एन. एस. -----

श्रायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी नं० 96/83-84—यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो गिरिमपेठा चित्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/सा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सूविधा के निए;

- श्री जी० चेन्ना रेड़ी और अन्य, है रोड, चित्तूर। (अन्तरक)
- श्री आर० ज्योतिनादन, पिता रंगानादन, मंगासमुद्रम, माजारा संतोपेटा, चित्तून जिला।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळिकरण: --इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन 3.35 याकरस आम का जाडों के सात सरवे नं० 249 गिरिमपेटा, चित्तूर रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 6990/ 81 रिजस्टीकर्त्ता अधिकारी चित्तुर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप नाइं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 97/83-84---यतः मुझे-एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन है, जो गिरिमपेटा चित्तर है स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिष्ठत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः, अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अधीत्:—

 श्री जी० दोरास्वामी रेषी और अन्य संतापेटा, मंगासामुद्रण, चित्तूर जिला।

(अन्तरक)

 श्रीमती जी० पद्मिमनी, पित जी० गोपीनाथन, संतापेटा, मंगसामुद्रण, चित्त्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

.च क्व संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षोप 拱

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सक्ति।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा मवा हैं।

वन्स्ची

जमीन 10.05 याकरस सरवे नं० 249 गिरिमपेटा, चित्तूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6989/82 6991/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी, चित्तूर।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-5-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------ग्रायकर अग्निनियम 1961 (1961का 43)की घारा 269-च (1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

सायांत्रय संसहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण व्यवंत्र पेंचा हैदराबाव हैदराबाव। दिवांक 8 पर्द 1988 पंठ व्याप्त ए० सीठ वंठ 98/88/841—यत। पूर्वे,

एम० जेगन मोह्यः प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 18-1-150 है, जो है रोड़ चित्तूर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वल से प्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) बन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी घन या भन्य भारितयों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-म के मनुसरण में, मैं उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री वी॰ वारादाराजुलू नायुडु और ग्रन्य पिता वी॰ मृनुस्वामी नायुडु पापिकेस्टटपारुली चित्तुर।

(अन्तरक)

 श्री जी किशनामा नायुडू पितार्ज नायूदेवा नायुडू गाँघी रोड, चिरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूनोत्क्स सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एकत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितवद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्सिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उक्त श्रधि--नियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वहां श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

बनस ची

षर नं० 18-1-150 है रोड' चित्तूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6979,7024,6957 और 6946/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, चित्तूर।

एम० जोगन मोहन सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-5-1983

श्रुरूपु **माइ**्, टी,, एन्,, एस.,- - - ----

आयकर जिभिनिस्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मई 1983 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 99/83-84--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो रेलवे ब्रिडज के पास, चित्तर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रर्थन, सारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः—
16—106GI/83

(1), श्री आर० श्रीनिवासुलु, पिता जगन्नादम नायुडू, मंडी मर्चेंट, चिसूर टाऊन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डा० फिरोज बेगम, पति डाक्टर मुराद शावाली, सामी मेस्त्री विधि, चित्तूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

वनुसूची

जमीन और शेंड सर्वे नं० 138 बी/3 और 138 बी/4 रेलवे ब्रिडज के पास,चिलूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6920/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चिलूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षणा) अर्जन रेंज, हैवरबाव

तारीख: 3-5-83

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, विनांक 3 जून 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 100/83-84--अतः मुझे एम० जोन मोहन

पायसर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीम सक्षम आधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द के से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो काटआमची गांव, चित्तूर में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूचित में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चित्तूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिषक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिषक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिषक का पश्चह प्रतिशत से, प्रसिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिषक, निम्नलिखित उद्शय में स्था अन्तरण जिल्तित में वास्तविक रूप से स्थात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी झाय या किसी झन या घरण झास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या झन-कर घित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धर्मारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० रामारेड्डी और अन्य काटआमंची गांघ, चित्तुर ।

(अन्तरक)

(2) मैसस द्री चित्तर लायर्स को-आपरेटिय हाऊस बिस्डिंग सोसाइटी, गौधी रोड, चित्तुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर अम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गृब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही वर्ष होगा जो उस क्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन काटआमंची गांव, चित्तूर मनिसिपल एरिया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6828, 6799, 6796, 6794, 6795, 6798, 6835, 6797/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चित्तूर ।

> एस० जगन में हन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रें**ज, हैदराबाद**

तारीख: 3-5-1983

प्ररूप मार्ड, टी. एन्. एस. ----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, रदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 3 मई 1983

नि ग सं० अरि० ए० सी० 101/83-84—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो नेतलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेस्लूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृस्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई ही आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री डी० श्रीनिवासुलू रेड्डी, पिता रामच द्वा रेड्डी, सोमासेकारापुराम, नेल्लूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोका सूर्या कुमारी, पति के० वेंकट।पति नायडू, 24/260, राजा गारी विधि नेल्सुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं '।'

उक्त सम्दर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्पे :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्षिक्यण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो ज कर्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यनसूची

खुस्ला जमीन नं० 396 नेल्लूर में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4053/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेल्लूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

मोहरः

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश) अर्जन रेंज, हैरावाबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 102/83-84---अतः मझे, एम० जगन मोहन

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

और जिसकी सं० नं० 27/2 है, तथा जो चित्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्र**धिनयम के** श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लि**ए; भौर/या**
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर भौधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भूक्तरिती ारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) अब्रे अधीत, निम्मुलिखित व्यक्तियों, वृथीत् क्रिका (1) दी डैरकटर, आग्धा प्रभा प्राइवेट लिसिटेड, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) दी मैंनेजिंग डायरेक्टर, यूट्रीन कन्फेक्शनरी कम्पनी, प्राइवेट लिमिटेड, चिसूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरण: —-इसनें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जां सक्त ग्रिश्चियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयें होगा, जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

णमीन और घर चित्तूर में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6154/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चित्तूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ः अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-5**-**83

मोहर 🗄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं $^{\circ}$ आर० ये०सी०नं० 103/83-84—यसः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1154, 1155 है, जो चित्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्सरित की गईं है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नलिबत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती पी० येल्लाम्मा और पी० शंकाराय्या, पुत्सूर, चित्तूर जिल्ला ।

(अन्तरक)

 श्री व० क्रिशना मैनेजिंग डायरैक्टर, नावारासा फूड प्रोडक्टस, पोलीला गांव, बंगारु पालेम ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के टाजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धाकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों ज़ौर पर्वों का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 2 याकरस 5 सेंटस, सरवे नं० 1154, 1155, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6179/82 रजिस्ट्रीकरता ग्रिधकारी चित्तर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीग, निम्नुलिख्त व्यक्तियों, वर्धात क्ष्मि

सारीख: 3-5-1983

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकाड

"कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आर० ये०सी० नं० 104/83-84--यत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो तिरंपाती में स्थित है (औरें इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , तिरूपाती में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त्रकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्वेष्य से सकत अन्तरण मिनित में बास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाय की वास्त, उस्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दादित्य में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; औरु/वा
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा अकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में स्विभा के लिए;

- श्री के० नारायाना राव० पिता० के० बी० धारादा राव, लेकचेरर, गवर्नमेंट, कालेज राजामंडी । (अन्तरक)
- 2. श्री एम० एस० कृपा चेलापाती पदमावाती कोआप-रेटिच हाऊस बिलंडिंग सोसायटी लिमिटेड, नं० 735 तिरूपाती ।

(अन्सिरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वस्य कुन्दरिक् के सूर्वन् के कुन्तुन्तु में कोई भी साक्षीतृ :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीका के 45 विन की अविधि वा तत्थ्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, को भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वाराः
- (क) इस बूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर धक्त स्थान्य सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थानत ब्वारा स्थाहस्ताक्षड़ी की पाड़ हिस्सित में किस वा सकेंगे।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो सकत अभिनियम, के कथ्याय 20-क में प्रिशामित हैं, पहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सतल ची

जमोन विस्तीर्ण 2 याकरस 33 सेंट्स, तिरूपाती, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं \circ 5319,5320,6438,6439,6473 और 6472 82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी तिरूपाती ।

एम० जगन सोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात्:—

सारीखा : 3-5-1983.

मोहर 🎿

प्ररूप बार्ड टी एन एस ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक: 3 मई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 105/83-84--यत: मुझे एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासः करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं 1984/1 और 2 है, तथा जी कावालीं बिट-2 गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कावाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिश्वत उक्षेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्र— श्री मोहाम्माद अंजाद साहेब, पिता सलार साहेब अल्लूरि पेटा, कोब्यूर ताल्खा ।

(अन्तरक)

2. श्री डी० वेंकाटा रतनम और अन्य, संतापेटा नेल्लूर ।

(अन्तहिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन कावाली बिट−2 के पास सर्वे नं∘ 1984/1 84/11 विस्तीर्ण 2 एकड़ 6 सेंटस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं∘ 1507/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कावाली ।

> एम० जगन मोहन संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-5-1983

मोहरू 🛭

प्रकृष बाइ. टी. एम्. एस्.------

नाशकड मिप्नियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के मुशीन सूच्ना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1983 निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 106/83-84 — यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर क्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 704 है, तथा जो हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लाभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उच्च बन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्वा है:---

- (क) अन्तरकृसे हुई किसी आयु की वाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाक्टिक में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आंट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात्ः—— श्री श्रीनिवासा बिलडरस (पी) लिमिटेड, बै० जी० श्रीनिवासुलु रेडडी, डायरेक्टर, 1-2-593,
 यं रामाचव्रा मिशन रोड, हैवराबाद ।
 (अन्तरक)

2. श्री रेनू राचल चोदी, डी०-6, जावाहर नगर द्रिवेंड्रम ।

(अन्तरिती)

का, यह सूचना जारी करके पृथा कत संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 704 एम० नं० 6-3-1187, श्री नवासा टवरस (ये) बेगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2463/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वस्लाभनगर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-5-1983

मोहर

प्रकप आहे. टी. एन. एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , स**क्षयकः आयक**ाः आ**र्युक्तः (ब्रिटीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 107/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिता वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-11 से 19 है, जो एस० पी७ रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और जो पूर्णं रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस दश्यम्यन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमस प्रतिक्क्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गमा है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (क) एंसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----17----106GI/83 डाक्टर, श्रीमती एम० पटेल और 3 अन्य 1-1-11 से 19, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

 श्री ओमप्रकाण मालीराम मिटआल और 3 अन्य केअरआफ: आर० के० गुप्ता, 3-6-312/2, हैदरगुड़ा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कारे यह सुकना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परिशः के अर्जन के लिए कार्सवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में सम्मन्त हमेती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना सं
- (ह) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास निक्ति में किये जा सकेंगे।

स्वविधिषण :---इसमें प्रयुक्त शृंखों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्सूची

घरऔर जमीन नं० 1-1-11 से 19 तक, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2376/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-5-1983

प्रकृप बाईं । ही । एव । एस ।----

प्रायकर पश्चितिकनः 1961 (1961 का 43) की बारा 269न (1) के ध्रकीन सूचना

नारक बर्फार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, विनांक 9 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 108/83-84---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० नं० 702 है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाल्लाभ नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (५) अस्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत; उन्ध प्रधि-निवम के अधीन कर बेने के खग्तरक के दायित्व में कसी करने या जनसे बचने में सुविद्या के जिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी मान या किसी धन या वस्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर विकित्यम, 1922 (1922 का 11) या वस्त विकित्यम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

भतः सन, उन्द भाषिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, क्का प्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री निवासा बिल्डर्स (पी०) लिमिटेड, बे० क्षी० जी० श्रीनिवासुलु रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर, 1-2-593/4/ए, रामचन्द्रा मिणन रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्री पी० शांता,
 31, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्मुची

श्रीनिवासा टवरस 'ए' बेगमपेट, हैदराबाद प्लाट नं० 702, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1752/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाल्लाभ नगर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 109/83-84--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० एफ० 330, 331 है तथा जो रानीगंज, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैं • एस॰ बाबूखान बिल्डर्स, नं॰ 5-4-86 से 92, एम॰ जी॰ रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

 श्री सी॰ वी॰ एस॰ वारालक्ष्मी, केनाल रोड, विजायावाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरें।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची ४

एफ नं० 330 और 331, 3 मंजिल में एम नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 758 चतुरगज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6684/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-5-1983

प्ररूप जाई. छी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पूर्णा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देण सं० ए० सी० आर० नं० 110/83-84 यत: मुझे एम० जोगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 342, 343 है जो रानीगर्ज सिंकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिंकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन 19 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बार्जार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे पर्णने में सविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरिण में, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित धिकतयों, अधीत्:—

- मैंसर्स नाबूखान बिल्डर्स, बेगमपेट, हैदराबाद । (अन्तरक)
- श्रीमंती ए० राज्यालक्ष्मी, यूनिवरसिटी केंपस~कालोनी, हैंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रविक्त संख्येक्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अंबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा;
- (क) देस स्पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पंधिकरणः - अध्यमं प्रयम्भा शब्दां और पदां का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा भेषा है।

अनुसूची

एफ० नं० 342 और 343 तीसरी मंजिल 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 537 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० 6683/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेंगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-5-1983

मोहर 🕄

.प्र**रूप आद⁴.टी.ए**न् .एस . ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म् (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मई, 1983

निदेश सं० एम-612/83-84—यतः मुझे, विवेक बनर्जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के धधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विवेदास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 482, 483 है, तथा जो नाजिदपुर जाजमऊ, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-9-1982

को पृथांकत सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्य है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित यहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के फिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री मोहम्मद जाहिद सुले जा पुत्र स्व: मोहम्मद अमीर तथा मोहम्मद इदिरस पुत्र स्व: मोहम्मद हनीफ निवासी 42/133, विसाती बाजार, कानपुर (अन्तरक)
- 2. श्री अल्लादीन पुत्र बाबू शेख नि० 127, मछरिया , कानपुर । मिलक अमानउल्लाह पुत्र मिलिक करामत उल्लाह, निवासी 88/278, चमन गंज, कानपुर , हाफिज मोहम्मद उलमान पुत्र हाफिज मोहम्मद हासिम निवासी 46/84, नई सड़क, कानपुर ।

(अन्तरिती)

3. श्री अल्लादीन, मिलक अमानउल्लाह, हाफिज मोहम्मद उसमान । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पुर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकोंगे।

स्मक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

अचल सम्पत्ति नम्बर, 482, 483 क्षेत्र फल 2780 वर्ग मीटर (एक बीधा 7 बिस्वा), वाजिदपुर जाजमऊ, कानपुर में स्थित है।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, कानपुर

तारीख: 11-5-1983

अरूप् बाइ, की, एन, एस्,------

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीत सूच्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे पूणे, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/114/83-84—यतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन्हें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पिश, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6, निर्माण प्रभाग, सब प्लाट नं० 1 क्रू नं० 1 १/ए, निर्माण नगर, निलेमोरे, नाला सोपारा (वेस्ट), तह० बसई, जिला थाना, क्षेत्र 371/स्कवायर फीट है, तथा जो जिला पूणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रुप से विणत ह) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सं० 58, दिनांक 21-8-82

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दे हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रियमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त भूनतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गृद्धा किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण्से हुई किसी शाय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धृन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की भाय 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

1 मैं० निर्माण एशोशिएटस, 40-41, विशाल शापिंग सेंटर, सर एम० बी० रोड, अंधेरी; (ईस्ट) बम्बई-400069

(अन्तरक)

 श्री रमाकांत शंकर राणे दादर पुलिस लेन, चाल नं० 2, खोणी नं० 19, भवानी शंकर रोष्ट, दादर (वेस्ट) बम्बई-400028

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० ६ निर्माण, प्रभात सं ० नं ० 19/ए, सब प्लाट नं ० 1, निर्माण नगर, निलेमोरे, नालासोपरा (वेस्ट),

तह० बसई, जि० थाना (क्षेत्र 371 स्वय० फीट)।
(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 58, तारीख 21-9-1982 को
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर
में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/110/83-84---यतः मुझे शशिकांत कूल कर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 204, क्षेत्र० 575 स्क्वायर फीट, महेन्द्र पैलेस, प्लाट नं ० 47/48, रू० नं ० 4-5 6-7 नवघर गांव तह० बसई, जिला ठाणा, में है, नथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 94, दिनांक ता० 27-9-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्त के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय

- (स) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅ, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निक्कलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मै० विष्वकर्मा बिल्डिस,
 महेंद्र पैलेस विष्वकर्मा निवास स्टेणन रोड,
 बसई, (बेस्ट), जिला पूना,।

(अन्तरक)

श्री शारव कृष्ण तलुर,
 सी/26/1, बेल हवेन बल्लभ नगर,
 बोरवली (वेस्ट), 400103

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरुः करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, क्षेत्र. 575स्क०फीट, महेंद्र पैलेस,प्लाट नं० 47/48, रू० नं० 4-5-6-7, नवघर गांव, तह० बसई, जिला ठाणा।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 94, तारीख 27-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्म (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 4-4-1983 मोहर : प्ररूप आहुर , ट्रो , ए६ एस , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की খাতে 269 থ (1) के अधीन मूचना

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 15 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० सीं० ए० 3/37 ई०ई०/83-84—यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं प्लैंट नं ए/3, दीपक अपार्टमेंट्स, दिपी को-आप े हार्जिस सोसायटी, सं नं विषय है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं 459, तारीख 15-4-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उत्तक द्रश्यमान प्रतिकल से, द्रोसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री हीशाचम्द नेथमल चोरिश्वया, प्लाट नं ० ए/3 दीपक आपर्टमेंटस मॉडेल कालीनी पूना (अन्तरक)
- श्री प्रवीप दत्तामय नाडकर्णी,
 प्लाट नं० 22, माधवपुर, वडगांव,
 बेलगांम-590005

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ६ भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/3, दीपक अपार्टमेंट्स, आफ दिप्ती को० आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी सं०नं० 479/15. माडेल कालोनी, पूना-411016 ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 459 ता० 22-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गशिकांत कुलकर्णी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 15-4-1983 मो**ह**र :

प्रकथ भाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/6/एरडवणा दूदैरोड---पूना। पूना, दिनांक 5 अप्रैल, 1983।

निर्देश पूना सं० सी०ए०-5/37ईई/106/83-84 —यतः

मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2/69 के के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिलेका उचित गाजार मृत्य 25,000 रं-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फलेट मं० 103, क्षेत्र 585 स्कें० फीट महेन्द्र पैलेट प्लाज नं० 57/58 क्०न० 4.56.7 नवघर गांव ता० बसई जि० ठाणा। है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 93 तारीख 27-9-1982।

को पूर्वों क्त स्म्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त थि। नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनैवधा के लिए;

 मे० विश्वकर्मा विल्डर्स महेन्द्र पैलेस विश्वकर्मा निवास स्टेशन रोड़ बसई जिला ठाणा।

(अन्तरक)

2. डा॰ शिवदर्शन कुमार मारवा औम सुर्वा विहार 181 सामन (वेस्ट) बंबई 22

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वो विश सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 103, क्षेत्र 585, स्के० फीट। महेंद्र पैलेस फ्लैंट नं० 47/48 फ० नं०-4-6-74। नवघर गांव ता० बसई τ जि० ठाण।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 0 0.3 ता० 27-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 5-4-1983

प्रकृप आहू . टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक क्षायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज एरंडवजा डर्वेरोड़, पूना-4 पुना, दिनांक 4 क्षप्रैल 1983।

निर्देश स॰ सी॰ए०-5/37ईई/119/83-84---यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या क्षेत्र 556.26 स्के० मीटर कर्वे नगर को औप० तौसीगू, सोसायटी का हिंगणे रु०नं. 51 फ्लैंट नं० 16 पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-82 नं० 111

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे सभने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- अशोक यशूथत कोल्टरकर मार्फेत मोहादकर बंगला पंडीन कौलनी नांसिक-2

(अन्तरक)

 डां०, राजाराम गणेश वाघ
 33/7 श्रीफल, 5 प्रभात रोड़ पुता-411004।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 16, सर्वे नंबर 41 कर्वे नगर को० औप० ्राउंसिंग सोसायटी में का फ्लैंट क्षेत्र 556.26 स्क० मीटर हींगणे, पूना।

(जैसे की र्राजस्ट्रीकृत् नंबर 111 ता० 24-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 4-4-1983 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

गायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूर्ण

पूणे, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी०ए०-5/3700/111/83-84 I—-अतः

मुझे, पाणिकांत कूलकर्णी।

भाग 🎹 —खण्ड 1]

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाबार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फूट नं० 402 भौयामाला क्षेत्र 395 स्के॰ फीट रू॰नं॰ 265 और 327/2ए० सि॰स॰नं॰ 1806 से 1815 "आरती" श्री अंधिका नगर एम जी रोड डोबवली वैस्ट जिं० ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-82 नं० 474

को पूर्विक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्प्रमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ह—

- (का) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की त्रावत, उपत यक्षिमियम के प्रधीन कर देने के **ग्रन्तर**क के दामिल्य में कमी करने या अससे मधने में सुविधा के सिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए ।

ग्रतः प्रव, उक्त ग्रिजिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उत्त्थाहा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1 दीपक बेनीफिट ट्रस्ट श्री हिंद कोआपरेटिय हौसींग सोसायटी अमबर इनकन कांजवे सायन बंबई 400022 (अन्तरक)
- 2. श्री शरद गोविंदराव डुंबरे झागुबाई निवास नौपाडा : सुभाष रोड डोंबविली (वेस्ट)

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बषुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित भें किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो. उदस्त प्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🐉 ।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 402 चौथामाला क्षेत्र 395 स्के॰ फीट रं 0 नं 0 265 एल 327/ए2 सि०स० नं 0 1806 से 1815 "आरती" श्री अंबीडा नगर एम्ज जीर्॰ रोड़

डोंबीवली (वेस्ट), (जिला) ठाणा

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 474 ता० 23-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> मिमकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 15-4-83 मोहर :

प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस०⊸-

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन सूच्ना

भारत चरकार

कार्यालय . सहायक आयंकर आदृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-60-61 एरडवणे- पुणे-4

पुणे, दिनांक 5 मई 1983

निदेश सं० सी० ए० 3/37 ई० ई०/123/83-84----अतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

मासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस 202-ए, क्षेत्र 117 स्ववे० फीट, दूसरा मंजिल है, तथा जो 776-ए, सदाधिव पेठ पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमाम प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे भास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै० ट्रापीकल्स बिल्डर्स,776-ए, सवाशिव पेठ,पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री सिंच्चिदानन्द विनायक इंग्लेंड, 180, सदाणिव पेठ, पुना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

आफिस नं० 202-ए, दूसरा मंजिल 776-ए, सदाशिव पेठ, पूना-30 ।

क्षेत्र 117 स्क्वे० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 113 ता० 24-9-82 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-5-1983

प्रकथ बाइ. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ (1) के न्धीन त्यना

THE TRANS

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरडवणे-60/611, पूना पूना, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/37 ई० ई०/ 124/83-84— अतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3, 403/1, झनवार पेठ, पूना है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कैप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1809 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कथ निम्नीनिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त-विक कप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) ल्लाइन वे हार्य किसी नाव की संबंध उन्हा विभ्-क्रिक के नुबीद कर दोने के बन्हरूक के वावित्व में क्सी कर्ष वा उससे क्सने में सुनिधा के सिए; ऑड़/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, ध्विन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सुनिशा के सिह्

ज्तः जुन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उप्धा**रा (1) के अधीन, निम्नुकि[कुत अधिकारों], जुर्मात् अल्ल (1) मैं० लेंडमार्ग कन्स्ट्रक्शन, सुरेखा अपार्टमेंत, पूना सतारा रोड, पूना

(अन्तरक)

(2) श्री मदन एस० इंजलकर, श्री मोहन एस० इंजलकर, 519, झनवार पेठ, पूना

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वनुसूची

प्लाट नं० 3 झनवार रोड पेठ, पूना 30 क्षेत्र 482 स्क्षे० फीट

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 6 ता० 7-9-1982 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-5-83

मोहर 🖫

प्ररूप नार्षः टी. एन्. यस्.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निडिक्सिन) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/37 ई० ई०/122/83-84—अतः भृक्षे. शशिकांत कूलकंणी

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 101 पहला माला निर्माण ,प्रभात क्षेत्र 511 स्क्वे० फीट रू नं० 19/ए, सब प्लाट मं० 1, निर्माण नगर जिसेमारे नालासोपारा (वेस्ट) ता० बसई, जिला ढोणा है तथा जो जिला ढोणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नं० 35 15 सितम्बर, 1982

का पूर्वीक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तर्ज से हुई किसी नाम की नानत, उचत सिंपिनयम् के अभीन कर देने के जन्तरक के सामित्य में कभी करने या उचसे नचने में सुनिभा के सिए; आर/या
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं० निर्माण एसोसिएट्स,
40/41, विशाल गापिग सेंटर,
सर एम० बी० रोड,
अंग्रेरी इली रोड,
अन्धेरी (ईस्ट,) अम्बई-400069

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० राधाकृष्णन, डी-909, रेलवे क्वार्ट्स कोसालबाडी, कस्याण :

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बम्पति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का; जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 101, पहला माला निर्माण प्रभाग सब-प्लाट नं० 1 निर्माण नगर, निसेमारे नासासोपारा (वेस्ट) ता० वसई जिला ढोणाक्षेत्र 511, स्ववे० फीट

(जैसे फि रिजस्ट्रीकृत नं० 35 ता० 15-9-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/37 ई० ई०/113/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 105 पहिला माला निर्माण प्रभात सब प्लाट नं० 1 निर्माण नगर, निसेमोरे नालाकोपारा (बेस्ट) जिला ठाणा क्षेत्र 371 स्क्वे० फीट हैं तथा जो जिला ढाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणन हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं० 34, ता 0 15 सितम्बर, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्त्यकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात्:—

(1) मैं० निर्माण एसोसिएट्स,
40-41, विशाल शापिंग सेंटर,
सर एम० वी० रोड अंधेरी (ईस्ट),
बम्बई-400069 ।

(अन्तरक)

(2) सुरेश ज० माझीक,
 200/8, समीर रोड, नं० 16,
 सामन (ईस्ट) बम्बई-22।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 105 पहला माला निर्मार्ण प्रभात सब प्लाट नं० 1 निर्माण नगर निलेमोरे नालासोपारा (बेस्ट) जिला ढाणा (क्षेत्र 371 स्मवे० फीट)

(जैसे कि रॉजस्ट्रीकृत नं० 34 ता० 15-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के सप्तर में लिखा है

ग्राणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🖫

प्रस्प आहूं.टी.एन.एस..----

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे पुणे, दिनांक 4 अप्रैल, 1983 निर्देश सं० सि ए० 5/37 ईई/118/83-84-यतः मुझे, शक्षिकांत कुलकर्णी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या फ्लैंट नं । ब्रिल्डिंग नं । ए० टाईप ए० विंग क्षेत्र 310 स्कें ० फीट अमी पार्क नालासोपाला (वेस्ट) ठाणा जिला ठाणा तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नं ० 196 ता ० 16–10–82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वाबता, उक्त डीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उरुधारा (1) को नुधीन, निस्तिसिंगत स्पित्यों, अभीत है— (1) मे० अमी कन्स्ट्रक्णन कम्पनी 602 शारदा चेम्बर्स, 15 न्यू मरीन लाईन्स वम्बई—20

(अन्तरक)

(2) श्री हेंमत वासुदेव लेले
4 सिद्धी सदन तिसरा माला एस० ह्वी० पी० रोड,
बोरोवली (वेस्ट) वम्बई-92

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्लों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अम्स्**वी**

बिल्डिंग सं० 1 फ्लैंट नं० 1 ए० टाईप ए० विंग क्षेत्र 310 स्के० फीट (बिल्टअप) अमीपार्क नालासोपार (बेस्ट) जिला ठाणा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रेंशन नम्बर 196 ता॰ 16-10-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 4-4-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-4 पूना, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० सिए० 5/37ईई/112/83-84—यतः मुझे, णणिकांत कुलकर्णी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातं 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105 पहिला माला निर्माण संदेश सब प्लाट नं० 5 निर्माण नगर नालासोपाला (वेस्ट) ता० बर्ध्द जिला ठाणा है तथा जो जिला ढाणा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अपीन, विनांक नम्बर 37 ता० 15-9-1982 को पूर्विकत सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एरे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

(1) मे० निर्माण ऐसोसीएट्स्
40-41 विशाल शार्पिण सेंटर
सर एय० ह्वी० रोड, अंधेरी (ईस्ट)
बम्बई-400069

(अन्तरक)

(2) श्री खली मोहम्मद इस्माईल अब्दुल्ला 26/19 हाजी कासम चाल काशीपुरा टुटैंज बम्बई-400008

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्यारा अनोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अन्यवी

फ्लैट नठ० 105 महिला माला निर्माण संदेश रू० नं० 19/ए०, हिस्सा नं० 1 सब प्लाट नं० 5 निर्माण नगर नीले मौरे) नालासोपारा (वेस्ट) त० बरुई, जि० ठाणा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ता० 15-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तरमें लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 4-4-1983

प्ररूप आई².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ---4 पूना, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्वेश सं० सिए० 5/37ईई/121/83-84—यतः मुझे, शिक्तित कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य $25,000^{-25}$. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 0 106 पहला माला क्षेत्र 515 स्के पीट निर्माण संदेश स्व नं 19/ए हिस्सा नं 1 सब प्लाट नं 0 5 निर्माण नगर निजेमोरे माला सोपारा (वेस्ट) त० बर्ध, जि ठाणा

है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, न० 36 ता० 15-9-1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उसत अंतरण निस्ति में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, राक्ष अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० निर्माण ऐसोसिएटेड्स 40-41 विशान शौपींग सेंटर सर एम० व्ही० रोड अंधेरी (ईस्ट) बंबई 400069 ।

(अन्तरक)

(2) श्री खली मोहस्मद इब्राहीम अब्दुल्ला 26/20 हाजी कासम चाल काशीपुरा टूटैंक बस्बई-400008

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवह्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

पर्लैट नं० 106 पहिला माला निर्माण नगर क्षेत्र 515 स्के० फीट रू० नं० 19/ए० हिस्सा नं० 1 निर्माण संदेश सब प्लाट नं० 5 निर्माण नगर निर्फो भोरे नालासोपारा (वेस्ट) त० वसई जिला० ठाणा ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 36 दिनांक 15-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

ममिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 5-4-1983

मोहर ;

प्रकार वाद. टी. इत्. यस.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पुना, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्वेश म० सि ए.5/37ईई/117/83-84—यतः मुझे, शशि-कांत कुल%णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की बार 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० जी०-5 क्षेत्र 320 स्के० फीट महेंन्द्र पैलेस प्लाट नं० 47/48 मं० नं० 4-5-6-7 नवमर गांव ता० वसई, जि० ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 124 दिनांक 29-9-1982

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फन निम्निसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिखित में बास्त- विक रूप से काथत नहीं कि बा क्या हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत उक्त सीध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कज़ी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिये; अप्तान
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थाग्रः—— (1) श्रा में विश्वकर्मी बिल्डर्स महोंद्र पैलेस विश्वकर्मी निवास स्टेशन रोड क्सई (बेस्ट) नवघर जि० ठाणा

(श्रन्तग्क)

(2) श्री वसंत टी० सालीन133/3911 कन्नमवार नगर विक्षोली बम्बई-400088 ।

(अन्तरिती)

कां यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संपति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हों।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृत्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद मीं समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीवन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपन स्थात्र सम्बद्धि का दिन स्वयं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहिन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकाग (

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिप्रशाया हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी०-5 क्षेत्र 320 स्के० फीट महेंद्र पैलेस प्लाट नं० 47/48 रू० नं० 4-5-6-7 नवघर गांव ता० वसई जि० ठाणा ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 124ता॰ 29-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिषाकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-4-1983

श्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २५७-६ (३) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूर्ण

पूर्ण, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० सिए०5/37ईई/107/83-84—यतः मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7 सं० न० 2652 और 327/2ए, ठाकुलीगांव सि० स० न० 1806 से 1815 क्षेत्र 310 स्के० फीट ',आरती'' श्री अबीका नगर एम० जी० रोड, डांबियली (वेस्ट) है नथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-11-1982 नं० 475

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थात:——

- (1) वीपक बेनीफीट ट्रस्ट श्री हिंद कोऔपरेटीव हाउसिंग सोसायटी अम्बर इनकन कोंजवे सायन बम्बई-400022 (अन्तरक)
- (2) एस सी कोटीश्रन् सी-47 राजवैभव, योगा नगर के पास इसकररोड बोरावला वैस्ट बंबई 400092 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;"
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 7 सं० नं० 265 तथा 327/2ए० ठाकुर्ली गांव सि० सं० नं० 1806 से 1815 क्षेत्र 310 स्के० फीट 'आरती' श्रो अम्बीका नगर एम० जी० रोड डोंबीवली वेस्ट (जि० ठाणा)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 475 ता० 23-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के वपतर में लिखा है।)

> णणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 4-4-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज, पूना-4

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सिए० 5/37 ईई/115/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी म्रायकर मधिनियम, 1861 (1961 का 43) (असे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है). 🙌 धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पलैंट नं० जी०-6 क्षेत्र 320 स्के० फीट महेंन्द्र पैलेस प्लाट नं ० 47/48 रू० न० 4-5-6-7 नवघर गांव ता० बसई जि॰ ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 92 दिनांक 27-9-1982 को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वांकर सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य **इसके दृश्यमान प्रतिफेल से, ऐसे दृश्यमान प्रांतफल का पंद्रह** प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकां) थार **ग्रन्तरिती (अन्तरि**तियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तड पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किबित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर्क में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वृष्टि हन्न (1) मे० विश्वकर्मा बिल्डर्स महेन्द्र पैलेस विश्वकर्मा निवास—स्टेशन रोड वसई (वेस्ट) जि० ठाणा

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर सिंह हरदी सिंह 2 चौथाई मंजिल बैल बजार कूर्ला बम्बई-400070।

. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्य-वाहिगां शुरू करता हूं।

उना पम्यति के अर्चन ह सम्बन्ध में होई भी बाक्षेप:---

- (क) इन श्वान हे राजा व वे वहागा हो तारीख सें

 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना को नामीन थे 30 दिन की भ्रविध, जी भी
 अविध बाद पे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में के किसी स्थिकिन होता;
 - (ब) इर १४१ ६ राजाः न प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-वद किनी अन्य स्थावन द्वारा, अधोहस्ताकरी क स्थाय विश्वा में किए जा सकीं।

एक्टोकरण --इसमें जपूतन शब्दों भीर पटी का को उनत श्रेषिनियम, के अध्याप 20-क में परिवाधित है, वहीं अर्थ होगा की उम शब्दाव में दिया गर्या है

अन्स्ची

फ्लैंट न० जी०-6 क्षेत्र 320 स्के० फीट महेंन्द्र पैलेस प्लाट नं० 47/48 रू० नं० $\frac{1}{2}4-5-6-7$ नवघर गांव त०बसई जि० ठाणा ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 92 ता० 27-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-4-1983

. प्रकप बाह्र . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 29 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सिए० 5/37 ईई/108/83-84—यतः मुझे, भशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कांचन गंगा सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित गूलटेकड़ी पुणे सं० नं० 568 प्लाट नं० 24 क्षेत्र 3623 स्के० फीट है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सं० 277 दिनांक 2-11-1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में मृतिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री जयश्री विजय जोशी 406 कामुगवे वेस्ट फील्ड एन० जे० 07090 न्यूयार्क यू० एस० ए०

(अन्तरक)

(2) श्री निष्णु महादेव पुरंदरे 1047 सदाशिव पेठ गायमली पुणे 30 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तृत्स वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (वा) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकांगे।

स्पच्चित्रकाः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

काच गंगा सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित गृलेटकड़ी पूना सर्वे नम्बर 568 प्लाट नं० पुराना 28 नया 24

क्षेत्र—3623 स्के० फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 277 ता० 2-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> मधिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 29-4-83

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूता

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सिए० 5/37 ईई/116/83-84---यतः मुझे, शिक्षकात कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्स 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 108, क्षेत्र 425 स्के० फीट प्रवीन पैले स प्लाट नं० 37/38 रू० नं० 5-6-7 नवघर गांव त० वसई जिला ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 90 दिनांक 27-9-1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से ऐसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० विश्वकर्मा बिल्डर्स, प्रवीण पैलेस विश्वकर्मा निवास—स्टेंशन रोड, वसई (बेस्ट) जि० ठाणा

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्नाप्पा अनचन श्रीधर द्वारा इंडियन आडल कारपोरेशन लिमिटेड जी० एम० सेन्शन महानक्ष्मी बम्बई--400034

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेतिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा. जे उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैटनं ० 108 क्षेत्र 425 स्के० फीट प्रथीण पैलेस, प्लाटनं ० 37/38 रू० नं ० 5-6-7 नवघर गांव त० वसई, जिला ठाणा (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 90 ता० 27-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, पूना

दिनांक : 5-4-1983

प्रकृप आई॰ टो॰ एन॰ एस॰-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुंचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० सी०ए० 5/37ईई/109/83-84-यतः मुझे, श्रिकांत कुलकर्णी,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिन्हा उजित बाजार मूख्य 25,000/- क्मए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० डी०-405 चौथा माला क्षेत्र 250 स्के० फीट बिल्टअप एरिया रू० नं० 143/44 "भाई दया नगर" भायन्दर (ईस्ट) जिला ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-10-1982 नं० 137 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य नात मतिकल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफन, निम्नलिबिन उद्देश ने उक्त प्रकारण लिखिन में बास्तिक का से कथित नहीं किया गयर है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उपन अधि-विषम के घंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के निए; भीर/या,
- (ख) एसा किया आप या किसा धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें नारतीय प्राथ-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अखिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की सप्धारा (1) के अभीन् निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) मे॰ साई गणेश बिल्डर्स,1 भाई दया नगर नवघर रोड,भायंदर (ईस्ट) 401101

(अन्तरक)

(2) श्री राजेंद्र कुमार के॰ बालिमया देनाबैंक, सेंट्रल आफिस कोलाबा बम्बई-400005

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूजना के राजनज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामीख से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाद्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तें और पत्तों का, जो उक्ते प्रिष्ठि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नही सर्व हाना, जा उन प्रध्याय में दिया गरा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डीं०/405 चौथा माला क्षेत्र 250 स्के० फीट (ईस्ट एरिया) रू० नं० 43/44 भाई दया नगर भाइंदर इस्ट) जिला —ठाणा ।

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत नम्बर 137 ता० 4-10-1982 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 5-4-1983

प्ररूप काई. टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मई, 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/15--यतः मुझे, आर० बी० सिन्हा आई० आर० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो बाजार काठीया अमृत-सर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर धेने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त 'अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

मतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अपुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्—ः 20—106GI/83

- (1) श्रीमती उषा कुमारी पत्नी दौलत कुमार वासी—बाजार घंटा घर घरेक गली अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्रीमतीं कबीता अरोड़ा पत्नी कुसुम अरोड़ा बाजार काठीयां अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो मैं० नरेन एजेंसी 355/न्महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्थव्यक्षिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वां व्यक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो बाजार काठीयां अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं॰ 9660/13-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

> आर० बी० सिन्हा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

दिनांक : 5-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 6 मई, 1983

निदेश सं० ए०एस० आर०/83-84/16--यतः मुझे, आर० बी० सिन्हा आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो डेरा बाबा नानक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बाबा नानक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,अर्थात् ः--- (1) श्री तारा चन्द राम पाल पुत्र कलप नाथ वासी----डेरा बाबा नानक जिला---गुरदासपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री खारेसी लाल पुन्न राम पाल वासी—- डेरा वाबा नानक जिला—-गुरदासपुर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,। जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो डेरा बाबा नानक में है जैसा सेलडीड नं० 986/7-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डैरा बाबा नानक में दर्ज है।

आर० बी॰ सिन्हा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 6-5-1983

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

आयुकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च् (1) के सुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 3 मई 1983

निदेश नं० एएसआर०/83-84/17-यतः मुझे, आर० बी० सिन्हा आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो बाजार चील मंडी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रीभनियम के ब्रुभीन कर बोने के श्रम्तुरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के प्रसूर, ब्रौट/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी भन या जन्य जारिस सों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए:

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन निम्नतिखित स्यक्तियों, अधित् हि— (1) श्री सुरजन पुत्र मूल सिंह यासी बाजार चील मंडी अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) मैं० सोड इंजीनियरिंग इलैक्ट्रिक वर्कस बाजार मंडी अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई और किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारा करक पूर्वोक्तु सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पृक्तीकरण : इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पर्वों का, भी उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

एक जायदाद जो बाजार चील मन्डी अन्दर महां सिंह गेट अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 9302/सितम्बर, 1982 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

> आर० बी० सिन्हा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक : 3-5-83

त्ररूप्ः, भार्ष्ः, टी., एन्., एस्., -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 6 मई, 1983

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधितयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो कमामीरी एवेन्यू अमृत-सर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उर्जित बाजार मूल्य से कम् के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक कप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; आर्/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मांव भाटिया पुती किशन चन्द, 487 ई० 7 अरंडा कालोनी, भोपाल (अन्तरक)
- (2) श्री पुष्प विनोद पुत्न राम सरन दास 114 गली बेंली राम हीथी गेट, अमृतसर (अन्तरिसी)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएबार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के निए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाय जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 10738/ विनांक 30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 6-5-1983

मोहर 🛭

प्रसप भाई • टी • एन • एस •---

मायकड मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-म् (1) के भूधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनक 6 मई 1983

निदेश सं० ए एस आर०/83-84/10—यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना आई० आर० एस० धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो कशमीरी एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कव से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत , उक्त जीपितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के याजित्य में कमी करने या उससे बुधने में सुनिधा के शिष्ठ; बाह्र/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भाक्तयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में, सुविधा के लिए।

सदः वृद्ध उस्त वृद्धित्यम् की भाग्न 269-यु के सन्सर्भ में वृद्धि उन्त अभिनिष्य की भाग्न 269-यु की उपभादा (1), से वृद्धीयाः निम्नसिष्य व्यक्तियमाँ। सर्भाद्य ४—— (1) श्री चांद भाटिया पुत्री किशन चन्द, 487 ई० 7 अरण्डा कालोनी, भोपाल

(अन्तरक)

(2)श्री अशवनी कुमार पुत्र राम सरन दास, 114 गली बेली राम हीथी गेट, अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) औं सा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्त में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी धाक्षेपी:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्षश्रोहस्ताकरी के पास व्यक्ति में सिए जा सकेंगे।

स्वत्शिकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जो जनत मधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायबाद जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेल बीड नं 10725/30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है ।

> आर० बी० सिल्ला (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 6-5-1983

मोहरु 🖫

त्रक्त भार<u>ी.</u> टी. एन<u>.</u> एवं न

नायुकर न[भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के स्थीन सुमृता

SEE SEE

कार्यानय, सञ्चयक भायकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 6 मई, 1983

निवेश सं० ए०एस०आर०/83-84/20-यतः मुझे, आर० बी० सिक्का, आई० आर० एस०

नायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसके परचात् 'उन्तत निभिनियम' कहा गया हू"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित नाजार मूल्य 25,000/ रा. से निथक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की पूर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्मुलिबित उद्वेद्य ते सकत अन्तरण कि निम्ति में आस्तिक रूप ते कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से शुर्द रिकती नाम की नामत, उपता जीनियम के अपीय कर दोने के सम्बद्ध के वायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा ने किया औड़/बा
- (श) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना थाहिए था, कियाने में विश्वा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के नन्सरण कों, कों, अक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्—ः (1) श्रीमती कमला वती विध्वा किशन लाल 487 ई० 7 अवण्डा कालोनी, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री पुष्प विनोद पुत्र राम सरन दास 114 गली बेली राम हाथी गेट अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए गर्यवाहियां करता हुं।

उपक सम्पृतित् में अर्थन् के सम्बन्ध् में कोई शी बाक्षेत्र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 जनिथ बाद में सजाप्त होती हो, के शीतर पृत्तांकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (व) इस सूचना को राजदत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन को भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, जभोहस्ताक्षरी को पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पक्किरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रयाह ।

अनुसूची

एक जायदाद जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 10691/30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

विनांक : 6-5-1983

प्रकप्, बाह्रं, टी, एस, एस, -----

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मई 1983

निवेश सं० ए०एस०आर०/83-84/21---यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना, बाई० आर० एस०,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्युक्तियों, सुधति, ह—— (1) श्रीमती कमला वती विध्या श्री कृशन लाल 487 ई० 7 अवण्डा कालोनी भोपाल अब कशमीर एवेन्यू अमृतसर

(अन्तरक)

(2) अशवनी कुमार पुत्र राम सरन दास 114 गली बेली राम हाथी गेट अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कांग्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मुर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 10735/30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर॰ बी॰ सिल्ला, (आई॰ आर॰ एस॰) सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विमांक : 6-5-1983

प्रकथ बाई॰ टी॰ हम॰ हस॰---

भायकर प्रविविद्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26% (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० ए० एस०आर०/83-84/22—यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एस०,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन संज्ञम प्रधिकारी को, यह विम्बास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-चप्ए से प्रधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अभित विश्वार मूल्य से कम के बृद्ध-मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्ष्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिकत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक कर से किया नहीं किया गया है:—

- (क) कन्द्रप वे हुई कियों नाय की वावद उक्त वर्षि-तिमन के जबीन कुद वेने के क्द्रुरक के शिवरक में कमी करने या उससे वज्रने में सुविधा के लिए; क्द्रि/वा
- (क) एसी किसी नाव या किसी भन या जन्म जास्तियों को, चिन्हों भारतीय भायकर अभिनित्रम, 1922 (1922 को 11) या उपत अभिनित्रम या भन् कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरिती हताय प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के हिस्ह;

जतः अब, उक्त अधिनियम कर्ने धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री कमला वरी विघ्या कृशन लाल 487-ई० 7 अवण्डा कालोनी भोपाल अब कशमीर एवेन्यू अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री सतीण कुमार पुत्र राम सरन दास 114 गली बेली राम हाथी गेट, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जम के लिए कार्पवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध व्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नपृष्यी

एक जायदाद जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 10736/30-9-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है ।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 6—5—83

अरूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, विनांक 6 मई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/23--यतः मझे, आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर संपरित, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कशमीर एवेन्य अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह निक्रवास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युद्धेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. िम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चांद भाटिया पृती किशन चन्द 487 ई० 7 अरण्डा कालोनी भोपाल

(अन्तरक)

- (2) श्री सतीम कूमार पुत्र राम सरन दास 114 गली बेली राम हाथी गेंट, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- ं(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 4.5 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचनाकी तामील हे 30 दिन की अयिष, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क्रा) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ं एक जायदाद जो कशमीर एवेन्य अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं ० 10737/30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विमाम : 6-5-1983

मोक्टर:

21.—106GI/83

प्ररूपः आहाँ ही एन एस : ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, बटामा

बटाला, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/44—अतः मुझे, हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमी का प्लाट है तथा जो फतहगढ़ चूड़ियां बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित्र है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी सविधा के लिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भूषण कुमार मदन गोपाल पुत्रान तिलक राज गांव फनेष्ठगढ़ चूड़ियां नहसील बटाला जिला गुरदासपुर (अन्तरक)
- (2) डा॰ मोहन लाल पुत्र गुरां दिता मल गांत्र फते ह-गढ़ चूंडियां तहसील बटाला जिला गुरदासपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिमोग में सम्पत्ति है।)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदाहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमी का प्लाट जो गांव फतेहगढ़ चूड़ियां तहसील बटाला जिला गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं० 3620/ सितम्बर, 1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

> हरक्षायाल सिंह आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बटाला

दिनांक : 12-5-1983

प्ररूप् भार्षं.टी. एन. एस्. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/36——अतः मुझे, हरदयाल सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृन्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमी का प्लाट है तथा जो बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कि बी आव की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के चिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्रीमती खेम कौर पत्नि डा० अमरत सिंह वासी पी० 67 असत्रोशन मार्ट नई दिल्ली द्वारा रिवन्द्र सिंह पुत्र प्रीतपाल सिंह 348 ग्रीन एवेन्य अमत-सर

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह, चील मंडी अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्नों और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिस सवा है।

धन्स्ची

एक भूमी का प्लाट जो बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 10145/22-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 10-5-1983

मोहर 🗓

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई, 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/37—अतः मुझे, हरदयाल सिंह, आई० एस० आर०

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो धटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि ग्थाप्त्रों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निनिलिखत उत्देश्य से उकत अन्तरण निस्ति में वास्तिकक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) करतरण संहार किसी अध्य की बाबत उक्त सिंध नियम के अधीन कर दीने के अनुप्रक के दाविष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, किन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्राक्ति अधिनियम, या प्राक्ति अधिनियम, या प्राक्ति कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपानं में सुविध्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती खेम कौर पितन डा॰ अमरत सिंह वासी पी॰ 67 असत्रोगल मार्ट नई दिल्ली द्वारा रिवन्द्र सिंह पुत्र श्रीतपाल सिंह 348 ग्रीन एवेन्यू अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती तरनजीत कौर पत्नि नरन्जन सिंह वासी चील मंडी अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेवार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यक हिमां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

एक भूमी का प्लाट जो बटाला रोड अमृतसर में है जैस I सेल डीड नं० 10146/22-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

ह्रदयाल सिंह (आई०आर०एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

दिनांक: 10 5-1983

मोहर *

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83±84/38—अतः मुझे, हरदयाल सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमी का प्लाट है तथा जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) श्री मदन लाल पुत्र गुरिंदयाल राम पवन नगर, बटाला रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चेंचल शर्मा पितन सोमदत डोगरा महला बाजार तारा चन्द डेरा बाबा नानक तहसील बटाला

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोट्ट किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक भूमी का प्लाट जो टी० पी०स्कीम नं० 53 कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 10356/27-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह, (आई०आस्०एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, अमृतसर

दिनांक: 10-5-83

प्ररूप आई .टॉ. एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अमृतसर

अमृप्तसर दिनांक 10 मई 1983

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/83-84/39 — यतः, मुझे, हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाव सकेयर अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ कन्तरियी कुवारा प्रकट नहीं किया नमा वा वा किया वाना आहिए वा, स्थिपाने में स्विभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— (2) श्रीमती विमजा नन्दा
पत्नी बलदेव करिशन नंदा
वी मंडी अमृतसर
द्वारा गुरदीप सिंह पुत्र चरन सिंह पवन नगर
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दरजीत सिंह पुत्री राज सिंह शरीफपुरा अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जोनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृषाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

सक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्धित व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बवृध किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताकरी के पात सिचित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया चुंबा हैं।

अनुसूची

एक जायदाद जो करिशना सकेयर शिवाला भाइयां अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9789/3-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अमृतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह आई० आर० एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख: 10-5-83

मोहरः

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निदेश नं० ए० एस० आर०/83-84/40-- अतः मुझे हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कनेडी एवन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 82,

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 195" (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्न चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की लपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) अमृतसर इम्प्रूयमेंट ट्रस्ट अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह पुत्र उत्तम सिंह 39-ए० कनेडी एवन्यू अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त पाल्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-कं में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

एक भूमि का प्लाट जो कतेडी एवन्यू अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 9417 7-9-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

> हरदयाल सिंह, आई० आर० एसं० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 10-5-83

प्ररूप आर्चे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निदेश नं० ए० एस० आर०/83-84/41—अतः मुझे हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान जितकास के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गमा जितका, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् "—— (1) श्रीओम परकाण पुत्र दीवान चन्द पवन नगर बटाला रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल सहगल पुत्र गुरदियाल मल, पवन नगर अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो बटाला रोड टी० पी० स्कीम न० 53 अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9442/7—9—82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह आई० ए० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज, अमृतस**र**

तारी**य** : 10~5~83

प्रकप धाई• टी• एन• एस•-

आयक्तर प्रविविधन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, नई दिल्ली

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/43—यक्षः मुझे, हरदयाल सिंह आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- क० मे प्रधिक है और जिसकी

सं० एक भूमि प्लाट तथा जो हरकुलर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त मम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में तास्त्रिक रूप से किंग्द नहीं किया गया है:——

- (क) प्रक्लारय से दुई किसी आय की बाबस, चक्त प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कसी करने प्राप्तमसे बचने में सुविधा के लिए; धीर/था
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन ना भन्य प्रास्तिकों को, जिन्हें नारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता वाहिए था, खिपाने में सुविशा के लिए:

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--22-106GI/83

(1) श्री वेद प्रकाश
पुत्र पूरन चन्द
बासा कटड़ा आहुनूर्वानिया अमृतरार आप बार
जनरन अटारनी फर्म मै० रमेश एंड कम्पनी
श्री राम लान और श्री राम रखा मन आदि

(अन्तर्क)

(2) श्री जोगिन्दर पाल खाना पुत्र खुशी राम वासी अंदर गली कसेरियां अमृतसर

(अन्तरिसी)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकछ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख में 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, औं भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हैं कसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हैलिखत में किए जा सकेंगे।

.म्पब्टीकरण:--इसमें प्रशृक्त शब्दों और पदों का, को सकत अधिनियम के भव्याय-20क में परिभाषित है. यही सर्व होगा को सम श्रव्याय में दिया क्या है :

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो अमृतसर रोड़ अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं ० 10606/30-9-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरवयाल सिंह आई० आर० एस० मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-5-83

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 10 मई 1983

निदेश नं० ए० एस० आर०/83—83/43——यतः, मुझे, हरदयान सिंह आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूच्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो हाइट मारकीट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सिंतम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री करिशन कुमार पुत्र लखपत राम वासी जिसधापुर द्वारा महिन्दर सिंह पुत्र सुदागर सिंह वासी कनेडी एवन्यू अमृतसर।

(अन्तरक)ः

(2) परमजीत सिंह पुत्र महिंदर सिंह, 35 केनेबी एवन्यु अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वहः व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पृथानित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो हाइड मारकीट अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 9712/14-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह आई० आर० एम० मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-5-83

प्रकथ जादै . टी . इन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० ए० सी०-16/आर-IV/83-84--अतः, मुझे, सी० रोखामा,

बायकर विधीनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा वैद्यबादी, जिला हुगली में स्थित है (श्रीर इससे उजाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिंगुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अशीन, तारीख सितम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्या के किए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्री अपाराजिला वानाजीं और दूसरा

(अन्तरक)

(2) श्रीसपन कुमारवानार्जी

(अन्तरिती)

का यह भूजना वारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (थ) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारील से 45 थिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्दों का, वो सकर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

मौजा—वैद्यबाटी, जिला—हुगली 3 कट्ठा—5 छटांक—17 सकेयर फुट जमीन साथ मकान।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, 54, रफीश्रहमद किदवाई रोड कसकता-16।

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आइं. सी. एन्. एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की बारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० 1287/ एक्यु/आर-III/83-84---यतः, मुझे, एम आहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं 017-ए है तथा जो गुरसदय रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 6-9-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिय हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त आभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूबिभा के निष्; और/या
- (का) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) उज्जैन जनरल दृस्टि सोसाईटी लि॰

(अन्तरक)

(2) कलुमुनिया लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह त्या वारी करके पूर्वों का सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताकरी। पास निश्वित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधि निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गय

भ्र**नुसूची**

17–ए, गुरुसदय रोड, कलकत्ता । 492. 3 सकेयर मीटर जमीन साथ भकाने ।

> एम० आहमब सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-1,6

तारी**ख**: 12-5-1983

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प् (1) के ब्योन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० 1288/एक्यु०/आर-III/83-84-- यतः **मु**झे एम० आहम्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 17-ए है तथा गुरुसदय रोड़, कलकत्ता स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्लालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित नाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भन्ने, जिनें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उत्मस अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० उज्जैन जनरल दृस्टि सोसाईटी लि०

(अन्तरक)

(2) मैं० कर्नाङ्किस लिमिटेड

(अन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17-ए, गुरु सदय रोड़, कलकत्ता। 1277 स्कवेयर मी० जमीन साथ मकान । (1/3 गोयर)

> एम० आहमद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंजााा, कलकत्ता-16

नारीख 12-5-1983 मोहर : प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० 1289/एक्यू रेज-III/83-84---यतः

मुझे, एम० आहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17-ए हैं तथा जो गुरु सदय रोड, कलकत्ता स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मैं उज्येन जनरल ट्रस्ट सोसाईटी लि •
- (2) मैं० श्रारभेन दि लिमिटेंड।

(अन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्या कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

17-ए, गुरुसदय रोड, कलकत्ता । 416.9 सकेयर मिटार जमिन साथ मकान।

> एम० आहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-5-1983

मोहार ।

प्ररूप नाहरं. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनिय्म्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1983

निदण सं 1290/एक्यु आर-III/83-84--यतः, मुझे एम० आहम्द०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

जिसकी सं 17-ए है तथा जो गुरुसदय रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री-गर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्दृष्ट प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अभिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आयं का किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या जिया रामा चाहिए था, हिल्पाने में मृविधा के लिए;

(1) मैं उजैन जनरल दृस्टि सोसाईटी लि॰

(अन्तरक)

(2) मैं विल बारजिया लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा को हुई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

17-ए, गुरु सदयरोड, कलकत्ता।
467.3 सक्वेयर मीटर जमीन साथ मकान ।

एम० आहमद मक्षम प्राधिकारी, पहार म आय हर अध्युक्त (तिरीक्षण), श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-1983

प्रस्प आई टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश नं० 1291/एक्यु/आर-I/83-84--यतः मुझे, एम० आहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 17-ए है तथा जो गुरुसद रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कियान के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एस था या किया जाना चाहिए था खिपानी में जिया की लिए:

अशः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः मै, भैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै॰ उजैन जनरल ट्रस्टि सोसाईटी लि॰

(अन्तरक)

(2) मैं० कासुला लिमिटेड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित के फिए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17-ए, गुरु सदय रोड, कलकत्ता। दलील सं० 7853, तारीख 6-9-82

> एम० आहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप आहें. दी. एन. एस.-----

(1) उजैन जनरल ट्रेबिक सोसाइटी लि॰

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(2) मिटाराम लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० 1292/एक्यु० आर-III/83-04-यतः मृह्गे, एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 17-ए है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा को सिए; और/या
- (श) एनेती किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

जनतः सम्महितः के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूपका की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी असिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस का कितयों में से किसी क्यों कित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

17-ए, गुरु सदय रोड कलकत्ता। 1277 सकेवायर मीटर जमीन साथ मकान। (1/3 शेयर)

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, कलकत्ता-16

सारी**ख**ः 12–5−1983

मोहर:

23-106GI/83

प्ररूपः आहें दी एन एस : ----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 4, कलकत्ता कलकत्ता, 12 मई 1983

निर्देश सं० 1293/एवयू आर-III/83-84--यतः मुझे, एम० अहमद,

श्चायकर ग्रम्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्नें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रम्निनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269 ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से ग्रम्निक है

और जिसकी सं 17-ए है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाधन्न अनुसूची में और, पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के सियं अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रकारकों) भीर प्रस्तरिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरूप के क्षिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरूप निखित में वास्त्रिक रूप न क्यित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से तुई जिसी धाय की वाबत, उसत विश्वित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रश्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रमृतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्मिलिखिस व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) उज्जैन जनरल ट्रेडिंग सोसाइटी लि॰

(जन्तरक)

(2) पनडारोसा होलंडिंग्स लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूबना के राजपब में प्रकाशन की तारीख में .
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा पहेंगें।

स्वब्होकरण क्रिक्त विश्व विश्व विश्व कार्यो स्वीत् पर्यो काः, जो उकत स्विधि नियम के सम्माय 20-क में परिभाषित हैं; बही सर्थ होगा, जो उन सम्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

17ए, गुरु सदय रोड, कलकत्ता । 1277 सकेयायर मीटर जमीन साथ मकान । (1/3 शेयर)

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

सारीख: 12-5-1983

मोहर 🗯

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 13 मई 1983

निर्वेश सं० 1294/एक्यु/आर-3/83-84--यतः मुझे, एम० अहमद,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मुधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित झाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/2 है तथा जो डोमार रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी कर्मे या उससे ब्यूने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अर्थ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री सौम्य मिल

(भन्तरक)

(2) अवन्ति को-मापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (अन्तरिती)

जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ष्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीतरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

26/2, डोमार रोड, कलकत्ता 8.825 कणे जमीन साथ मकान। दलील सं० 11420, तारीख 18-9-82

> एम० अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख:13-5-1983

प्ररूप आई. टी. ऐन. ऐसं.-----

मायक कुजिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16 कलकत्ता विनांक 12 मई 1983

ए० सी. रेंज-1/कल/1983--यतः मुझे,एम० अहमद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्नित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो महेन्द्र राय लेन, कलंकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भीरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुचरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्वाम मोहन दास

(अन्तरक)

(2) सालेसियान प्रमिन्स आफ कलकत्ता (मादन इन्डिया)

(अन्तरिती)

को यह स्वाम जोरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विंग की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितंबद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरी।

अभूस्ची

8/1, महेन्द्र रायलेन कलकत्ता में अबस्थित 8कट्ठा 6 छटांक 15 वर्ग फिट जमीन जो डीड नं० 8201 अनुसार 16-9-83 तारीख में रिजिस्ट्रार आफ (लयुरेंस का दक्तर में रिजिस्ट्री हुआ)।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता—16

तारीख: 12-5-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-1/कल/1983--यतः मुझे, एम० अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो महेन्द्र राय लेन कलकत्ता में स्थित है (अं।र इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-82

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक कर से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्बने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी शाय या किसी घन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अर्पुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षिण व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न (1) विनोद बिहारी दास

(अन्तरक)

(2) सालेसियान प्रीमिन्स आफ कलकत्ता (नादर्न इन्डिया)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप्त्र, में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना की राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

8/1, महेन्द्र राय लेन, कलकत्ता में अबस्थित, 10 कट्ठा 6 छटांक, 39 वर्ग फिट, जमीन जो डीड नं०: 8200 अनुसार 16-9-82 तारीख में रजिस्ट्रार आफिस (लसुरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ)।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, कलकत्ता–16

तारीख: 12-5-1983

मोहर 👃

त्रुक्ष्यु अहर्द. टी. एन्. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मई 1983

निर्वेश सं॰ 1285/एक्यु आर-3/83-84--यतः मुझे एम॰ अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा वांसदोनी पी० एस० जादवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद झनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, तारीख 14-9-1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्प्रमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उत्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथा नहीं किया गया है है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री आधुतोश पाल

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र मालाकार

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तु सम्पत्ति के भूषन् के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यसा है।

अनुसूची

मौजा वांसद्रोनी पी॰ एस॰——जोववपुर 1बी-—8 कट्ठा——3 स्केवायर फिट जमीन

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकसा-16।

तारीख: 11-5-1983

मोहरू 👙

प्ररूप बार्ड े टी. एन्. एसं.-----

नायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 9 मई 1983

िंनर्देश सं० 6/3गर्- $^{II}/$ कल/83-84--यतः, मुझे सी० रोखामा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० 291, बांगुर ऐबेन्यू है तथा जो धाना, दमदम में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रॉजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी० एस० आर० अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारंण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिता नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पल्लव कुमार घोष

(अन्तरक)

(2) कुमारी बीना रानी धर

. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मूर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गमा है।

मनुसूची

श्रेताः 1 कठा० 15 छिटाक जमीन के ऊपर मकान तथा जो 291, ब्लाक "ए" बांगुर ऐवेन्यू, थाना दमदम, कलकत्ता-55।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

तारीख: 9-5-83

मोहर 🚁

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-111, कलकत्तां

कलकस्रा, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० 1286/एकु०/आर-III/83-84—यतः, मुझे एम० अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 2/1 है तथा जो तिलजाला लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायग्र अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या सससे वचने में सृष्यिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भीरतीय आय-कर अधिकारी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः——

(1) श्री मोहन लाल रामांज वाशा

(अन्तरक)

(2) श्री जहरलाल बानार्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

2/1, तिलजाला लेन, कलकत्ता । 8छटांक—3 कट्ठा जमीन साथ मकान ।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 11-5-1983

मोष्टर:

प्ररूप आईं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 9 मई 1983

निर्वेश सं० 7/आर-2/कल/83—854—यतः, मुझे, सी० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, महात्मा गांधी रोड है तथा जो थाना बेहाला, कल-63 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और, पूर्ण-रूप से वर्णित है; रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी० एस० सार० अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सेअधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री जन० स्बूपन कुमार इसाक और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री असिम कुमार दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्युट्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

15 कठा जमीन तथा जो 2, महात्मा गांधी रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता-63

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 2, कलकत्ता-16

तारीख: 9-5-83

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनोक 21 अप्रैल 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36258/82-83-यतः **मुझे** मंजु माधवन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाघर सम्पत्ति, जिसका उिषद्ध वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 506 है, तथा जो 2 स्टेज बिन्नमन्गला, हिन्द्रानगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-9-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रंयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का गई है और अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उदत अन्तरण लिखित में बास्तविक ल्या में कथित उही किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त जिय-नियम की अधीन कर पेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-इर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ऋहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उमधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती टी॰ शकुन्तला, नं॰ 6 वोद्वनम्हम्पा रोष, अलसूर वेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सृज्ञाकर रेड्डी नं• ३६, प्रित्वी अवेम्यू आलवरपेट, नडाल-18

(अन्सरिती) 🖁

को मह स्वना बारी करके पूर्वीक्त स्मित्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्थत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिपिसत में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

(दस्तावेज सं० 2050/82-83 ता० 20-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 506 जो 11 स्टेज विश्वमंगला, . इन्दिरानगर, बेंगलूर-38 में स्थित है।

> मंगु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहारक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारी**थ**: 21-4-83

मोहर 🖫

प्रकप आहें : टी. एन. एस. -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 अप्रैल 1983

निर्देश सं० मोटिस मं० 36289/82–83––यतः मुज्ञे मंजु माधवन गयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **१**समे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य और जिसकी सं० 32/5 है, तथा जो गा अभ्यास आली रोड, बगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेदेय से उक्त बन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बल्बल, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सबीहा मोहियुद्दीन 82/5, बेगा अभ्भास आसी रोड बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फातिमा हाशिम नं० 32/5 श्रमा अभ्भास आली रोड बेंगलूर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपन स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमी प्रयुक्त काओं आरे पद्मी का, जो उक्त अधिनियम की अध्यास 20-क मी परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2231/82-83 तारीख अक्तूबर 82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 32/5 जो भ्रगा अभ्यास आली. रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

ता**रीख**: 23-4-83

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयश्चर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अप्रेल 1983

निर्वेश सं० नोटिस नं० 36215/82-83--यतः मुझे मंजु माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चात्** 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा **269-ख के अधीन** सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर** संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य **25,000/-** रु. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं० 32, है, तथा जो डी० एस० कैन, चिक्तपेट बंगलूर में स्थित है और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कामांश्य गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफी यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एमें इव्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिषित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिपियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए।

कराः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्रीमती आर० परियानायकी
 1-18, डी० एस० लेन,
 चिक्कपेट, बंगलूर

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सरसो बाई
 - (2) श्रीमती कमला बाई
 - (3) श्रीमती दयावन्ती
 - (4) श्रीमती सुमती नं० 32, डी० एस० लेन, चित्रकपेट, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इल सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

(दस्तावेज सं० 1904/82-83 तारीख 15-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 32 जो डी० एस० लेन, चिक्कपेट, बंगलूर में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-4-83

मोहर:

प्रकृष आइं.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अप्रैल 1983.

निदश सं० नोटिस नं० 36228/82-83--यतः मझे मंज माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 2, 3 और 3/1, है तथा जो शंकरमठ मटरोड, शंकरपुरम, बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-9-1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नालिकत उद्देश्य से उपत अन्तरण कि निम्नालिकत उद्देश्य से उपत अन्तरण कि स्थान कि उपति हैं स्थान से किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त जीधीनयम के जगीन का दोन की अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे कचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एक नहीं किसा गरा भा या किया जाना चाहिए था, धियाने में सूरिया के लिए:

जतः जब, उक्त जाधिनियम, की धारा 269-म की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती बी० के० रुक्कम्मा नं० 3, शंकरमठ रोड, शंकरपुरम, बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० मुरली मोहन 491, बुरुगल मठ रोड, वी० वी० पुरम, बंगलूर-1

(अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संलंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 कि। के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निद्धित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूरत सच्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2186/82-83 तारीख 27-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 2, 3 और 3/1 जो शंकरमठ रोड, शंकरपुरम बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन येंज, बंगलूर.।

तारीख: 28-4-83

स्रोग 🕟

प्रकृष आहुँ. टी. एस. एस्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्राण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 23 अप्रेंस 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 35922/82-83--**- यतः मने**

मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु के ले प्रधिक है।

और जिसकी सं० 5/01 है, तथा जो प्रणांत होटल, हेण सिह्म्या रोड IV कारा विजस गार्डन, बंगलूर-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन वारीख 1-9-1982

को पूर्विवत संपत्ति की उजित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) लन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत उक्त विध-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिस्तें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- (1) भी एस० श्रीनिषासा अरिगा
- (2) श्री एस० पदमानामा अडिगा
- (3) श्री एस० नरसिम्हा अहिगा
- (4) श्री एस० श्रींबरा अंडिगा नं० 5/01
 4 कास, विलसन गाउँन्स,
 बंगलूर-21।

(अग्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण अहिगा नं० 5/01 प्रशांत होटेल हेच० सिह्प्पारोड, 4 कास विलसन गार्डेन्स, बंगलुर-27

(अनतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ॥

उक्त सम्पृत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें त्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गका हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1863/82-83 तारीख 1-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 5/01, जो प्रशान्त होटेल, हेच० सिह्दप्या रोड, 4 क्रास विलसन गार्डेन्स, बंगलूर-27 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 23-4-83

मोहर:

प्ररूप नाई ्टी. एन. एव. -----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-य (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीतक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल् र, दिनांक 26 अप्रैल 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36205/82-83--- यतः मृज्ञे मंजु माघवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 31/4, 3/5, 31/1 और 31/2 है, तथा जो भेन रोड, विराजपेट, कोडगु में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विराजपेट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के जिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रत् प्रतिस्त से धिषक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरि (धन्तरितियों) के बीक हैने अन्तरण के निए तय गावा गया प्रतिपत्त, निक्निविवित ते से धरा मना है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादिए में कभी करने या उससे व्यन में बृद्धिश के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिति में सृतिधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अमुलार्थ में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित् र—

- (1) श्री सी० एम० अब्धुल अजीज सम/आफ सी० एच० महमद हवीब
 - (2) सी० एम० महमद हसन सन/अग्रफ सी० एच• महमूद हबीब कनटोनमेंट बेंगलूर

(अन्तरिक)

- (2) श्रीमधाए० अयू महमूव सव/आफ मधाए० अयूबेकर
- (2) मन्नाए० शहुल हमीद
- (3) मझाए० मुनावर मझाए० मजहर सन्स/आफ मझाए० अबू महम्द मझा स्टोरस, विराजपेट, सौत कोडगु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति हे अर्जन के **लिए कार्यवाहियां करता हूं**।

उनत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आहे। अन-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की अपिन्न से 45 विन की भवित्र या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 विन की अवित्र, को की अविधि योध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विता व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जकत स्थावर उपानि हैं डिज़ब है किसी जस्म पाकित द्वारा, गोरहस्य दाए के नाम जिल्हित में किए जा सकेंगे।

•पष्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्राह्म-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में गरेकाथित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

(स्तावेज सं॰ 380/82-83 तारीख 30-9-82)

संब सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे नं० 31/4 में 1 सेट 2) सर्वे नं० 31/5 म 6 सेंट (3) सर्वे नं० 31/1 में 2 सेंट और सर्वे नं० 31/2 में 11 सेंट जो मैन रोड विराजपेट कोडगु में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सन्नामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीच : 28-4-83

महेदः

प्ररूप आइ°. टी. एन्. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुंत्रतः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36261/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन, ग्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

प्रायकर आञ्चानयम, 1961 (1961 का 43) (विव रेपन रेपन प्रायकर आञ्चानयम, 1961 (1961 का 43) (विव रेपन रेपन प्रायक्त प्रायक्त प्राचिकारी की, यह विष्यान करने का कारण है कि स्थानर संगत्ति, विश्वका उचित अज्ञार पूर्वव 25,000/- ६० से अधिक है

- (क) अस्तरम हो दृई किली स्पार को बाबत उक्त अिक-वियम के स्रक्षीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करत या उसमें बजरे हैं ज्विक के निष्कृ गौर/या
- (ख) ऐसी किसी साय वा किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर ग्रीसिनयम, या धनकर ग्रीसिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अलजा मोहम्मद जहूरलाख हक श्री महम्द कैसूल हक श्री महम्द शिजाऊल हक श्री जी० नजरुल हक के० जेड अनवरुलहक श्रीमती डी० के० फातिमा और के० जेड मजहारल हक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० बी० सारु वाईफ आफ लेट सी० एम० आली III कास, एन० एम० सी० भद्रावती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्नोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं!

उत्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजग्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अविध, बो भी अर्वाध वादमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2091/82-83 तारीख 12-9-3) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 2 जो बेनसन रोड कास, सिविल स्टेशन बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 28-4-83

मोहरः

प्ररूप आहें. टी, एन , एस .-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगमूर

बंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36225/82-83-यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य' 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्राना सं० 24 है तथा जो XI कास, हेच सिद्य्या रोड, बेंगलूर में स्थित हैं (और इस ने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-9-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए: और या
- (ख) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित 🖫--

मोहर 🕾

(1) श्री महमद अहमद कान नं ० 184 नया नं ० 188, 8 मैन रोड अकिशियल कालोनी, बैरासन्द्रा, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० अरीफुल्लाखान पी० ए० होल्डर श्रीमती जैब्न्नीसा वाईफ आफ लेट राहत खान नं ० 76, चिक्कबजार रोड कास शिवाजीनगर, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संयंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वही अर्थ होगाजो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2179/82-83तारीख 27-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1 (पुराना सं० 24) जो 11 कास, एच सिद्या रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर।

तारीख: 26-4-83

मोहर:

25-106 GI/83

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 अप्रैल 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36262/82-83-- यतः मुझे मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1, 5 कास है, तथा जो दृष्टिन्स रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बारतिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री जी० एम० इलियास
 7/1, हुचिन्सन रोड, 5 कास सेंट तामस टौन,
 बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी०ई० चिड्डेट्टी

• नं० 2, कंदास्वामी मुदलियार रोड

रिचरड्स टाउन, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्ष्य:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रिंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 2012/82-83 तारीख 1-10-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 7/1 जो ,5 क्रास, हचिन्स रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 27-4-83

मोहर :

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3391/82-83—अतः मुझे एस०एच० अब्बास अबिदी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० क्रमांक 1911 और 1911/ 1 से 16 और 1912और 1912/1 से 10 है तथा जो विलेपार्ले (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 14-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य उसके द्रयमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भूभ या अन्यं जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती मरिआमबाई मोहम्मद द्वसैन हाकिम
 - (2) वहिदाली मोहम्मद हुसैन हकीम

(अन्तरक)

- (2) रिजवी एस्टेट और होटल्स प्राइवट लिमिटेड, (अन्तरिती)
- (3) भाडोती

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई नहीं (बट ग्रावित जिस

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति को अर्जन के कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के थम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सद्यका को गा ए मार्ग हिन की अवधि , जो भी वविषय बाद मा समाणा होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी राजिश द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपाय में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त म्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनस्थी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 41/82 और जो उपरजिस्ट्रार अम्बई द्वारा दिनांक 14-9-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास् अबीदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

तारीख : 11-5-83

मोहर 🖈

प्रस्य नाइ. टी., एन., एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश मंत्र स्थापन अस्ति अस्ति

निर्देश सं० ए० आर० 2/3388/82-83-अतः मुझे, एस०एच० अब्बास अबीदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० एस० नं० 283, हिस्सा नं० 6ए (भाग), सी० टी० एस० नं० 1307 है तथा जो बांद्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 14-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) एडविन डिसिस्हा और मंगडालिन डिसिस्हा (अन्तरक)
- (2) श्री अस्तर हसन रिक्सवी

(अन्तरिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

जकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-यः में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

वनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1235/82 और जो उपरजिस्-ट्रार द्वारा दिनांक 14-9-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अन्वास भ्रबीदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई।

ता**रीख** : 7**-5-8**3

मोहर:

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मट्ट, 1983

निर्देश सं० ए० आर०-2/3385/82-83--अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबीदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं गी एसं नं 532 भाग गोरे गाँव में है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अतः अब उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--26—106 GI/83

- (1) श्री चन्दुलाल पोपटलाल पांचाल और अन्य (जन्तरक)
- (2) मैंसर्स लक्ष्मी सिल्क भिल्स

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्भि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस-691/81 और उप रजिस्ट्रार वम्बई बारा दिनांक 7-9-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबीदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-5-83

मोहरः

प्रकल वार्च.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मई, 1983

निर्देण सं० ए० आर०−2/3390/82−83~अतः मुझे, एस०एच० श्रव्वास अविदी,

आयकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर क्ष्मित जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 100 और 100/1 से 100/4 है तथा जो बोरियली (पिष्चम) में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में वर्णित है), रिजस्द्वीर्ध अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री नटवरलाल मगनलाल कपाडिया

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सिमंतिनी हरेण्वर मंत्री

(अन्तरिती)

(3) भाडोती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारो करके पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्मविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मं० 38/81 और उपरजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 8-9-82 कोप्रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बाम अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग.के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवि**खित व्यक्तियों, अधीत्:**——

दिनांक: 13-5-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मई, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3381/82-83--अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी

श्रायकर श्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है) की घारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 578, 578 (1 से 9) है तथा जो भालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-9-1982

का पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री प्राणिजवनदास देवीदास दलाल और अन्य (अन्तरक)

(2) श्री एवरग्रीन बिल्डर्स

(अन्तरिती)

(3) भाडोती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

श्रनुसूचि जैसा कि सं० एस० 39 4/82)और उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दि० 3-9-82को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन:——

सारीख: 13-5-83

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, -1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं० ए० आर०-2/3444/82-83--अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सी०टी० एस० नं० सी/1308, एस० नं० 283 हिस्सा न० 8 है तथा जो बांद्रा में स्थित है (और ई इससे उपाबढ़ अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22−9−1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्विक्तयों, अर्थात् ः—

- (1) श्री एडविन डिसिल्वा और मगडालिन डिसिल्वहा (अन्तरक)
- (2) श्री जावेद हसन

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरक का एक भाडोती (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कार्दिभी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सीबंधी व्यक्तित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है व्ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० 1673/81 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई क्वारा दिनांक 22-9-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० अब्बास अबिवी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 7-5-1983

मोहर:

प्रक्म आहू . टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की का 269-**ष (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कायितिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पटना पटना, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० III-724/अर्जन/83-84-यतः मुझे, प्रबोध

कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बालार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव होव संव 116/108, सर्शित संख्या 249, वार्ड संख्या 34 है तथा जो बोरिंग रोड़, धाना कृष्णपुरी, जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के श्वायाय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हुँ और मुझे यह विश्वास करने का कारण हुँ कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हुँ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास ग्वा प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उबस विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ब्रिश्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिहिती ब्रवादा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के खिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ∴—-

- (1) श्रीमती बानी डे (2) श्री देवाणीष डे (3) श्रीमती जयश्री राय उर्फ जयश्री राय डे, सभी निवासी 22/5/2, रूस्तमजी स्ट्रीट, कलकत्ता-700019 (अन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, निवासी बोरिंग रोड़, थाना बुढ़ा कालोनी, पटना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अधंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवाधि, जेशी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुबारा;
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 विन को भीतर उकत स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धाँ भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकबा 14,207 वर्ग फीट है तथा जो बोरिंग रोड़, थाना कृष्णपुरी, जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या I-8223 दिनांक 17-9-82 में विणित है एवं रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंस कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 13-5-1983

मोहर :

THE SUPREME COURT OF INDIA New Delhi, the 17th May, 1983

No. F. 6/83-SOA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following Officers of the Registry of the Supreme Court of India to the posts shown against each with effect from the forenoon of May 17, 1983 to June 17, 1983:—

| S. Name No. | Post to which appointed |
|---|--|
| 1. Shri R. Subba Rao, Registrar (Judl.) | Appointed to officiate in the upgraded post of Registrar |
| Shri A.N. Oberal, Offg. Joint Registrar Shri Mahesh Prasad, Deputy Registrar | Appointed to officiate as Registrar Appointed to officiate as Joint Registrar |
| 4. Miss S.V. Kashyap, | Appointed to officiate as |
| Assistant Registrar | Deputy Registrar |
| 5. Miss V.P. Singhal, | Appointed to officiate as |
| Court Master | Assistant Registrar |
| 6 Shri N.K. Chawla, | Appointed to officiate as |
| Editor of Paper Books | Court Master |

H. S. MUNJRAL Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-11, the 17th May 1983

No. A. 32014/1/83-Admn.I.—The Prosident is pleased to appoint the following Schlor Personnel Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadro on a purely temporary and ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:—

| Sl. Name No. | Period |
|------------------------|--------------------|
| 1. Shri Joginder Singh | 18-5-83 to 17-8-83 |
| 2. Shri R.L. Thakur | 4-5-83 to 3-8-83 |
| 3. Shrì B.B. Chibber | 5-5-83 to 8-8-83 |

The 19th May, 1983

No. A. 32014/2/83-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely temporary and ad-hoc capacity for the periods shown against their names or until further orders whichever is earlier

| Sl. Name No. | Periods | Remarks |
|----------------------|-----------------------|---|
| 1. Shri T.R. Sharma | 9-5-83 to 8-8-83 | Against one of the long term vacancies. |
| 2. Shri Sham Parkash | 4-5-83 to 3-8-83 | Vice Sh. R.L. Thakur promoted as P.S. |
| 3 Shri H.O. Madan | 9-5-83 to 8-8-83 | Vice Shri B.B Chibber promoted as P.S. |
| 4 Shri V.P. Mahajan | 18-5-83 to 17-8-83 | Vice Shri Joginder Singh promoted as P.S. |

- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B. of CSSS or for seniority in that grade.
- 3. The appointments of S/Shri T.R. Sharma, Sham Parkash and H.O. Madan are subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 2nd May 1983

No. 15014/80-Estt.—Shri K. V. S. Bhima Rao, a Section Officer of the Ministry of Health Cadre resumed duty as Administrative Officer in the Academy on 14-7-1982 (F.N.).

Shri K. V. S. Bhima Rao will be on deputation to this Academy as Administrative Officer for a period of 3 years in the first instance from 14-7-82 and will draw his grade pay as Section Officer plus 20% deputation (duty) allowance in terms of the Ministry of Finance Office Memorandum No. F. 1(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-75, as amended from time to time.

G. C. SINGHVI, Director.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND 'ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th May 1983

No. Λ-19014/1/83-AD.V.—The President is pleased to appoint Shvi P. N. Arya an Officer of C.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs to officiate as Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10th May, 1983, until further orders.

The 23rd May 1983

No. A-20023/6/80-AD.V.—The services of Shri M. V. Krishnamachari, Public Prosecutor, Central Bureau of investigation, EQW: Madras are placed on repatriation at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from the afternoon of 30th April, 1983.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION (DEPARTMENT OF LABOUR) LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 4th June 1983

No. 23/3/83-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by six points to reach 508 (Five hundred and eight), during the month of April, 1983. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of April, 1983 works out to 617 (Six hundred and seventeen).

A. S. BHARADWAJ, Director.

MINISTRY OF FINANCE (PEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 7th May 1983

No. PD-3/1532.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is appointed on ad hoc basis to officiate as Asstr.

Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 9-5-1983 to 7-6-1983 in the leave vacancy of Shri M. Padmanabhan, Assistant Works Manager.

S. R. PATHAK, General Manager.

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 17th Mny 1983

No. 8 FC 2(4)-A/82.—Shri S. P. Bakshi, re-employed as Joint Director in the Eighth Finance Commission, expired on 30th April, 1983.

S. L. MATHUR, Under Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 21 May 1983

No. Admn. I/OO No. 70.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 13-5-1983 until further orders:—

| Sı. | Name | | | |
|-----|------|--|------|------|
| No. | | | | |

- 1. Shri Chander Shekhar Gupta
- 2. Shri Sadhu Ram Gupta

The 23rd May 1983

No. Adm.I/O.O.No. 85.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri K. N. Bagai, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 16-5-1983 until further orders.

No. Admn.I/O.O. No. 86.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri M. M. Gupta-II, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 18-5-1983 until further orders.

SMT. PRAVIN TRIPATHI, Joint Director of Audit (Admn.I)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I BIHAR Ranchi, the 18th May 1983

No. Admn. II-Promo-215.—The Accountant General I Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Stantimoy Mandal a Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 30-4-1983 (FN).

No. Admn. II-Promo-222.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Sunirmal Chatterjee, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 18-4-83 (FN).

No. Admn. II-Promo-229.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Dependra Gupta, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as Accounts Officer with effect from 18-4-83 (FN).

No. Admn. II-Promo-237.—The Accountant General I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri K. C. Ravi a Section Officer of his office to officiate until further, orders as an Accounts Officer with effect from 18-4-83 (FN).

R. BASHYAM, Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I RAJASTHAN

Jaipur, the 17th May 1983

No. Admn. II/G-Gazette-Notification/101.—The tunt General-I. Rajasthan is pleased to promote the following

Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders:—

S/Shr

- 1. Ramji Lal Sharma 24-3-83 (ΛN).
- 2. Surendra Nath Dhir 24-3-83 (AN).
- 3. Rajeshwar Sahai Bhargava 26-4-83 (FN).
- 4. Ram Dayal Gupta, 2-5-83 (FN).

M. S. SHEKHAWAT, Sr. Dy. Accountant General (Admr.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 2nd April 1983

No. OE. I/GOs-Promotion -I—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity until further orders in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each:—

| SI. No. | Name | | · | Permanent Number | Date of taking over |
|------------|----------------------------------|--------|-------|------------------------|------------------------|
| S/S | hri | | | | |
| 1. S. I | K. Mathur . | | | 02/306 | 31-3-83 F.N. |
| 2. H. | N. Bhargava | | | 02/316 | 31-3-83 FN |
| 3. S. I | P. Khurana . | | | 02/292 | 31-3-83 F.N. |
| 4. K. | S. Ambh . | | | 02/1518 | 31-3-83 F.N. |
| |). Shakyawar ority: AG. I ore | ders d | lated | 02/2129 30-3-1983). | 31-3-83 F.N. |

The 11th April 1983

No. OE. I/G. Os. Promotion/11—The Accountant General. I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity until further orders in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with offect from the date of his joining as noted against him:

| Sl, | Name | Permanent | Date of join- |
|-----|--------------------|-----------|----------------|
| No. | | No. | ing |
| 1. | Shri D. S. Chauhan | . 02/298 | 11-4-1983 F.N. |

The 3rd May 1983

No. Admn.I/Depn-1642/KSS/138.—Shri K. S. Shrivestava an officiating Accounts Officer of this office is deemed to have retired from Central Government service w.e.f. 2-7-82 (FN), on his permanent absorption in Bharat Heavy Electricals Limited.

(Authority: Orders of AG.I M.P. Gwalior Ltd., 27-4-1983)

B. K. ROY, Sr. Dy, Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, WFST BENGAL

Calcutta-700001, the 20th May 1983

No. Adm. 1/947-III/549:—Consequent on the availability of permanent vacancies in the Accounts Officers cadre from earlier dates the dates of confirmation of the following Accounts

| Sl. No. | Name of the officer | Original date of confirmation | Rovised date of confirmation |
|----------------|---------------------------|-------------------------------------|------------------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| S/5 | Shri . | | |
| 1. G | uruprasad Roy | 1-9-1979 | 1-4-1979 |
| | arimal Ghosh | 1-10-1979 | 1-4-197 |
| | marendranath Chakraborty | . 1-10-1979 | 1-4-1979 |
| | lirmalendu Chatterjee , | 1-11-1979 | 1-4-197 |
| | rajo Gopal Ghosal | 1-12-1979 | 1-4-1979 |
| | irendra Kumat Ghosh. | 1-12-1979 | 1-4-1979 |
| | aynarayan Mukherjee | 1-12-1979 | 1-4-1979 |
| | lobinda Pada Joardar . | 1-12-1979 | 1-4-1979 |
| | aripada Bhattacharja | 1-2-1980 | 1-4-1979 |
| | hittaranjan Biswas | 1-2-1980 | 1-4-197 |
| | obiprasad Banerjee-II | . 1-3-1980 | 1-4-197 |
| | anardan Ghosh | . 1-3-1980 | 1-4-1979 |
| | iopal Ch. Das-I (CS) | . 1-3-1980 | 1-4-1979 |
| | mulya Ch. Chowdhury | 1-3-1980 | 1-4-1979 |
| | ajneswar Chowdhury | 1-3-1980 | 1-9-1979 |
| | arit Kumar Mukhopadhyay | 1-3-1980 | 1-10-197 |
| | Ianoranjan Kar | 1 2 1000 | 1-10-197 |
| | unyabrata Lahiri | 1-3-1980 | 1-11-197 |
| | Shitiswar Biswas | 1-3-1980 | 1-12-197 |
| | yotirmoy Home Chowdhury | 1-3-1980 | 1-12-197 |
| | imal Ch. Samaddar | 1-3-1980 | 1-12-197 |
| | udhir Ch. Bhowal | 1-3-1980 | 1-12-1979 |
| | aramananda Palit . | . 1-3-1980 | 1-2-198 |
| | Sopal Ch. Sharma Chowdhur | | 1-2-198 |
| | amirendranath Bose . | , 1-4-1980 | 1-3-198 |
| | lajendranath Das (SC). | 1-7-1980 | 1-3-198 |
| | joy Kumar Lala | . 1-7-1980 | 1-3-198 |
| | ailendra Bandyopadhyay | . 1-18-1980 | 1-3-198 |
| | amalanga Bhattacharya | . 1-8-1980 | 1-3-198 |
| | ushil Kumar Chakraborty | 1-9-1980 | 1-3-198 |
| | unil Kumar Mallick | 1-11-1980 | 1-3-198 |
| | ushil Kumar Sardar (SC) | 1-11-1980 | 1-3-198 |
| | ijit Kumar Mukherjee . | 1-12-1980 | 1-3-198 |
| | ebiprasad Banerjee-I | . 1-12-1980 | 1-3-1980 |
| | Iadhusudan Sensarma . | . 1-2-1981 | 1-3-198 |
| | unil Ratan Gangopadhyay | . 1-3-1981 | 1-3-1986 |
| | ebiprasad Mitra-l | . 1-3-1981 | 1-3-198 |
| | marendra Ghosal | 1-3-1981 | 1-3-198 |
| | Irigendranath Nag | 1-3-1981 | 1-4-198 |
| ۵۸. ∆ ۵۸. ∆ | rgha Kusum Mazumdar | 1-3-1981 | 1-7-198 |
| 41. G | ourishankar Chowdhury | 1-6-1981 | 1-7-198 |

The Accountant General-I, West Bengal, has been pleased to appoint the following officiating Accounts/Audit Officers of this office/Office of the Accountant General-II, West Bengal/Office of the Director of Audit, Central, Calcutta, in substantive capacity in the Accounts/Audit officers Grade with effect from the dates noted against each:—

| Sl. No. | Name | Date of confirmation | |
|------------|---------------------|--------------------------|-----------|
| S/Shri | | | |
| 1. Maha | dev Prasad Dutta | | 1-8-1980 |
| 2. Asok | Kumar Ghosh . | | 1-8-1980 |
| 3. Satya | brata Guha Tahkurta | | 1-9-1980 |
| 4. Aiit I | Ranjan Chakraborty | | 1-11-1980 |

| SI. Name No. | Date of confirmation |
|---|----------------------|
| S/Shri | |
| 5. Sourendranath Ghosh | . 1-11-1980 |
| 6. Shyamnarayan Pramanick (SC) | . 1-12-1980 |
| | |
| | , 1-2-1981 |
| 8. Dilip Kumar Barman | . 1-2-1981 |
| 9. Nirode Kumar Chowdhury (SC). | . 1-3-1981 |
| 10. VACANT | . 1-3-1981 |
| 11. Tapan Kumar Sarkar-I | , 1-3-1981 |
| 12. Prahlad Chandra Sen | . 1-3-1981 |
| 13. Sanat Kumar Mitra | . 1-3-1981 |
| 14. Nemai Charan Mazumdar 15. Dinendra Nath Ghosh-II | 1-6-1981 1-8-1981 |
| 16. Sushil Kumar Mazumdar | |
| 17. Amarendranath Dasgupta | , 1-12-1981 |
| 18. Pulin Chandra Das | . 1-1-1982 |
| 19. Santosh Kumar Chowdhury-II | . 1-1-1982 |
| • | . 1-1-1982 |
| 20. Subodh Kumar Chakraborty | . 1-1-1982 |
| 21. Himangshu Kumar Roy Chowdhury | . 1-1-1982 |
| 22. Nikhil Ranjan Sengupta | . 1-2-1982 |
| 23. Rabindranath Dutta | . 1-3-1982 |
| 24. Debendranath Bera | 1-3-1982 |
| 25. Gopal Chandra Das-II | . 1-4-1982 |
| 26. Debabrata Biswas | . 1-4-1982 |
| 27. Subhas Ch. Chakraborty | . 1-4-1982 |
| 28. Amalondu Bhattacharya | 1-4-1982 |
| 29. Sukumar Mazumdar | . 1-4-1982 |
| 30. Bipul Ch. Roy | . 1-4-1982 |
| 31. Pulakesh Ghosh Dastidar | . 1-4-1982 |
| 32. Ajoy Kumar Bhatta | . 1 - 4-1982 |
| 33. Keshab Chandra Roy-II (SC) | . 1-4-1982 |
| 34. Bhutnath Das (SC) | . 1-4-1982 |
| 35. Chittaranjan Purkait (SC) | . 1-4-1982 |
| 36. Amalendumoy Mitra | 1-4-1982 |
| 37. Rathindra Lal Dutta | 1-4-1982 |
| 38. Gurupada Deb | 1-4-1982 |
| 39. Narayan Prasad Banerjee | 1-4-1982 |
| 40. Gopal Chandra Banerjee-III | 1-4-1982 |
| 41. Aswini Kumar Roy | . 1-4-1982 |
| 42. Akil Chandra Moitra | 1-4-1982 |
| 43. Sisir Kumar Bhowmick | 1-4-1982 |
| 44. S. Chandra Sekharan | . 1-4-1982 |
| 45. Sunil Kumar Nath | . 1-4-1982 |
| 46. Satyanarayan Ghosh | . 1-4-1982 |
| 47. Nani Gopal Chakraborty | . 1-4-1982 |
| 48. Swadesh Ranjan Bhattacharjee . | 1-4-1982 |
| 49. Bimal Kumar Mukherjee-II | . 1-4-1982 |
| 50, Sumbhunath Dutta | . 1-4-1982 |
| 51. Jatis Ranjan Das | 1-4-1982 |
| 52. Kanai Lai Mukherjee | . 1-4-1982 |
| | . 1-4-1982 |
| 53. Sukumar Kundu | • |
| 54. Santipada Mukherjec | . 1-4-1982 |
| 55. Ashish Kumar Ghosh-I | , 1-5-1982 |
| 56. Pinaki Ranjan Mukherjee | . 1-8-1982 |

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110066, the 19th May 1983

No. AN/II/2603/83-I.— The Controller General of Defenc Accounts hereby appoints the undermentioned permanent

section officers (Accounts) as Accounts officers in substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each:—

| Sl. No. | Name | | Organisation where serving | Date of effect |
|------------|----------|--|-------------------------------|----------------|
| S/Sh: | | | Controller of | 1-4-81 |
| | | | (Factories), Calcutta. | |
| 2. R. N | atarajan | | Do. | 1-4-81 |

D. K. CHET SINGH, Dy. C. G. D. A. (Admn).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 7th May 1983

No. 21/G/83: The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Works Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them until further orders:—

| S. Name No. | Date of Joining |
|-------------------------------|-----------------|
| 1. Shri P. W. Ralogankar | 05-07-1982 |
| 2. Shri Saurabh Kumar | 15-07-1982 |
| 3. Shri Anoop Kumar Gupta | 30-10-1982 |
| 4. Shri C. G. Humne | 20-01-1983 |
| 5. Shri D. V. Sonpipare | 28-02-1983 |
| 6. Shri Madhusudan Chatterjee | 28-02-1983 |
| 7. Shri B. B. Sharma | 26-02-1983 |
| 8. Shri Kailash Chandra | 23-02-1983 |
| 9. Shri V. S. Sonthil | 01-09-1982 |

No. 22/G/83—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Tem porary Assistant Works Manager with effect from the dates shown against them until further orders:—

| Sl. No. | Name | Date of Joining | |
|----------------|--------------------|-----------------|--|
| 1. Shri V. K. | Punni | 11-09-1982 | |
| 2. Shri P. A. | Josoph | 30-09-1982 | |
| 3. Shri V. H. | Venkitasubramanian | 18-10-1982 | |
| 4. Shri Sudh | ımay Das | 17-11-1982 | |
| 5. Dr. S. J. E | hase | 22-11-1982 | |
| 6. Shri J. G. | Surwade | 01-12-1982 | |
| 7. Shri S.S.N | arayanamurthy | 28-12-1982 | |
| 8. Shri S. K. | Biswas | 22-01-1983 | |
| 9. Shri S. K. | Sharma | 31-01-1983 | |
| 10. Shri P. P. | Sharma | 09-02-1983 | |
| 11. Shri V. Ve | nkataraman i | 28-02-1983 | |
| 12. Shri R. C. | Gandhi | 10-03-1983 | |

V. K. MEHTA, Director/est

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 30th April 1983 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 5/3/81-ADMN(G)/2423.—The President is pleased to appoint Shri P. Govindaraju, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade II of the Central Trade Service, at the maintenance stage, with effect from 28-1-1983.

The 6th May 1983

No. 6/1413/83-ADMN(G)/2424.—On attaining the ago of superannuation, Shri L. N. Malhotra Controller of Imports and Exports, Chandigarh has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1983.

V. K. MEHTA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports. For Chief Controller of Imports and Exports-

New Defhi, the 16th May 1983

No. 6/355/56-ADMN(G)/2806.—On attaining the age of superannuation, Shri A. N. Chatterji an officiating officer of selection Grade of CSS and Joint Chief Controller of Import and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th April 1983.

NIROTI LAL,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports. For Chief Controller of Imports and Exports.

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Gandhidham-Kutch, the 11th May 1983

No. FTZ/Admn/7/2/78/7820.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone Gandhidham-Kutch hereby appoints Shri Durgadas Bandyopadhyay (Fxaminer G.C). under the Collector of Customs, Calcutta as Appraiser, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/60-E.III dated the 4th May. 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40 1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 18-1-1983 until further orders.

ASHOK BHATIA, Development Commissioner Kandla Free Trade Zone.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 11th May 1983

No. A-19018(685)/83-Admn(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri P. Vellan, permanent Superintendent, Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr. II) (GAD) at Small Industries Service Institute, Karnal on ad hoc basis with effect from the forenoon of 23-2-1983 until further orders.

No. A. 19018(688)/83-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri R. C. Attri, Small Industry Promotion Officer in Smell

Industry Development Organisation as Asstt. Director (Gr. II) (Hoslery) in the same Organisation w.e.f. the formoon of 2-4-1983 on ad hoc basis on reversion from deputation with the Haryana State Small Industries and Export Corporation Ltd., Chandigarh w.e.f. 1-4-83 (AN).

The 13th May 1983

No. A-19018(334)/77-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Wadhwani, Assistant Director (Gr.I)(Glass/Ceramics), Extension Centre, Ferozabad under Small Industries Service Institute, Kanpur as Deputy Director (Glass/Ceramics) at PPD Centre, Ranchi with effect from the forenoon of 11-3-1983 until further orders.

The 18th May 1983

No. 12(550)/67-Admn(G) Vol.III.—Consequent on his appointment as Deputy Economic Adviser in the Intelligence Bareau, New Delhi, Dr. T. N. Jaitle relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (EP) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 29-4-1983.

C. C. ROY. Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th May 1983

No. A-1/1(1207).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. Ramanatha Iyer, Superintendent in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay on purely local ad hoc basis w.e.f. 26-4-1983 (FN), vice Shri Gendo Ram, ad hoc Asstt. Director (Admn.) (Gr.II) in the same office who stands reverted to the post of Superintendent Level II w.e.f. 21-4-83 (AN), in the office of D.I. (Met.), Jamshedpur.

S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 17th March 1983

No. 4374B/A-19012(4-RCS)/82-19B.—Sri Rajesh Chander Sabherwal, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-

35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th December, 1982 until further orders.

S. K. MUKHERJEE, Director General.

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 19th May 1983

No. A-19012(172)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Kumari N. S. Moharikar, officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing), Indian Burcau of Mines has been promoted to officiate to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing), in the Indian Burcau of Mines with effect from the Iorenoon of 29th April, 1983.

B. C. MISHRA, Head of Office Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 17th May 1983

No. 5(69) /70-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. D. Samal as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from 27th April. 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration.
for Director General.

New Delhi, the 18th May 1983

No. 1/11/83-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri D. Selvaraj, Accountant to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Silchar with effect from 14-4-83 (FN).

Sd/- Illegbile
Dy. Director Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 18th May 1983

No. 301/14/83-FF:—In pursuance of Rules 19 and 20 of the 30th National Film Festival of India 1983 Regulations and Rule 15 of the National Award for the Best Book on Cinema 1983 Regulations published vide Ministry of Information and Broadcasting Notification No. 301/14/83-FF dated 26-3-83 published in Part II Section 3 Sub-Section(i) of the Gazette extra-ordinary GSR. 281(E) dated 26-3-83, the Central Government on the basis of the recommendation submitted by the three National Juries have decided to give awards to the following films/producers/directors/artists/technicians/authors, namely:—

| S. No. | Title of the film and language | Name and address of the Award Winner | Award |
|-----------|---|---|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | I. FEATURE FILMS | |
| 1. A) | ward for the Best Feature Film; HOCK (Bengali) | I. FEATURE FILMS . PRODUCER: | |

DIRECTOR:

Shri Utpalendu Chaktaborty, 32; Rani Harshmukhi Road, Calcutta-700002.

Swaran Kamal (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 25,000/- (Rupees twenty five thousand only).

| | 2 | 3 | 4 | |
|-----|---|---|---|--|
| | Award for the Second Best Feature Film: | for the Second Best Feature Film: | | |
| - | KHARIJ (Bengali) | PRODUCER: Neelkanth Films, 158 Lenin Sarani, Calcutta-700013. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees thirty thousand only). | |
| | | DIRECTOR: Shrl Mrinal Sen, 14, Belatola Road, Calcutta-700026. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). | |
| 3. | Nargis Dutt Award for Best Feature Film | on National Integration : | | |
| - | AROODAM (Malyalam) | PRODUCER: Mrs. Rosamma George, Rose Villa, Arangath Cross Road, Cochin-682018. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees thirty thousand only). | |
| | • | DIRECTOR: | | |
| | | Mr. J. V. Sasi, 25, Madhavan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-400034. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). | |
| 4. | Award for the Best Feature Film on Family | Welfare ; | | |
| | SPANDAN (Hindi) | PRODUCER: | | |
| | | Shri Satyanarayan Misra, Shri Abdul Masjid & Mrs. Durga Nanda, C/o Em Em Productions, Haripur Road, Cuttack-753001. DIRECTOR: | Rajat Kamal (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees thirty Thousand only). | |
| | | Shri Biplab Ray Chaudhuri, | Rajat Kamal (Silvler Lotus) and a cash | |
| | | C/o Miss Sikha Ray Chaudhuri, 3-B, Rajee Bhattarjee Lane, Calcutta-700026. | prize of Rs. 15,000/- (Rupres fifteen thousand only). | |
| 5. | Award for the Best First Film of a Director | or; | | |
| | KANN SIVANDHAL MANN SIVAKKUM (Tamil) | DIRECTOR: Shri Sreedhar Rajan, 277, III floor, Fountain Plaza, Egmore, Madras-600008. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only). | |
| 6. | Award for the Best Direction: | | | |
| | CHOKH (Bengali) | DIRECTOR: Shrl Utpalendu Chakraborty, 32, Rani Harshmukhi Road, Calcutta-700002. | Rajat Kamal (Silver Lotus). | |
| 7. | Award for the Best Screenplay: | | | |
| | KHARIJ (BENGALĪ) | Shri Mrinal Sen, 14, Belatola Road, Calcutta-700026. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only). | |
| 8. | Award for the Best Actor : | | | |
| | KAMALAHASAN (MOONDRAM PIRAI) (Tamil) | Mr. Kamalhasan, Eldams Road, Madras-600018. | Rajat Kamil (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupeos tem thousand only). | |
| 9. | Award for the Best Actress: | | | |
| | SHABANA AZMI (ARTH) (Hindi) | Ms. Shabana Azmi, 25, Janki Kutir, Juhu, Bombay-400049. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only). | |
| 10. | Award for the Best Child Artist: | | | |
| | VIMAL (AROODAM) (Malayalam) | Master Vimal, No. 6, 2nd Street, Lake Area, Nungambakkam, Madras-400034. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cush prize of Rs. 5,000/- Rupees five thousand only). | |
| 11. | Award for the Best Cinematography (Colo | pur): | | |
| | BALU MAHENDRA (MOONDRAM PIRAI) (Tamil) | Shri Balu Mahendra, 14, Indra Gandhi Street, Saligramam, Madras-600093. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only). | |

11202

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|---|--|--|
| 12. | Award for the Best Audiography: | | |
| | (Late) ESSABHAI M. SURATWALA (NAMKEEN) (Hindi) | (Late) Shri Essabhai M. Suratwala, C/o Ajanta Arts, Pali Hill, Bandra, Bombay-400050. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs, 10,000/- (Rupees ten thousand only). |
| 13. | Award for the Best Editing: | | |
| | KESHAV HIRANI (ARTH) (Hindi) | Shri Keshav Hirani, c/o. Ranjit Studios, Dadar, Bombay-400014. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupecs ten thousand only). |
| 14. | Award for the Best Art Direction: | | |
| | NITISH ROY : : (KHARIJ) (Bengali) | Shri Nitish Roy, 1/573 Motilal Nehru Road, Calcutta-700029. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- Rupees ten thousand only). |
| 15. | Award for the Best Music Direction: | | |
| | RAMESH NAIDU (MEGHASANDESAM) (Telugu) | Shri Ramesh Naidu, 6/7, 1st Street, United India Colony, Madras-600024. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only). |
| 16. | Award for the Best Male Playback Singer | <i>:</i> | |
| , | K. J. YESUDAS (MEGHASANDESAM) (Telugu) | Shri K. J. Yesudas, 13, Abirampuram, 3rd Street, Madras-600028. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only). |
| 17. | Award for the Best Femule Playback Singer | •: | |
| | P. SUSHEELA, (MEGHASANDESAM) (Telugu) | Ms. P. Susheela, 7, Ashok Road, Alwarpet, Madras-600018. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupces ten thousand only). |
| 18. | Award for the Best Assamese Film: | | |
| | APAROOPA | PRODUCER: Shri Jahnu Barua 10, Fairlawn, 1128 Maharishi Karve Road, Bombay-400020, DIRECTOR: Shri Jahnu Barua 10 Fairlawn, | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupecs Fifteen thousand only). Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash |
| | | 1128, Maharishi Karve Road, Bombay-400020. | prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand five hundred only). |
| 10 | Award for the Best Bengall Film: | | |
| 17. | NAGMOTI | PRODUCER: | |
| | | Shri Siba Prasad Sen 179/179 Netaji Subhash, Road, Calcutta-700034, DIRECTOR: | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |
| | . • | Shri Gautam Chatterjeo, 356/4 Netaji Subhash Chander Bose Road, Calcutta-700047. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rs. seven thousand five hundred only). |
| 20. | Award for the Best Hindl Film: | | |
| | KATHA | PRODUCER: Shri Suresh Jindal, L. 3, Eden Hall, Dr. A. B. Road, Bombay-400018. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |
| | | DIRECTOR: Smt. Sai Paranjpye, 204, Ambor Apts., Gandhigram Road, Juhu, Bombay-400049. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand five hundred only). |
| 21. | Award for the Best Kannada Film: | | |
| | PHANIYAMMA | PRODUCER: Mrs. Prema Karanth, Babhukodi Movies 47, 20th Gross, 6th Block, Jaya Nagar, Bangalore-560011. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-------------|--------------------------------------|---|--|
| | | DIRECTOR: Mrs. Prema Karanth, Babukodi Movies 47, 20th Cross, 6th Block, Jaya Nagar, Bangalore-560011. | Rajut Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand five hundred only). |
| 22. | Award for the Best Malayalam Film: | | |
| | СНААРА | PRODUCER: Shri P. K. Abdul Latif, C/o Mili International Films, 5/773, New Road, Cochin-2 (Kerala). | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |
| | | DIRECTOR: Shri P. A. Backor, No. 13, 18th Avenuc, Ashok Nagar, Madras-600083. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand five hundred only). |
| 23. | Award for the Best Marathi Film: | | |
| | SHAPIT | PRODUCER: Shri Madhukar Rupji, Ms. Sudha Chitale, & Shri Vinay Newalkar, Troika Film Combine c/o Gipsies, 1/18, Broadway Shopping Centre, Dadar, Bombay-400014. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |
| | | DIRECTOR: Shri Rajdatta & Shri Arvind Deshpande, Troika Film Combine c/o Gipsics, 1/18, Broadway Shopping Centre, Dadar, Bombay-400014. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupecs seven thousand five hundred only). |
| 24. | Award for the Best Tamil Film: | | |
| | EZHAVATHU MANITHAN | PRODUCER: Shri Palai N. Shanmugam, 18, Cosmopolitan Club, Madras-600002. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |
| | | DIRECTOR: Shri K. Hariharan, D-43, Anna Nagar, Madras-600102. | Rajat Kamal (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand five hundred only). |
| 25, | Award for the Best Telugu Film: | | |
| | MEGHASANDESAM | PRODUCER: Shri Dasari Narayana Rao, 45, Bazulla Road T. Nagar, Madras-600017. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand only). |
| | | DIRECTOR: Shri Dasari Narayana Rao, 45, Bazulla Road, T. Nagar, Madras-600017. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand five hundred only). |
| | | IL SHORT FILMS | |
| 2 6. | Award for the Best Information Film; | | |
| | AN INDIAN STORY (English) | PRODUCER: Ms. Suhasini Mulay, CINEMART, 15/2 Dattatraya Coop. Housing Society, off. Waroda Road, Bandra (W), Bombay-400050, | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only). |
| | | DIRECTOR: Shri Tapan K. Bose, CINEMART, 15/2 Dattatraya Coop. Housing Society, Off. Waroda Road, Bandra (W), Bombay-400050. | Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5000/- (Rupces five thousand only). |
| | | | |

3 1 2 4 27. Award for the Best Educational/Instructional Film: KOODUTHAL PAAL VENAMEFKIE (Malayalam) PRODUCER: M/s Kerala State Film Development Rajat Kamal (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five Corpn., Cotton hill, Trivandrum-14 thousand only). DIRECTOR: Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five Shri V. R. Gopinath Kerala State Film Development Corpu. Cotton Hill, thousand only). Trivandrum-14. 28. Award for the Best Film on Family Welfare: KAL AUR AAJ PRODUCER: Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand (Hindi) Miss Vimala Swaminathan 11, Ramshyam Nivas, S.D. Temple Road, Mahim, only) Bombay - 400 016 DIRECTOR: Miss, Vimala Swaminathan Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash 11, Ramshyam Nivas prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand S.D. Temple Road, Mahim, Bombay - 400 016. 29. Award for the Best Experimental Film: CHAKKAR CHANDUKA CHAMELIWALA (Hindi) PRODUCER: Film & TV Institute of India Pune - 411 004 Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only) DIRECTOR: Shri N.C. Thade 10, Megha Daftary Road, Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand Malad (East), only) Bombaỳ - 400 064. 30. Award for the Best Animation Film: RAJU AND TINKU -PRODUCER: Children's Film Society of India Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash (Hindi) Films Division Compound prize of Rs. 5,000 (Rs. five thousand only) 24-Dr. G. Deshmukh Road. Bombay - 400 026. DIRECTOR: Shri Ajoy Kumar Chakrovarty. 3/1 E.M. Estate, S.V. Road, Bandra, Bombay - 400 050. Rajnt Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only) ANIMATOR: Shri Ajoy Kumar Chakravarty 3/1, E.M. Estate S.V. Road, Bandra, Bombay - 400 050 Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only) 31. Award for the Best Indian News Review : PRODUCER: ASIAD 82 - NEWS 1 Shri N.S. Thapa Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash (English) Films Division Govt. of India prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only)

24, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay - 400 026

III, BOOK AWARD

Award for the Best Book on Cinema: 32.

CHALACHITHRA-SAMEEKSHA

(Malayalam)

33.

11204

Shri Vijayakrishnan P.O. Kollode Trivandrum - 695 571 Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only)

IV. DADA SAHEB PHALKE AWARD

Shri L.V. Prasad No. 2, Sarangapani Street, T. Nagar,

Madras - 600 017

Swaran Kamal (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees forty thousand only) and a shawl.

FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 12th May 1983

No. A-19012/13/83-Est. I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Chief Producer, Films Division has appointed Shri D. Vinod Kumar to officiate as Newsreel Officer in Films Division, Ahmedabad in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 2nd May, 1983 (FN) until further orders.

> H. G. BHANDARKAR Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th May 1983

No. A-12025/21/81-Admn. I (Pt.-II).—The President is pleased to appoint Shri Suresh Chand to the post of Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd April, 1983, and until further orders.

The 20th May 1983

No. A-32014/3/81-(JIP)/Admn. 1/M(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Jayaraman to the Post of Librarian at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on a purely ad-hoc basis, with effect from the fore-neon of the 25th February, 1983 and until further orders.

T. C. JAIN

Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 3rd May 1983

No. A. 12026/15/82(Admn. I)/MH.—The Director General of Health Services is pleased to relieve Shri R. P. Saxena Accountant, Directorate of Printing, Ministry of Works & Housing, New Delhi of his duties as Administrative Officer at the Central Institute of Psychiatry, Ranchi from 16-4-83.

P. K. GHAI

Dy. Director Admn. (CGHS-II)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 16th May 1983

No. T/3/BAD/Estt. I/1745.—Dr. Vldyadhar Govind Tatake relinquished charge of the post of Scientific Officer-Grade SF on 21-4-1983 AN consequent on voluntary retire-

P. N. KRISHNAMOORTHY

Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 12th May 1983

Ref. DPS/2/1(5)/82-Adm./16325.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated Jan. 28, 1983, the Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Sadananda, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the Stores unit (DPS), Kakrapar Atomic Power Project, Kakrapar for a further period upto July 31, 1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

> P. GOPALAN Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 26th April 1983

ORDER

No. Ref. NFC/PA.V/2606/2638/505.—WHEREAS Shri Ch. Venkuteswarlu, Helper B, ESD, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly from 30-8-81;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.VI/V-129/MFP/1879 dated 17-10-81 sent by registered post A.D. to his local residential address at H. No. 8/59, Kushaiguda, Hyderabad was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party continuously observe at delivery time.' absent at delivery time';

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.VI/V-129/MFP/1879 dated 17-10-81 sent by registered post A.D. to his permanent address viz. Stuartpuram (PO & Village), Bapatla Taluk, Guntur District was also returned undelivered by the postal authorities with the remark Returned to sender as addresses is not in the village. 'Returned to sender as addressee is not in the village';

AND WHEREAS the said Shri Venkateswarlu did not report for duty and continued to remain absent unauthorisedly without intimetion/sanction of leave and without informing NFC of his whereabouts;

AND WHEREAS the said Shri Venkateswarlu was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2638/2177 dated 19-12-81;

AND WHEREAS the said Shri Venkateswarlu received the charge sheet dated 19-12-81 at his permanent address but did not submit a written statement of his defence;

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/2638/83 dated

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 23-2-82 stating that the said Shri Venkateswarla did not attend the inquiry even after receipt of the communications and as such the inquir, was held ex-parte and that the charge was proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 23-2-82 (copy enclosed) held the charge as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri Venkateswarlu was not a fit person to be retained in service and the penalty of removal from service should be imposed on him:

AND WHEREAS the said Shri Venkateswarulu was informed of the provisional conclusion vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2638/1384 dated 17-8-82 and was given an opportunity to make any representation on the populty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum;

AND WHEREAS the said memorandum dated 17-8-82 sent by the registered post A.D. to his permanent address was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'Refused R/Sender';

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry dated 23-2-82 has come to the final conclusion that the said Shri Ch. Venkateswarlu is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79

hereby removes the said Shri Ch. Venkateswarlu from service with immediate effect.

G. C. KULKARNI, Manager, Personnel & Admn.

Encl: 1

BY REGD. A.D. Shri Ch. Venkateswarlu Stuartpuram PO & Village Bapatla Tq., Huntur Dt. BY REGD. A.D. Shri Ch. Venkateswarlu 8/59, Kushesiguda Hyderabad.

Ref. NFC/PA.V/2606/2638/

Dt.-----

- cc:
- 1. Manager (Finance)
- Dy. Manager, ESD
 APO-VI (P. F. Copy)
- 4. DCSO, NFC
- 5. APO-I

Smt. JANAKI N. BHARATHAN
Asstt. Personnel Officer

Hyderabad-500 762, the 9th May 1983

No. PAR/0704/1339.—Chief Executive, NFC appoints Shri M. Laxmana Rao, UDC, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis from 18-5-1983 to 18-6-1983 or until further orders whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Rajasthan, the 12 th May 1983

No. RAPP/Rect/3(2)/82-83/S/852.—The Chief Project Engineer, Rajasthau Atomic Power Station hereby appoints the following Non-gazetted technical staff preseently serving in the Rajasthan Atomic Power Station to the grade menioned against each in the same Station, in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders.

| S. No. | Name & Designation | Post to which appointed | Date on which assumed charge |
|-----------|------------------------|---|---------------------------------------|
| 1. 5 | Shri G. C. Verma F/M | Scientific Officer/ Engineer- Grade 'SB' | 1-2-1983 |
| 2. S | hri G. S. Kandpal, SAC | Do | 1-2-1983 |
| 3. S | Shri G. K. Tiwari, SAC | Do. | 1-2-1983 |

V. P. NAIK Administrative Officer (E).

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-601102, the 18th May 1983

No. MAPP/18(132)/83-Rectt.—The Project Director, M dras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each

in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February, 1, 1983, until further orders:—

| S. Name | | Present Grade to | | |
|----------------------|---------------|-----------------------|-------------|--|
| No. | | Grade Which appointed | | |
| S/Shri | | | | |
| 1. A. Swar | ninathan | Scientific | SO/ | |
| | | Assistant 'C' | Engineer SB | |
| 2. V. Raja | gopal | Do. | Do. | |
| 3. K. Aml | oukunhi | Draughtsman * | C' Do. | |
| 4. Pinto Joseph Jude | | Scientific | Do. | |
| | • | Assistant (| C' | |
| 5. A. Votr | ivelu | Do. | Do. | |
| 6. M. V. V | /enkatoswaran | Do. | Do. | |
| 7. D. Bak | thavachalam | Do. | Do. | |
| 8. A. Jam | es | Do. | Do. | |

T. RAMANUJAM, Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 19th May 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to officiate Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 26.2.83 to 16.4.83.

Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 5th May 1983

No. TAPS/1/18(1):/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960) on ad hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 3.3.1983 (FN) and upto 18.4.1983 (AN) vice Shri S. Thriambaknath, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-III on ad-hoc basis.

D. V. MARKALE Administrative Officer-III

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 4th May 1983

No. RRC/A/32023/1/77-R/6526.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri M. Krishnamoorthy, a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer Grade III of this Research Centre in an officiating capacity as Assistant Administrative Officer in the same Centre with effect from 29.4.83 until further orders.

S. VENKATARAMAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GFNERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd April 1983

CORRIGENDUM

No. A.32014/2/82-EC.—For the word 'PRESIDENT' appearing in the first line of this Office Notifications No. A. 32014/2/82-EC(Vol.III) dated the 7th February, 1983 and 17th March. 1983, the words 'DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION may be substituted,

The 21st May 1983

No. A. 19011/10/80-EL.—Shri V. N. Kapur Dy. Director General of Civil Aviation retired voluntarily from Govt, service on the forenoon of 21st May 1983 under Rule 48-A of the CCS (Pension) Rules, 1972.

THAKAR DATT Assistant Director of Administration

New Delhi, the 16th May 1983

No. A. 38013/8/82-EC.—Shri J. Sanyal, Assistant Technical Officer attached to the Office of Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office of appointment on attaining the age of superannuation w.e.f. 30-4-83 (AN).

The 17th May 1983

No. A.12025/1/82-EC(.).—The President is pleased to appoint Shri Lal Ratnakar Singh as Communication Officer with effect from 22.1.1983 (FN) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department and to post him in the office of the Aero. Communication Station, Madras Airport, Madras until further orders.

No. A. 12025/1/82-EC:—The President is pleased to appoint the following persons as Technical Officer with effect from the date of taking over charge of the post and to post them to the stations indicated against each until further orders.

| S. No. | Name | Date of taking over charge | Station to which posted |
|--------------|---------------------|----------------------------------|--|
| S/S 1. S. | hri Bhattacharya | 10-1-1983 (FN). | Acro. Comm. Station, Bhubaneswar. |
| 2. M | . S. Dhillon | 12-1-1983 (FN) | O/o Director, Radio Const. And Develop- ment Units, New Delhi. |

O. P. AGGARWAL, Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th May 1983

No. 1/1/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Panjwani, Superintendent, Dhond Branch, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in D.T.S., Pune, with effect from the forenoon of the 11th April, 1983, until further orders.

H. L. MALHOTRA

Dy. Dir. (Admn.)

for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehra Dun, the 13th May 1983

No. 16/404/83-1 ts-I.—The President, F.R.I. & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri R. R. Yadav, Assistant Conservator of Forests, Madhya Pradesh, Forest Department as Assistant Instructor, N.F.R.C., Dehra Dun with effect from 7-4-1983 (F.N.), until further orders.

RAJAT KUMAR Registrar

Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 13th May 1983

No. A-19012/972/81-Estt.V.—Chairmon, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K. Sil, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 17th July, 1981 for a period of one year or till the post is filled on regular basis.

2. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

The 21st May 1983

No. A-19012/910/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. C. Mishra, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Fngineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 10th March, 1981.

No. A-19012/1027/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ravi Kiran Khurana, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Fngg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th April, 1983.

R. R. ARVIND Under Secy. Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th May 1983

No. 33/1/81-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar a nomince of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'Ai) in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 31-1-83 on the usual terms and conditions.

- 2. The Pay of Shri Ashok Kumar will be fixed according to rules.
- 3. Shri Ashok Kumar is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

CORRIGENDUM

No. 33/1/82-PCIX.—Para 2 of this notification No. 53/1/82-ECIX dated 7-5-83 regarding appointment of Shri Yogesh Behari I.al as Deputy Architect may please be omitted and para 3 may be read as para 2. The date of iolning the post may be read as "25-3-83" instead of "26-3-83".

A. K. NARANG. Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Gwallor Straw Board & Paper Pulp Industries
Private Limited.

Gwalior, the 16th May 1983

No. 968/PS/CP/457.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Gwallor Straw Board & Paper Pulp Industries Private Limited, Gwallor unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Sitara HInd Trade Encouragement Company Ltd.

Gwalior, the 16th May 1983

No. 332/PS/CP/460.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The Stara Hind Trade Encouragement Company Limited, Indore unless cause is shown to the conrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Lawania Industries Private Limited

Gwalior, the 16th May 1983

No. 921/PS/CP/463.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expitation of three months from the date hereof the name of M/s. Lawania Industries Private Limited, Akaltara unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rubber and Plastic Limited

Ernakulam, the 9th May 1983

No. 1778/Liq/560(4)/2890/83.—Whereas Rubber and Plastics Limited having its registered office at Kottayam is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months:

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of Rubber and Plastics Limited will, unless cause is shown to the contrary, struck off the register and the company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Janatha Ayurveda Pharmacy Private Limited

Ernakulam, the 11th May 1983

No. 2129/Liq/560(3)/4491/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Janatha Ayurveda Pharmacy Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and said Company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Juliance Pharma Private Limited

Madras, the 20th May 1983

No. DN/7119/Sec. 560/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jullance Pharma Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said Company will be dissolved.

J. K. RAMANI Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madra;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt. Bani Dey 2. Shri Debasish Dey

Smt. Jayshree Roy alias Jayshree Roy Dey, R/o-22/5/2, Rustamjee Street, Calcutta-700 019.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Prasad Singh R/o Boring Road, P. S. Budha Colony. Patna-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ΛCQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 13th May 1983

Ref. No. III-724/Acq/83-84.--Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 116/108, Circle No. 249, Ward No. 34 situated at Boring Road, P. S. Krishnapuri, Dist-Patna (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 17-9-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 14,207 Sq. Ft. with pucca house situated at Boring Road, P. S. Krishnapuri, Dist. Patna and morefully described in deed No. 1-8223 dt. 17-9-82 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

THE SCHEDULE

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Seal:

Date: 13-5-1982

FORM ITNS-

(1) 1. Shri S. M. Waheed Rizvi 2. Smt. Rani Zubeda Saadat Ali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bashir Ahmad Khan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 7th May 1983

G. I. R. No. B-114.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing House No. 25/22 situated at Lajpat Rai Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Lucknow on 27-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land with building measuring 3825 sq. ft. situated within the premises known as Nanpara House, 25/22, Lajpat Rai Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3712/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 27-9-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1983

Ref No. P.R. No. 2147 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 336 situated at Tandalja (Baroda) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Manganlal Otambhai Patel C/o Lalitkumar Mohanlal Shukla 6. Mamta Society, Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Damodar Vithaidas Gajjar
2. Shri Vasumatiben Mohanlal Shukla
3. Shri Umaben Mohanlal Shukla

6, Mamta Society, Race Course, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3470 sq. mtr. at Tandalja S. No. 336. Documents of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 5927, 5928, 5929 dt. 21-9-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmcdabad.

Date: 30-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2148 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 340 situated at Vaghasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at

Anand on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Patel Ravjibhai Narsinhbhai, Near Chora, Vaghasi, Tal: Anand.

(Transferor)

(2) Patel Shantibhai Marghabhai Mandirvala Falia, Kunırav, Tal; Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vaghasi admeasuring 10016 sq. mtr. at S. No. 340, Document of transfer regd, with S. R. Anand under No. 3934 dt. 7-9-82,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1983

Ref. No. P. R. No. 2192 Acq. 23-II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 65/2 (P) situated at Vejalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Broach in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Ismail Umarji Mahmad

 - Shri Ishahi Ohaqii Mahmad
 Shri Ali Umarji Mahmad
 Shri Ali Umarji Mahmad
 At Village, Kartharia, Broach.
 Shri Bibiben Umarji Mahmad
 At Village, Pariar, Broach Dist.
 Shri Iaisa Umarji Mahmad
 At Village, Dayadeen Dist.
 - At Village, Dayadasa, Dist. Broach.

(Transferors)

(2) Promoter of New Shitalnagar Co-op. Housing Society Shri Ismailbhai Ibrahimbhai Near Shitalnagar Co-op, Housing Society, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 65/2 (P), Sub-plot No. 4, 5 & 6 at Vejalpur registered in the month of September, 1982 at Broach.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 2-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th May 1983

Ref. No. 10/Sept/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 174/D, 174D-1, 174D-2, 174D-3 situated at Swami Nellaiyappar High Road, Trinelveli Jn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2889, 3890, 3891, & 2892/82) on Septmeber, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. C. M. Zackriya No. 174, Swamy Nellaiappar High Road, Trinclveli Jn.

(Transferer)

(2) Shri Z. A. Rasheed No. 4, Kathir Sadayappa Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 174 to 174-D-3 Swami Nellaiappar, High Road, Tirunelveli (Doc. No. 2889, 2890, 2891 & 2892/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006,

Date: 14-5-983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th May 1983

Ref No. A. P. No. 4300.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at

V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jalandhar on Sept. 1982 Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shanker Dass S/o Attra Through G. A. Joginder Pal S/o Shanker Dass R/o V. Balund Pur, Tch. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri nati Raj Kaur W/o Ajit Singh Shri Prem Singh S/o Ajit Singh R/o Sat Kartar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. 10 Mls situated in V. Maksoodpur & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4087 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--29-106GI/83

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 6th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4301.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrì Hari Pal Singh
 Ujagar Singh
 Ko V. Kingra Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Gian Kaur W/o Avtar Singh R/o V. Satowal Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Mls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4109 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Date: 6-5-1983 Seal:

FORM I.T.N.S.—

 Shri Haripal Singh S/o Ujagar Singh R/o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh S/o Sh. Baldev Singh, R/o V. Mansurpur, Distt. Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 7th May 1983

Ref. No. A.P. No. 4302.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandbar on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(4) Any other person interested in the property.

(Person in occupation of the property)

interested in the property)

(Person whom the undersigned know to be

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 mls. situated in V Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3209 of September, 982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

· Jalandhar, the 7th May 1983

Ref. No. A.P. No. 4303.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at V. Maksoodpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Amrik Singh
 S/o Shri Ujagar Singh
 G. A. Baljit Kaur,
 Joginder Kaur &
 Mohinder Kaur
 Ds/o Shri Kartar Kaur,
 R/o V. Maksoodpur, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) The National House Building Co-op. Society through Sh. Vinay Mitter Mahajan Secretary of the Society R/o N. F. 36, Q-illa Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 40 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4255 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 7-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 7th May 1983

Ref No. A.P. No. 4304.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Surjit Kaur alias Gurdeep Kaur W/o Sampuran Singh R/o V. Maksoodpur, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) The National House Building Co-op. Society through Sh. Vinay Mittar Mahajan Secretary of the Society, R/o N. F. 36, Qilla Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service on the respective persons, whichover notice period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXXLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 27 Mls. situated in V. Maksoodpur & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4256 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> I. I., GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 7-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 7th May 1983

Ref. No. A.P. No. 4305.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). 1957 (27 of 1957);

- Smt. Darshan Kaur W/o Joginder Singh G. A. of Paramjit Kaur D/o Joginder Singh R/o V. Gurah, Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Gurmit Singh S/o Gurdev Singh R/o V. Khera, Distt. Hoshiarpur

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 18 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4302 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-5-1983

FORM I.T.N.S.-

.S.—— (1) Shri Sham Kumar S/o Sat Pal, G.A. of Lt, Col. H. M. Khanna S/o Sh. Permeshwar Dass R/o 3 GR C/o 56 APO.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh, Santokh Singh ,Amrik Singh Ss/o Mohinder Singh R/o Saidpur Distt., Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 7th May 1983

Ref. No. A.P. No. 4306.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Master Mota Singh Nagar,

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have 'not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 313 situated at Master Mota Singh Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4388 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 11th May 1983

Ref No. A.P. No. 4307.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Chanan Kaur M/o Joginder Singh R/o V. Gurah, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferor)

Shri Harbans Singh Hans S/o Bhag Singh R/o V. Mir Pur Hans,
Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.
 Smt. Satinder Kaur D/o Rajinder Singh Gill R/o V. Sarali Khurd, Teh. Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

interested in the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. 15 Mls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed 3890 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 11th May 1983

Ref. No. A.P. No. 4308.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and
No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—30—106GI/83

 Shrimati Darshan Kaur W/o Joginder Singh and Smt. Chanan Kaur M/o Joginder Singh R/o V. Gurah, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Maj. Saranjit Singh S/o Atma Singh R/o 173, M.T.N. Regement, C/o 99 APO.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Mls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3935 of September, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IALANDHAR

Jalandhar, the 11th May 1983

Ref. No. A.P. No./4309.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra, ..

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shrimati Baljit Kaur Wd/o Partap Singh R/o 347 Sector 9-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Daljit Kaur W/o Joginder Singh.2. Ajit Singh S/o Daulat Singh.

 - Raman Kumar s/o Mohan Lal.
 Subash Chander S/o Dhari Lal.

 - 5. Chand Rani W/o Lt. J. N. Prashar. 6. Mangat Ram s/o Lt. J. N. Prashar. 7. Smt. Kamla Rani W/o Ram Bhor.
 - 8. Malkiat Singh S/o Swaran Singh.
 9. Smt. Rajni Chhabra w/o Sohan Lal
 - r/o Bhagpur Teh. Nakodan Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. 1 Ml. 218 S. ft. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4334 of September 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th May 1983

Ref. No. A.P. No./4310.-Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Fazilka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Fazilka in September 1982,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Satia Rice Mills, Fazilka through Sh. Inder Mohan S/o Hira Lal, S. K. Satia S/o Hardwari Lal, Smt. Saroj Rani W/o Inder Mohan Satia, Fazilka, Suresh Kumar Chhabra Soo Karam Chand Chhabra Roo Malout Distt. Muktsar and Smt. Maya Devi Woo Karam Chand Roo Malout Distt. Muktsar.

(2) Shri Prithi Raj S/o Lala Munshi Ram R/o Mandi Abohar.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2547 of September 1982 of the Registering Authority, Fazilka.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4311.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in September 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charan Singh S/o Dewan Singh R/o Vill. Parvei Nagar P.O. Bhagwani Pur Teh, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Surjan Singh S/o Raja Singh Vill. Kanjli Teh. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2002 of September 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4312,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at Muktsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Muktsar in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Baltej Kaur W/o Ajmer Singh R/o House No. 2044 Ward No. 2, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Kala Singh r/o V. Attari Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land about 1 Kl. 10 Mls. situated in Muktsar & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2227 of September 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4313.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhupinder Singh s/o Kartar Singh r/o V. Sohan Khera Teh. Malout.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan Girdhar S/o Tilak Raj C/o Hindustan Motor Co, GT Road, near Bus Stand, Malout.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Malout & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1427 of September 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4314.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harmandar Singh S/o Kartar Singh r/o V. Sohan Khera Teh. Malout.

(2) Shri Mahesh Girdhar S/o Tilak Raj C/o Hindustan Motor Co. GT Road, near Bus Stand, Malout.

(Transferce)

(Transferor)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot situated in V. Malout & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1428 of September 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4315.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at V. Dhogri
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Singh S/o Manna Singh r/o V. Dhogri Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurteg Singh S/o Bhoga Siugh r/o 81-Garden Colony, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sl. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 16 Kls. 7 Mls. situated in V. Dhogri and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4120 of September 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4316.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Dhogri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 31—106GI/83

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Jaswant Kaur W/o Sardul Singh r/o V. Dhogri Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Samund Singh r/o V. Reru Teh, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 9 Kls. 6 Mls. situated in V. Dhogri and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4151 of September 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4317.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Ladhewali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri Prem Paul S/o Jawala Ram, G.A. of Arur Singh s/o Avtar Singh r/o V. Ladhewali Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) 1. Shri Sanjay Mittal S/o Madan Lal.
 - Sani Sanjay Mittal S/o Mattal Lai.
 Prem Paul, Yash Paul Ss/o Parma Nand.
 Ncelam Juneja W/o Kulbushan.
 Surinder Kaur W/o Narinder Singh.
 Krishna Kumari W/o Harbans Lal.
 - 6. Harbans Kaur W/o Amar Iqbal Singh.
 7. Prem Paul Pabi s/o Tirath Ram, all residents of
 - Jalandhar Cantt.

(Transferec)

- (3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. 2 Mls. situated in V. Ladhewali & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4222 of September 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J, L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4319.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Deshmesh Nagar, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any isosome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdev Singh S/o Bachan Singh r/o Moga Mehla Singh, Moga,

(Transferor)

- (2) Shrimati Sukhdev Kaur W/o Avtar Singh C/o Avtar Singh Mann, Gaushala, Sindri (Bihar). (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Deshmesh Nagar, Moga and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4476 of September 1982 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4320.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a). facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raman Rai S/o Raj Kumar Jalandhar Cold Storage, GT Road, near DAV College, Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Jalandhar LIG/MIG Employees Co-op, House Building Society Ltd. Jalandhar through Shri B. N. Joshi DAV College, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 31 Kls. 1/2 Ml. situated in V. Maksoodpur Tch. Jalandhar and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4145 of September 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A. P. No. 4321.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raman Rai S/o Raj Kumar Jalandhar Cold Storeage, G.T. Road, near DAV College, Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Jalandhar LIG/MIG Employees Co-op House Building Society Ltd. Jalandhar through Shri B. N. Joshi, President of the Society, DAV College, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sl. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 64 Kls. 133 Mls. situated at V. Maksoodpur & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4146 of September 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A.P. No./4322.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908 Jalandhar on Oct. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer. transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Hari Chand S/O Ram Lal Opposite Sports College, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Chander S/O Tek Chand r/o House No. WX-156, Basti Nau, Jalandhar. (Transferec)
- (3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -

THE SCHEDULE

Property House No. WX-156 situated in Basti Nau, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4758 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-5-83.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A.P. No./4325.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Usha Ranii W/O Nand Kishore and Ashok Kumar, Munish Kumar & Kishore Kumar S/o Nand Kishore and Kiran, Sunita Ds/o Nand Kishore r/o Mitha Bazar, Jalandhar.
 (Transferor)

(2) National Rubber & Chemical Industries, Basti Bawa Khel, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As t no. 2 above, , (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 2 Kls. 10 Mls. 129S situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3876 of September, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-5-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A.P. No./4324.--Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sant Ram Duggal svo Raghunath Dass G.A. of Des Raj Kapur s/o Mathura Dass r/o 128/3, Central Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Serla Devi W/O Sh. Berma Nand Beri r/o House No. 98, Adarsh Nagar, Jalandhar.

(3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 98 situated in Adarsh Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3822 of September, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A.P. No./4325.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar on Sept. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dalip Kumar Vig S/O Sh. Bhim Sain Vig Sain and Smt. Bhag Wanti W/O Bhim Sain 1/0 85, New Radio Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Om Parash S/O Thakur Dass, r/o V. Nangal Karar Khan, Teh. Jalandhar. (Transferce)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The 'terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 668 (Portion) situated in Model Town, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4183 of September, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—106GI/83

Date: 13-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A.P. No./4326.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

- (1) Shri Ram Parkash S/o Radha Kishan r/o Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Pyara Singh, Manohar Singh,
 Bishan Singh Ss/o Kartar Singh and
 Gurbachan Singh s/o Kundan Lal and
 Dr. Parkash Nath s/o Dewan Chand
 r/o W.E. 262/675, Opposite Post Office,
 DCM Store, Bazar Sheikhan, Jalandher.

 (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/5 share WE/262/675 situated in Bazar Sheikhan, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4167 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-5-83, Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th May 1983

Ref. No. A.P. No./4318.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immossible processing the said Act, the reason to believe that the immossible process. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Amariit Singh S/o Umrao Singh r/o V. Wadala Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Uttam Kaur W/O Kirpal Singh r/o 504, Model Gram, Ludhiana.

(2) Parkash Wanti Marwaha W/O Tirath Ram

R/o WD-163, Ali Mohalla Jalandhar.

(3) Janak Kapur w/o Ramesh Kapur,
r/o 84-Shakti Nagar, Jalandhar.

(4) Sukmohan Singh s/o Chambel Singh

r/o 4-C, Model House, Jalandhar.
(5) Smt. Romesh Walia W/O Inder Mohan Singh r/o 48-B, Model House, Jalandhar.
(6) Gurmohan Singh S/O Chambel Singh

r/o Model House, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovwhichever period expires later; the publication of this notice in the Official Gazette. able property within 45 days from the date of

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4403 of September, 82 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 12-5-9183

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A.P. No./4327.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jugraj Singh s/o Shiv Singh V. Dehrian Teh, Nakodar Distt, Jalandhar, (Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar S/O Nand Lal r/o 40, Kasturba Nagar, Jalandhar Cantt.

(2) Shaminder Kaur w/o Rajinder Singh r/o 99-Radio Colony, Jalandhar.
 (3) R. N. Sahay S/O Chiranii Lal Malli

(3) R. N. Sahay S/O Chiranji Lal Malli r/o 2-Netaji Park, Jalandhar.
(4) Amarjit Singh s/o Kartar Singh

r/o Madhopur Jalowal Distt, Kapurthala.

(5) Paramjit Singh s/o Harnam Singh r/o W.G. 204, Islamganj, Jalandhar.

(6) Janak Dulari W/o Vishwa Mitter

(6) Janak Dulari W/o Vishwa Mitter r/o 5-Dada Nagar, Model Town, Jalandhar. (Transferee)

*(3) As s, no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 101 Mls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sole deed No. 4366 of September, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 13-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th May 1983

Rac. No. 111/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat 341 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Shri Ghlasudin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagb, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. U. Saraswathi, R/o Near Dhanasai Bhavan, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcead persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Rom No. 341 in 3rd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92. Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 487 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 6682/82.

M. JEGAN MQHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 5-5-1983

of :--

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1983

Rac. No. 112/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Sy. No. as per schedule situated at Flat 30 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the roduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92,
 M. G. Road,
 Represented by
 Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o Late A. K. Babukhan,
 Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Muharak Begum, "Eden Garden", King Kothi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Rom No. 30 in ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92. Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 212 sq. ft. registered with Spb-Registrar, Hyderabad vide document No. 6681-82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th May 1983

Rac. No. 113/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat 347 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders,
No. 5-4-86 to 92,
M. G. Road,
Represented by
Sri Ghiasuddin Babu Khan.
S/o Late A. K. Babukhan,
Nishat Bagh,
Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Balakrishna Rao, Zimkhana Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Room No. 347 in 3rd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 266 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 6680/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th May 1983

Rac. No. 114/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 22 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92.
 M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Mahalaxmi, w/o Dr. A. Dasaradha Naidu, R/o Jagtial, Kareemnagar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Room No. 22 in ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 416 sq. ft, registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 6593/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
derabad (A.P.)

Date: 5-5-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT: COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th May 1983

Ref. No. RAC No. 115/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 2, 2nd Floor,

situated at Emerald Complex, Secunderahad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on September, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Emerald Builders, Abid Road, Rep. by Sri Gopal Rai Agarwal, Hyderabad. Rep. by Sri Gopal Rai Agarwal, Hyderabad.

(Transferor)

 M/s. Stumps Schuele & Somarpa Ltd., Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2, 2nd Floor, Emerald Complex, S. D. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6554/82.

M. JAGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1983

DOST

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th May 1983

Ref. No. RAC 116/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 201, situated at 3-6-200 Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Saradaw Constructions Pvt. Ltd. 3-6-200 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Abdul Aziz 8/0 Late Mohammed Abdul Karim, 5-9-1045 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in 2nd floor in Arunodaya Apartments in 3-6-200 Himayatnagar, Hyderabad area 1412 sq. ft. registered with Sub-Registrar Chikadpalli vide Doc. No. 897/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th May 1983

Ref. No. RAC 117/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 5 situated at Begumret, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S. Premiatha w/o S. Radhaswamy H. No. 133 West Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Shanker Mukherjee, s/o Late I. N. Mukherjee U 16 Greenpart Extension, New Delhi-110016.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Aparna Apartments at Begumpet, Secunderabad area 900 sq. ft. registered with Sub-registrar, Vallabhnagar vide Doc. No. 1732/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1983

Scal:

(1) M/s. Umakaran & Tejkaran, 8-2-547 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P.'N. Bahl s/o Late Harsukh Rai 102 Jainti Apartments, Begumpet, Hyderabad 16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforcesid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the assure of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said intrasevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Hyderabad, the 9th May 1983

EXPLANATION: - The terms and expressions used farein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

No. RAC 118/83-84.—Whereas I, M. JEGAN Ref. MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

having a fair market value exceeding

able property, Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat 102, situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vallabhnagar on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in 1st floor in Jayant Apartments at Begumpet, Hyderabad area 1000 sq. ft. registered with Sub-registrar, Vallabhnagar vide Doc. No. 1668/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acquisition of the accusance of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1983

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Rahmatullah Khan, 10-2-291/1 Asifnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Ibrahim & Other 10-3-17/7/C, Humayun nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC 119/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B *of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

10-3-17/7/C situated at Humayun Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor and first floor of H. No. 10-3-17/7/c Humayun nagar, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Khairatabad vide Doc. No. 6778/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC 120/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. lands, situated at Hydernegar village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R.R. dt. on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hashmatunnisa Begum, 11-5-152/B/1 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Satya Sai Co-operative Housing Society Ltd. 6-3-841/1, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 9 acres at Hydernagar village, Rejendranagar Tw R.R. Dt. registered with Sub-Registrar R.R. Dt vide Doc. Nos. 7545/82 and 7479/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-121/83-84,-Whereas, I. M. JEGAN-MOHAN, MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land, situated at Kishanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) D. Vishnu Family Trust, D. Radhakrishna Family 23-6-863 Shalibanda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Dilip Kumar Kedia Rep. By Mr. Prabhudayal Kedia, 19-2-226 Miralam Tank Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural dry land area 5Ac in part of S. No. 10 at Kishanguda, Hyderabad west taluk, Hyderabad Dt. Gram Panchayat, Thondapally, registered with Sub-Registrar, R.R. Dt. vide Doc No. 7598/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 9-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-122/83-84.—Wheras, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Kishanguda, Hyderabad West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. Dt. on September 82

R. Dt. on September 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. Vishnu Family Trust
 D. Radhakrishna Family Trust,
 23-6-863, Shalibanda, Hyderabad.

(2) Master Ravindra Kumar Kedia, S/o. Sri Prabhudayal Kedia, 19-2-226, Miralam Tank Road, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural dry land area 5 acres in S. No. 10 at Kishanguda, Hyderabad west taluk Gram Panchayat Thondapalli registered with Sub-Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 7597/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date 9-5-1983.

 Sri Khasim Baigh & other H. No. 8-4-75, Old Thandur, R. R. dt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

(2) M/s. Industrial Mineral Suppliers, Rep. by Sri Ashok Desai, H. No. 4-3-314, Bank Street Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-123/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Channaram village, Tandur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. on September 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land with shed at Chennaram village Tandur Taluq R. R. St. area 5266 sq. yards regisetred with sub-registrar R. R. Dt. (7077/82. Doc. No.).

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983.

Seal:

34---106GJ/82

FORM PTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

No. RAC-124/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8-3-966/16 situated at Yelloreddyguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kameswar Misra, S/o Raghunath Misra, 8-3-898/20 First Floor, Nagarjuna Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shdi Obul Reddy & others, H .No. 3/156 Nagarajupeta, Cuddapah Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied building No. 8-3-966/16, 8-3-966/16-1 and 8-3-966/16-2 Nagariuna colony at Yellareddiguda, area 824-sq. yards survey Nos. 25/1 and 25/2 registered with subregistrar Hyderabad vide document No. 6764/82.

> M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-125/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ramnastpura situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Doodhowli in Sentember 1982

Doodbowli in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Inian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Smt. R. Indira, W/o R. Sripath Rao, Jimukunta Village, Achampet Taluk, Mahbubnagar Dt.

(Transferor)

(2) M/s. Binjusaria Extractions Pvt. Ltd. By M. D. Shri Prabhudayal Kedia 19-2-226, Miralam Tank Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 area 294 sq. yards at Ramanathpura, Opposite to Zoological Park, Hyderabad registered with Sub-Registrar Doodbowli vide Doc. No. 1364/82

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he sely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-126/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot situated at Ramanstpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Boodbowli in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been inily stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. N. Manikyamma, W/o N. Madhav Rao, Manilla pally village, Achampet Taluk, Mahaboobnagar Dt.

(Transferor)

(2) M/s. Binjusaria Extractions Pvt. Ltd., M. D. Prabhudayal Kedia, 19-2-226 Mirslam Tank Road, Hyderabad-264.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 area 560 sq. yards registered with Sub-registrar Doodbowli vide Doc. No. 1357/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-127/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Bahadurpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Boodbowli in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itautility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Xenkatachalpati Rao, S/o R. Narayana Rao, 5-1-583, Troop Bazar, Hyderabad. (Transfer

(2) M/s. Binjusaria Extractions Pvt. Ltd., By M. D. Shri Prabhudayal, Kedia, 19-2-226, Mirelam Tank Road.

19-2-226, Mirelam Tank Road. Hyderabad-264.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot area 795 sq. yards at Ranmastpura Hyderabad registered with Sub-Registrar Doodbowli, vide Doc. No. 1356/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-128/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot situated at Ramanstpura, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Boodbowli in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

 Smt. Sulochanamma, W/o K. Sri Haridas, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Binjusaria Extractions Pvt. Ltd., By M. D. Shri Prabhudayal, Kedia, 19-2-226, Miralam Tank Road Hyderabad-264.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 10 area 472 sq. yards at Ramanstpura, Hyderabad registered with Sub-registrar Doodbowli, vide Doc. No. 136/682.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983.

 Smt. Rasool Bi, W/o Abdul Khader, 5-1-581, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Binjusaria Extractions Pvt. Itd., By M. D. Shri Prabhudayal, Kedin, 19-2-226, Miralam Tank Road, Hyderabad-264.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-129/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot sinuated at Ramansipura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Doodbowli in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 area 798 sq. yds. at Ramastpura registered with Sub-registrar Doodbowli vide Doc. No. 1367/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

Ref. No. RAC-130/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Bldg & land situated at Thmimapur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Shad Nagar in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

 Shri Nathan S/o Jiwan,
 M/s. Bhagyalakahmi Hatcheries Pvt. Ltd., Dilsuknagar, Hyderabad.

(2) M/s. Venkateshwara Hatcheries Pvt. Ltd., 14-1-1233, IVH Subhodaya Apartments. Boggulkunta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires luter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ac 13-38 guntas in survey No. 60 situated at Thimmapuram village Kothoor Gram Panchayat Shadnagar Taluk registered with Sub-registrar Shad-nagar vide Doc. No. 1997/

> M. JEGANMOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-5-1983.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 46/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

215/3 situated at Patamata Vijayawada

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) U. Kasipurnamma W/o Mallikarjuna Rao. Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Rama Coop. Building Society Ltd., No. 634 Durga Agraharam, Vijayawada-520002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Patamata in R. No. 215/3, area of 8059 Sq. mtrs. registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 9853/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely (---

Date: 4-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC, No. 47/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 46/5 situated at Pedawaltair Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vizag on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sukumaganjohn
 S/o Late Kanandi Padmanabhan,
 Defence Colony, Indiranagar,
 Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Rajeev Builders Managing Pr. Sri G. Ramaraju S/o Badradri Ramaraju, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Peda Waltair of Vizag, area of 2131-1/3 Sq. yards in S. No. 46/4, Plot No. 23, registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 9074/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983.

Scal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 48/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

149/1 situated at Satyanarayanapuram, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dhulipala Venkataramayya S/o Venkata Subbayya Mogalrajapuram, Vijayawada-10.

(Trasferor)

(2) Chitti Co-op. Building Society Ltd., Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Satyanorayanapuram, in R.S. No. 139/1, area of 11735 Sq. mtrs., registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 9773-82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (Λ.Ρ.)

Date: 4-5-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 49/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. 152 situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Rajahmundry on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Abbayi S/o Gamiraju Near Indira Park, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. M. Satyanarayana,

2. Chittilaxmi,

3. V. V. S. Narayana,

Nagendraprasad,
 K. Chekradhararao,

6. K. Ammaji, 7. M. Venkanna,

7. M. Venkama, Near Venkateswara Matham Strret.

Rajahmundry,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant 10nd at Ramadasupeta, Rajahmundry, area of Ac. 3-86 Cents registered with S.R.O., Rajahmundry vide document No. 6616/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 50/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

278/3 situated at Revulapakem Atreyapuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer Atreyapuram on September 1982

Afreyapuram on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) D. Srinivasarao S/o Satyanarayana Sarma, Ravulapalem, Kothapeta, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) 1. M. K. Reddy, 3. M. Laxminarayana Reddy,

3. Dasaradharamireddi S/o Dulliobbayi alias Bhupathy Reddi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land in R.S. No. 278 3, Ravulapalem, Kothapeta Taluka, area of 0-6 cents or 2751-86 sq. yds. registered with S.R.O. Aryapuram, vide document No. 1392/82,

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983.

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. P. Sekhar,

2. P. Durga Bhavani Suryaraopeta, Vijayawada,

(Transferor)

(2) 1. K. Scetharamayya S/o Bapayya

2. K. Umamaheswaramma,

3. K. K. D. Prasad, 4. K. R. Prasad, 5. K. Rangaprasad, 6. K. V. Satyaprasad,

Residents of Seetharamapuram, Vijayawada.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 51/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

roperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-5/146/8 situated at Gunadala, Vijayawada

No. Plot situated at Ramanstpura, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Cofficer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the seriod of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ice Factory at Door No. 5/146/B, Gunadala known as Vijayawada Ice & Cold Storage, area of 1368 Sq. yards, near Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 10028/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-5-1983.

FORM I.T.N.S.-

(1) S. Ramalingeswara Modaliar S/o Neelakanteswara Modaliar, Peddapuram, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) P. Rama Krishan, S/o Sri P. Abbulu alias Brahmandu, Vadlamuru, Peddapuram Tq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabud, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 52/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

19-1-310 situated at Peddapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Peddapuram on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 19-1-310, Peddapuram area of 3698 sq. yards registered with S.R.O., Peddapuram vide document No. 2173 82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-5-1983,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AQCUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

RAC-130/83-84.-Whereas, I, M. JEGAN-Ref. No. MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprety, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Ref. No. RAC. No. 53/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 120/1A situated at Patamata, Vijayawada, Vijayawada on September 1982

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. Vijayalaxmi W/o Suresh, Patamata Vijayawada.

(Transferor) (2) The Gopi Krishna Co-op. House Building Society, Patamata, Lanka, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Patamata, near Vijayawada in R.S. No. 120/1A area of 8093 sq. mtrs., +2607 sq. mtrs. registered with S.R.O., Vijayawada, vide documents Nos. 10067, 10068/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-5-1983.

Seai:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 54/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 26B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

357/1-2 situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36--106GI/83

- (1) 1. V. Nagendraprasad,
 - Vijayawada, 2. V. Malleswararao,
 - 2. V. Malleswararao, Vijayawada,
 - 3. V. Subbarao, Vijayawada,
 - 4. V. K. R. Mohanarao, Sitaramapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Kanaka Durga Co-op. Building Society Ltd. Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Gunadala, in R.S. No. 357/1-2, near Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada.

| Document No. | roa in —C | RS. No. | S. No. |
|--------------|----------------|---------|-----------|
| 9807/82. | -30 | 366/2 | 1. |
| | | 366/2& | 2. |
| 9806/82, | 4-09 | 357/2 | |
| 9808/82. | 1-82 | 357/1-2 | 3- |
| 9805/82. | 1-56 | • | 4. |

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 55/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

151 D7/2 situated at Vellanki Kanchikacherla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanchikacherla on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Narayana S/o Paddayya, Sri G. Nageswararao S/o Narayana, G. Venkateswararao S/o Narayana, Vellanki, Kanchikacherla, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Village Reconstruction Organisation (India), Pedakakani, Guntur Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site in D. No. 7/2, Survey No. 151, D. No. 121/1 of Vellanki, Village Ac. 8-70 cents, registered with S.R.O. Kanchikacherla, vide document No. 1570/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983

Scal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Venkatarayudu and 4 others, Venkatagiri, Dangeru Ramachandrapuram, E.G. Dt.

(Transferor)

 M. Ramalingareddi and 4 others. Residents of Ramavaram, Rayavaram Tq. E.G Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 56/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nos. 3109, 3110/82 situated at Dangeru Draksharama (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Draksharama on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

or Dan for S.R 922 -tax

50 Paise Share in the firm, M/s. Mahendramurali Rice Mill, Dangeru, Ramachandrapuram Tq. E.G. Dt., registered with S.R.O. Draksharama, vide Documents Nos. 3109, 3110/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (Λ. Ρ.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 57/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 50/1&2 53 & 49/3 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1982

for an apparent consderation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) V. Chandra Sokhara Rao S/o Bhushayya Patamatalanka, Vijayawada.

(Transferor)

 The Friends Co-op. House Building Society Ltd., No. H. 2789, Patamata, Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Patamata in R.S. No 50/1, 50/2, 53 & 49/3 area of 0-80 Cents, Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 10259/82, 10260/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983

Sen1:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 58/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20-1-4 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kakinada on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Ramakrishna Dora, Alias Ramaswami Mellam

(Transferor)

M. Ramachandrarao S/o Suryarao
 M. Suryarao
 S/o Mallakalapalli Pallamraju,
 Pedabrahmadevam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE ·

House property D. No. 20-1-4 at Kakinada area of 2871 Sq. yards registered with S.R.O., Kakinada, vide Document Nos. 8597/82, 8346/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 59/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding #Rs. 25,000/- and bearing No.

D. 224/B situated at Nallapadu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- V. Venkatarao
 S/o Venkanna Syamalanagar
 Guntur.
 - V. Venkanna
 S/o Nageswararao, Cherla, Kammam Dt.

(Transferce)

(2) P. Vijayananda Kumar S/o Nagabhushanam, Kakumanuvari Tota, Guntur.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Nallapadu in D. No. 224/B, area of 752,50 near Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 9441 and 9442/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 60/83-84.—Whereas, I M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site situtated at Velangi Yanam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Yanam on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Sheshaveni, W/o Late Venkata Ramadas, Puttaparthi, Ananthapur D.

(Transferor)

(2) Sri Gavatri Modern Raw & Boiled Roce Mill. Yenam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Vacant land at Adavipalem Danialatippa, Pandicherry State, Yanam, area of Ac. 11-00 registered with S.R.O. Yanam, vide document No. 135/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 E. Narayana Murthy, S/o Subbaraidu, GPA to E. Lakshmi, W/o Narayana Murthy, 3rd Ward, Tadepalligudem, W.G. Dt.

(Transferor)

 (2) 1. Ch. Bangariuju, S/o Satyanarayana Murthy, Tadepalligudem.
 2. Ch. Laxmikantam, W/o Narayana Murthy, Tadepalligudem.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 61/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act) have leason to believe that the infinityable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-3-8/A/1, 2, 3, 4, 5, 6 situated at Tadepalligudem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on Sentember 1982

Tadepalligudem on September, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing door. Nos. 12-3-8A/1, 12-3-8A/2, 12-3-8A/3, 12-3-8A/4, 12-3-8A/5 & 12-3-8A/6, 19th Ward, Tadepalligudem, area of 351 Sq. yds. registered with S.R.O., Tadepalligudem, vide document Nos., 4753, 4754/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 62/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

140/3A to 5 situated at Koritipadu Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thanfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

37—106GI/83

- Venkateswara Rao,
 - T. V. Eatnamgupta T. Kasiannapoorna, V. Eatnamgupta,
 - Sangadigunta, Guntur.

(Transferor)

(2) Y. Chinna Kesava Nerasimharao, S/o Sri Y. Rangayya, Rentachintala, Gurajala Tq., Guntur. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that, Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Koritepadu, in S. No. 140/3A, 142/1, area of Ac-30-00 registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 9006/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 63/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rice Mill situated at Akividu Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Eluru on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:-

(1) Y. Mangamma, W/o Peraiah, Kuppanapudi, Akividu,

(Transferor)

(2) G. Ramachandraraju, Akividu, Eluru.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill No. RS. 486/2, Area of Ac. 0-13-1/3 Cents, at Akividu, named Sri Panduranga Rice & Flour Mill, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 6750/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 64/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 68/2A, 69 situated at Vadluru Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumout of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Krishnarao,

- Ch. Veerabhadrarao.
 Ch. Satyanarayana,
- 4. Ch. Venkateswarao, 5. Ch. Rangarao.

Tanuku.

(Transferor)

 M/s. Sri Ananthalakshmi Textiles, Pvt. Ltd. M. D. Sri Chittoori Janakiramayya, Tanuku.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vecant land at Vadluru in S. No. 69, & 68/2A, area of Ac-2-15 Cents, registered with S.R.O., Tanuku, vide document No. 3735/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 65/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

192-1 situated at Kothapeta Chirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Coramandel Ice Produces represented by Sri Vellamchetti Sankarprasad, Vupputuru.

(Transferor)

(2) M/s Adarsa Financiers, Chirala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Kothapeta, Chirala, area of 0.35 Cents, registered with S.R.O., Chirala, vide document No. 3418/82, 3417/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

Scal:

(1) B. Vecraswamy & 12 Others. Pedaravuru, Tenali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. Ramakrishnarao & other, Pedaravuru, Tenali.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 66/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN **MOHAN,**

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

71, 72, 73 situated at Pedaravuru Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at D. No. 71, 72, 73, 6th Ward, D. No. 391-6 area of 0.60 Cents, at Pedaravuru, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4730/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

(1) Ch. Nageswara Rao, S/o Kalidash. Takkelapadu.

(Transferor)

(2) Padmanagar Co-op. House Building Society, Guntur.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 67/83-84,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

657-A situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Guntur in D. No. 657-A, 658 registered

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

with S.R.O., Guntur.

No., Area in A-C., Document No.

1. 1-36-1/4—8122/82.

2. 1-72-1/2—8101/82.

3. 1-00-8129/82. 4. 1-00-8139 / 82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 68/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

43-4-305 situated at Palakollu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palakollu on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conucealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri K. Venkataswara Rao, S/o Purushotham, 43-4-30, 10th Ward, Palakollu.

(Transferor)

(2) Sri Narsimharao, S/o Suryarao, 43-4--30, 10th Ward, Palakollu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property, bearing door No. 43-4-305, Palakollu, area of 701-1-50 Sq. yds., registered with S.R.O., Palakollu, vide document No. 3224/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 69/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. 10337 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on November, 1982 for an apparant considerable.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri J. V. Vijaya Bhaskar, Adopted son of Sri J. Kesavarao, Bhimavaram. W.G. Dt.

(Transferor).

(2) Gollu Venkanna & Co., Bhimavaram. W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in 8th Ward, (old) in 10th Wardm (new) assessment No. 10337, at Bhimvaram, registered with S.R.O. Eluru, vide document Nos. 7671/82, 7689/82, 7701/82, 257/82, area of 3143 sq. yds.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1561 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 70, 83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and begins No.

and bearing No.
Assett. 10334 situated Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Elizu on September '82

for an opparent consideration which is less than the fair m. if it value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than form the perfect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri J. V. Vijaya Bhashar adopted son of J. Kesavarao Bhimavaram.

(Transferor)

 Shri G. Suryanarayana S/o Venkanna, Bhimayaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vacant Land about 876 Sq. vds., Ward No. 10, ascessment No. 10334, at Bhimvaram, registered with S.R.O. Fluru, vide document No. 6928/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(1) Shri J. V. Vijaya Bhaskar, Adopted sen of Kesavarao,

(2) Shri G. Ramanamusthy 5/0 Venkarna, Bhimayaram.

Bhimayaram.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.) Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 71/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Asst. 10334 situated at Bhimavaram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been translerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on Oct. '82

for an apparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concernment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land about 876 Sq. yds, assessment No. 10334, in 8th Ward, Bhimavaram, registered with S.R.O. Fluru, vide document No. 6928/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-5-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri J. V. Vijaya Bhaskar adopted son of Keshava Rao, išhimavaram.

(Transferor)

(2) Shrimati G. Suramma C/o Venkanna, Bhimavaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC, 72/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Asst. 10334 situated at Bhimavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Eluru on September '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in 10th Ward. Asst. No. 10334, Bhimavaram, area of 480 Sq. yds. registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 6931/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-5-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th May 1983

Ref. No. RAC. 73/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Asst. 10334 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. V. Vijaya Bhaskar, Adopted son of Kesayarao, Bhimayaram.

(Transferor)

(2) Shri G. Venkanna S/o Pydayya Bhimayaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Vacated land at 10th Ward, Asst. No. 10334 Bhimavaram, area of 896 Sq. yds., registered with C.R.O., Eluru, vide document No. 6930/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-5-83. Scal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 131/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. F) situated at Saifabad, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent-of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rathers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Zaibunnisa Khader W/o Dr. R. Abdul Khader A-12 Patigadda Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F, 6th floor in M. No. 5-9-12., Saifabad, Hyderabad admeasuring 1088 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 6364/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, III DERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 132/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-9-12 (Flat No. 8) situated at Saifabad, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on September 82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Director, Mr. A. Jithender Nath, Saifabad, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Shri G. Laxman Rao, S/o Pandurangarao, Ramgiri, Nalgonda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G 4th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1158 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 6802/82,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-5-1983

FORM ITNS— -—-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 133/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

No. 5-9-12 (Flat No. B) situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Huderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaic, property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithander Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. K. Rajaratoam W/o K. Nageswara Rao, Smt. S. Lalitha W/o S. Thakuram 8-1-363 Toli Chowki, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 4th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 2091.3 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6801/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 11-5-1983.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 134/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. B) situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderaba 1 on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Dhananieya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Seifabad, Hyderabad.
- (2) Shii D. V. Raju & others 8-22-11 Datla St. Gandhinagar, Kakinada-4,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 3rd floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1902.31 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6800/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Pange Hydrabad.

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 135/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. F) situated at Spifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—106GI/83

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)
(2) Smt. Datla Bhaskaramma W/o D. V. S. Raju 6-31186/10 Greenlands Road, Hydernbad-16.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F 3rd floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1088 sq. it. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6797/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1983,

Scal:

FORM ITNS----

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Director, Mr. A. Jithender Nath, No. Saifabad, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Shri B. Srimannarayana S/o Banu Murthy Ring Road, Guntur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 136/83-84.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act') have reason to believe that the inthovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 5-9-12 (Flat No. H) situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Scattacher 82 Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Changer XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H 1st floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6798/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 137/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. B) situated at Saifabad Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. Λ. Jithender Nath, No. 5-9-12, Spifabad, Hyderabad.
- (2) Mr. K. V. S. Raju, 93 S.B.I. Colony, New Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 3rd floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1158 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6799/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 138/83-84,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82, for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between a parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its 5-9-12, Director, Mr. A. J. Saifabad, Hyderabad. No. Mr. A. Jithender Nath,

(Transferor)

(2) Shri K. Subramaniam, Smt. Vijaya Subramaniam, 167-H, Tashoda Bhag, Rash Behari Avenue, Calcutta-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ency be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C 8th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1088 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6796/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1983.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 139/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. 25,000/- and bearing No. 5-9-12 (Flat No. Λ) situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

Mrs. B. Gowri Venkata Narayana 3-5-803/1, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 5th floor in M. No. 5-9-12, Saifebad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6795/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1983.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 140/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Municipal

No. 5-9-12 (Flat No. D) situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other-assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
- (Transferor)
 (2) Smt. Tara Balakrishnan, W/o S. Balakrishnan,
 Type V Kanchanbagh Quarter No. 10 Hyderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D 5th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1052 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6794/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 141/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. A), situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramachandra Rao S/o P. Narasimharao 1-1 686 New Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 1st floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6793/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1989

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

RAC. No. 142/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing No. 5-9-12 (Flat No. Garrage) situated at

Saifabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director. Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Director, Mr. A. J Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. G. P. Sagnhi 1-8-582 Industrial area, Azamabad, Hyderabad-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Garrage 10 in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 247.4 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6792/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-5-1983.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

 M/s. Matrusri Engineers & Builders, 3-5-873 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Revathi Devi W/o P. A. P. Murthy, 3-6-175/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 143/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat B 403 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally, on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as anoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExpLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-403 area 895 sq. ft. at Hyderguda, Hyderabad registered with Sub-registrar Chikadpally vide Doc. No. 915/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—106GI/83

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 144/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat 104 situated at Hyderguda, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on September, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Matrusri Engineers & Builders, 3-5-873 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Dasarathi S/o Venkatachary, 3-5-873 C Block, Flat No. 104, Hyderguda, Matrusri Apts, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 C Block area 812 sq. ft. at Hyderguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 918/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 145/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding.
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at Boggula Kunta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on September 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposer of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s. Srinivas Constructions, Srinagar Colony Hyderabad.

(Transferor)

(2) Abid Rasool Khan S/o A. Muneer Khan, Abried Village Uppal Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 4-1-1233 & 1233/1 at Boggulakunta Hyderabad area 337 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6717/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 146/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Boggula Kunta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Srinivas Constructions, Srinagar Colony Hyderabad.

T. Govindarajulu, (Transferor)

(2) Sri T. Govindarajulu, 3-6-532 Himayatnagar, Hydcrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 4-1-1233 & 1233/1 at Boggulakunta Hyderabad area 337 sq. ft, registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6716/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1983

(1) M/s. Srinivas Constructions, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri T. V. Gopal Rao, 3-6-533 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Hyderabad, the 11th May 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. 147/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat situated at Boggula Kunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule approach beats)

Flat situated at Boggula Kunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 4-1-1233 & 1233/1 at Boggulakunta Hyderabad area 337 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6707/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Srinivas Constructions, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Hemalatha Devi, 3-6-720 Himayatnagar,

(Transferee)

GOYERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC, 148/83-84,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

and bearing No.
Flat situated at Boggula Kunta, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) In the office of the Registering Officer a Hyderabad on September 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 4-1-1233 & 1233/1 at Boggulakunta Hyderabad area 337 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6706/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No RAC. 149/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1186/7 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully depointed in the Schedule property).

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vallabhanagar on September 82 and October 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. Raghavamma, W/o Srl K. Brahmananda Reddy, 6-3-1186/7 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Srikishan Bagri S/o Bansidar Bagri Smt. Shyama Bagri W/o Shri Ramakrishan Bagri, 8-2-350/5 Road, No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-1186/7 Begumpet Hyderabad registered in 2 sale deeds total plot area 1760 sq. yards, registered with Sub-registrar Vallabhnagar vide Document numbers 1898/82 & 1958/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 96/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Girimpeta Chittoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. Chennareddi & other, High Road, Chittoor.

(Transferor)

(2) Shri R. Jyothinathan S/o C. Ranganathan, Mangasamudram, Majara Santhapeta, Chittoor Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ac. 3.35 cents with Mango plants survey No. 249 at Girimpeta Chittoor registered with Sub-Registrar Chittoor vide Doc. No. 6990/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983

(1) G. Dorasami Reddy & others, Gudipalli, Polaka Village, Bangarupalyam Taluk, Chittoor Dt.

(Transferor)

(2) Smt. G. Padmini W/o G. Gopinathan, Santhapeta Mangasamudram. Chittoor Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 97/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Girimpeta Chittoor

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on September 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, at hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-106GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ac 10-05 in Survey No. 249 at Girimpeta, Chittoor registered with Sub-Registrar Chittoor vide Doc. Nos. 6989/82, 6991/82 6988/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lay.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 98/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 18-1-150 situated at High Road, Chittor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Chittoor in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Varadarajulu Naidu & others S/o V. Munuswamy Naidu Papichettipalli, Chittoor.

(Transferor)

(2) G. Kr.shnama Naidu S/o G. Vasudeva Naidu, Gandhi Road, Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18-1-150 at High Road, Chittoor registered with Sub-Registrar Chittoor vide Doc. No. 6979/82, 7024/82, 6957/82 and 6946/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983 SetJ:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 99/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Near Railway Bridge Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (7) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Srinivasulu Naidu S/o Jagannadham Naidu Mandy Merchant Chittoor Town.

(Transferor)

(2) Dr. Feroj Begum W/o Dr. Murad Shavali Sami Mestri Street, Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Shed Survey No. 138 B/3 and 138 B/4 near Railway Bridge Chittoor registered with Sub-Registrar Chittoor vide Doc. No. 6920/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 100/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Katamanchi Village, Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on September 82

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Rama Reddy & others, Kattamanchi village, Chittoor.

(Transferor)
(2) M/s. The Chittoor Lawyers Co-operative House
Building Society, Gandhi Road,
Chittoor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ext. ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Kattamanchi village Chittoor Municipal area total extent registered with Sub-Registrar Chittoor vide Doc. No. 6828/82, 6799/82, 6796/82, 6794/82, 6795/82, 6798/82, 6835/82, 6797/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983

PART III—SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) D. Srinivasulu Reddi S/o Ramachandrareddi Somasekharapuram, Nellore.

(Transferor)

(2) Koka Suryakumari W/o K. Venkatapathi Naidu, 24/260 Rajagari Steet, Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 101/83-84.—Whereas, I M. JEGAN

MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in September. 1982

Nellore in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site in CAS No. 396 W. No 24 and P. No. 10 at Nellore Registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 102/83-84.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 27/2 situated at Chittoor

ಎಲ್ಲ ಕ್ಷಕ್ತಿಗೆ ಮೂಲದ ಕ್ಷಾಪ್ತಿಕ್ಕಾರಿಯಾಗಿ

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chittoor in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' the following persons, namely:—

(1) The Director, Andhra Pradesh Pvt. Ltd. Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Managing Director, Nutrine Confectionery Co.
Pvt. I.td., Chittoor.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land and building situated at Chittoor registered by the S.R.O., Chittoor vide document No. 6154/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC. 103/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. 1154 & 55 situated at Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chittoor on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac., to the following persons, namely:—

(1) P. Ellamma and Sri P. Sankaraiah, Pootoru, Chittoor.

(Transferor)

(2) Sri Y. Krishna, Managing Director, Navarasa Food Products, Polakala Village, Bangarupalyam Tq.

(Transferee)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2 acres 5 cents bearing S. No. 1154 and 1155 registered by the S.R.O., Chittoor vide document No. 6179/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd May 1983

Ref. No. RAC 104/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant land situated at Tirupathi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tirupathi in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Sri K. Narayanarao S/o K. V. Varada Rao Lecturer, Govt. College, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) M/s Krupachelapathi Padinavathi Co-operative, House Building Society Ltd. No. 735, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2 acres 33 cents situated at Tirupathi registered with Sub-Registrar Tirupathi vide Document Nos. 5319/82, 5320/82, 6438/82, 6439/82, 6473/82, 6472/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-5-1983

Scal:

 Shri Mohammad Anjad Saheb s/o Salar Saheb Allurupeta P.O. Kovur Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Darisi Venkata Rathnam and Others, Santhapeta, Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd May 1983

RAC No. 105/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1984/1, 2 situated at Kavali Bit-II Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kavali

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property agricultural land located near Kavali Bit-II, in Survey No. 1984/1 and 1984/11 area 2 acres 6 cents with an old farm cottage registered by the S.R.O., Kavali vide document No. 1507/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-5-1983

Scal:

42---106GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

RAC. No. 106/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Rs. 25,000/- and bearing

F. No 704 situated at Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Srinivasa Builders Private Limited, Rep. by Sri G. Sreenivasulu Reddy, Director 1-2-593/4 A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Rachel Chandi, D-6, Jawaharnagar, Trivendrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 in M. No. 6-3-1187, Srinivasa Towers 'A', Begumpet Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2463/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 9-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1983

RAC. No. 107/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-1-11 to 19, situated at S.P. Rd., Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Mrs. Rashida M. Patel & 3 Others, 1-1-11 to 19, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Omprakash Maliram Mittal and 3 Others, C/o R. K. Gupta, 3-6-312/2, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing M. No. 1-1-11 to 19, S.P. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 2376/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1983

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1983

RAC. No. 110/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat 342 & 343 situated at Raniguni, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Begh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Raiya Laxmi, University Campus Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Room No. 342 & 343 in 3rd floor in the building known as AL-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M.G. Road, Secunderabad area 537 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 6683/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1983

RAC. No. 109/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat 330 & 331 situated at Ranigunj Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydroghad in Sentember 1982

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomes or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/9. Babukhan Builders.
 No. 5-4-86 to 92, M.G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/0 Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum. C. V. S. Varalaxmi, Canal Road, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Room No. 330 & 331 in 3rd floor in the building known as A1-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M.G. Road, Secunderabad area 758 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 6684/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursons, namely:—

Date: 5-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th May 1983

RAC. No. 108/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F. No. 702 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Srinivasa Builders Pvt. Ltd., Rep. by Sri G. Sreenivasulu Reddy, Managing Director, 1-2-593/4/A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Santha, 31, S. D. Road, Secunderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702 in Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1752/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 9-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 11th May 1983

Ref. No. M-612/83-84.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 2-9-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mohd, Zahid Soleja s/o Late Mohd. Ameer. R/o 42/133 Bisati Bazar, Kanpur, Mohd. Idrees s/o Late Mohd. Haneef, R/o 42/133, Bisati Bazar, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Alladin s/o Babu Sheikh R/o 127 Macharria, Kanpur and Malik Amanullah s/o Malik Karamatullaha R/o 88/278, Chamanganj, Kanpur, Hafiz Mohd Usman s/o Hafiz Mohd, Hashim R/o 46/84, Nai Sarak, Kanpur.
 (Transferee)
- (3) Shri Alladin, Malik Amanullaha,
 and Hafiz Mohd. Usman.
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 482, 483 situated at Wazirur, Jajmau, Kanpur. The total area if one bigha & 7 bishwa or 2780 Sq. Mts.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

Date: 11-5-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/114/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6, Ground floor, Nirman Nagar situated at Sub-Plot No. 1 S. No. 19. A, Nirman Nagar, Nilasopara Tal. Vasai, Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn Range, Pune on 21-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s, Nirman Associates, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

(Transferor)

(2) Shri Ramakant Shankar Rane, Dadar Police Lanc Chawal-No. 2, Room No. 19, Bhavani Shankar Road, Dadar (W) Bombay-400 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Nirman Prabhat, S. No. 19/A, Sub-Plot No. 1, Nirman Nagor, Nalasopara Tal. Vasai. Dist. Thane. (Area—371 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. R-No. 58 dated 21-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 4-4-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/110/83-84.—Whereas, I

Ref. No. CA-5/3/EE/110/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 205, Mahendra Palace, Plot No. 47/48 situated at S. No. 4, 5, 6, 7, Navghar village, Tal. Vasai, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acquisition Range Pune on 27-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

- (1) M/s Vishwakarma Builders. Station Road, Mahendra Palace, Vishwakarma Nivas, Vasai. Dist. Thane.
- (2) Shri Sharad Krishna Tallur, C/26/1 Bell Haven, Vallabha Nagar, Borivili (West) Bombay-400 103.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5, 6, 7 Navghar village, Tal. Vasai. Dist. Thane. (Area-575 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 94 dated 27-9-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 3rd May 1983

Ref. No. CA5/37EE/120/83-84.—Whereas, I, SHASHIKAN'T KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
Flat No. A/3, Deepak Apartments, 479/45, Model

Colony situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn., Range Punc on 22-11-82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hirachand Jethmal Chordiya, Flat No. A/3, Deepak Apartments, Model Colony Punc-411 016.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Datteram Nadkarni, Plot No. 22, Madhavpur Vadgaon, Belgaum-590 005. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/3, Deepak Apartment, Deepti Co-op, Housing Society, S. No. 479/15, Model Colony, Pune-411-016. (Area-1050 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the J.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 459 dated 22-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4 Poona-1, the 4th April 1983

Rcf. N.o CA-5/37EE/106/83-84.—Whereas, J, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103, Mahendra Palace, Plot No. 47/48 situated at S. No. 4, 5, 6, 7, Navghar Village, Vasai, Dist. Thane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), was been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on 27-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vishwakarma Builders, Station Road, Vasai, Vishwakarma Niwas, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Dr. Shivdarshankumar Marwah, Om Surya Vihar, 181, Sion (West) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5, 6, 7 Navghar village, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area—585 Sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 93 dt. 27-9-82),

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-4-1983

(1) Shri Ashok Yeshwant Kolhatkar, C/o Mohadkar Bungalow,

(Transferor)

Padit Colony, Nasik City-2.

(2) Dr. Rajaram Ganesh Wagh, 33/7, Shreepath, 5, Prabhat Road, Punc-411 004.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-1, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/119/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 16, S. No. 41, Karve Nagar Co-op. Housing Society, Village Hingne situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 24-9-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Survey No. 41, Karve Nagar Co-op. Housing Society, Village—Hingne Bk., Dist. Punc. (Area—556.26 Sq. meter.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition, Pune under No. 111, dated 24-9-1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 4-4-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 15th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/111/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 402, 4th floor, S. No. 265 & 327/2A C. Survey No. 1806 to 1815, situated at Arti-Shri Ambika Nagar, MG. Rd., Dombivili. Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at .

I. A. C. Acqn. Range, Pune on 23-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Setion 269C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Deepak Benefit Trust, Shri Hind Co-op. Housing Society, Ambar Duncan Causeway, Sion, Bombay-400 022.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Govindrao Dumbere, R/o 'Bhagubai Niwas', Navapada, Subhash Road, Dombivili (W).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, S. No. 265 & 327/2A C. S. No. 1806 to 1815 'Arti' Shri Ambika Nagar, M. G. Road, Dombivili (W), Dist. Thane.

(Area—395 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 474 dated 23-11-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date: 15-4-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) M/s. Tropical Builders, 776-A, Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shii Satchidanad Vyankatesh Ingale, R/o 180, Sahakar Nagar, Pune-411 009.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61. ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, 11th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/123/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 202-A, Office premises, 2nd floor, 776-A, Sadashiv Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Pune on 24-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

202-A, office premises, 2nd floor, 776-A Sadashiv Peth, Pune.

(Area-117 sq. ft.)

(Property us described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 113 dt. 24-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 11th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/124/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 3, at 403/1, Shaniwar peth situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. Range, Pune on 7-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Landmark Construction, Surekha Apartments, Pune-satura Rd., Pune.

(Transferor)

(2) 1. Shri Madan S. Ijantkar,
2. Shri Mohan S. Ijantkar, R/o
519, Shaniwar peth, Punc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, in the proposed building at 403/1, Shanwat Peth, Pune.

Area-482 sq. ft.

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 6 dated 7-9-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/122/of 83-84.—Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 101, 1st floor, Nirman Prabhat sub-plot No. 1. Nirman Nagar, Nalasopara (W) situated at Vasai—Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. Range, Pune on 15-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hehereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nirman Associates, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir, M. V. Road, Andheri Kurla Rd., Andheri (Fast) Bombay-400 069.

(Transferor)

 Shri K. S. Radhakrishaan, R/o D-909, Railway Quarters, Kosalawadi, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Nirman Prabhat sub-plot No. 1, Nirman Nagar, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thanc. (Area—511 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 35, dt. 15-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date: 4-4-1983

(1) M/s. Nirman Associates, 40-41, Vishal Shopping Centre. Sir M. V. Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh J. Yagnik, R/o 200/8, Sammeer Rd., No. 16, Sion (East), Bombay-400 022.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/113/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 105, 1st floor, Nirman Prakash Sub-Plot No. Nirman Nagar, Nalasopara situated at Tal. Vasai. E

Vasai. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C. Acqn. Range, Pune on 15-9-82. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Nirman Prabhat, Sub-Plot No. 1, Nirman Nagar, Nalasopara, Tal. Vesai, Dist. Thane. (Area—371 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 34 dt. 15-9-82.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, POONA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 4-4-1983

Seal:

44-106GI/83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/118/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 1, Bldg. No. 1, A-type, A-Wing, Ground floor, Ami Park, Nalasopara (W) situated at Vasai; Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1. A. C. Acqu. Range, Pune on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ami Construction Co., 602, Sharda Chambers, 15, New Marine Lines. Bombay-400 020.

('Transfecor')

(2) Mr. Hemant Vasudeo Lele, 4, Siddhi Sadan, 3rd floor, S. V. P. Rd., Borivili (W), Bombay-400 092.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 1, Flat No. 1, A-Type, A-Wing, Ami Park, Nalasopara (W), Vasai, Dist. Thane.

(Area-310 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 196 dt. 16-10-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nirman Associates, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir, M. V. Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

(Transferor)

(2) Mr. Khatci Mohd, Ismail Abdulla, R/o 26/19, Haji Kasam Chawal, Kazipure, Two Tank, Bombay-400 008.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/112/83-84.—Whereus, I, SHASHIKANT KUI.KARNI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 105, 1st floor, Nirman Sandesh, S. No. 19/A, Hissa No. 1, sub-plot No. 5 situated at Nalasoapara (W) Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C. Acqu. Range, Pune on 15-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Nirman Sandesh, S. No. 19/A, Hissa No. 1, Sub-Plot No. 5, Nirman Nagar, Nalasopara, (W) Tal. Vasai, Dist. Thanc.

(Area—515 sq. ft.)
(Property us described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 37 dt. 15-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

> > Poona-4, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/121.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 106, 1st floor, Nirman Sandesh Sub-Plot No. 5, S. No. 19/A, Nirman Nagar, Nalasopara (W) situated at Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. Range, Pune on 15-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (11 of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. Nirman Associates, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir, M. V. Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

(Transferor)

(2) Mr. Khatri Mohd, Ibrahim Abdullah, R/o 26/20, Haji Kuram Chawal, Kazipura Two Tank-Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Nirman Sandesh, sub-plot No. 5, Survey No. 19/A, Hissa-No. 1, Nirman Nagar, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area---515 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 36 dated, 15-9-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/117/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Fiat No. G-5, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5, 6, 7, Navghar village situated at Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on 29-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vishwakarma Builders, Mahendra Palace, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasai (W), Navgbar village, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vasant T. Salian, R/o 133/3911, Kannamwar Nagar-II, Vikhroli, Bombay-400 088.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 day, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-5, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5, 6, 7, Novghar village, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area—320 sq. ft.)

(Property us described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 124 dated 29-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

> > Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/107/83-84,--Whereas, I.

SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable of the competence of property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 7, S. No. 265 & 327/2A, Ground floor 'Arti' Shri Ambika Nagar, M. G. Road, situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. Range, Pune on 23-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor-said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Deepak Benifit Trust, Shri Hind Co-op. Housing Society, Ambar Duncan Causeway, Sion, Bombuy-400 022.

(Transferor)

(2) Shri S. C. Kotian, R/o C-47, Rajvaibhav, Near Yoginagar, Eskar Rd,, Borivili (W), Bombay-400 092.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, S. No. 265+327/2-A, Thakurligaon, C. S. No. 1806 to 1815 'Arti' Shri Ambika Nagar, M. G. Road, Dombivili (W), Dist. Thane.

(Area-310 sq. ft.) (Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 475 dt. 23-11-82.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, POONA

Dae: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/115/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KUI.KARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. G-5, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No.
4, 5, 6, 7, Navghar village situated at Vasai, Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqu. Range, Pune on 27-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transf and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/a. Vishwakarma Builders, Mahendra Palace, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasai (W), Navghar village, Dist. Thane,

(Transferor)

Mr. Ishwarsingh Harditsingh, R/o
 Kanasi Manzil, Bail Bazar,
 Kurla, Bombay-400 070.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I 'PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-5, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5, 6, 7, Navghar village, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area—320 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 92 dated 27-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 29th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/108/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kanchangana Sahkari Griha Rachna Sanstha, Maryadit, Gultekadi, Pune-Survey No. 568 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J. A. C. Acqn. Range, Pune on 2-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Jayashri Vijay Joshi, R/o
 406, Coyugaway Westfield N. J. 07090, New York, U. S. A.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Mahadeo Purandare, R/o 1047, Sadushiv peth, Gasi Ali, Pune-411 030. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act shall have hie same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kanchanganga, Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit, Gultekadi, Pune-Survey No. 568-Area-3623 sq. ft. Plot No. Old-28-(Present-24) Dist. Pune.

No. Old-28-(Present-24) Dist. Pune.
(Property us described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 277 deted 2-11-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 29-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-4

Poona-4, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/116/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 108, Pravin Palace, Plot No. 37/38, S. No. 5, 6, 7 Navghar village, Tal. Vasai situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. Range, Pune on 27-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the trunsfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-106GI/83

(1) M/s. Vishwakarma Builders, Pravin Palace, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasai (W), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Chinappa Anchan Shridhar, C/o. Indian Oil Corporation Ltd., G. M. S. Section, Mahalaxmi, Bombay-400 034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, Pravin Palace, Plot No. 37/38, S. No. 5 6, 7, Navghar village, Tal. Vasai-Dist. Thane.
(Area—425 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under No. 90 dt. 27-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date : 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

> > Pune, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/109/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. D/405, 4th floor, S. No. 143/44, situated at Bhai Daya Nagar, Bhayander (East), Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acqu. Range, Pune on 4-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Sai Ganesh Builders,
 Bhai Daya Nagar, Navghar Rd.,
 Bhayandar (East), Bombay-401 101.

(Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar K. Balmiki, R/o Dena Bank, Central Office, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/405/4th floor, S. No. 143/44, Bhai Daya Nagar, Bhayander (East), Dist. Thane. (Area—250 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under NO. 137 Dated 4-10-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax)
Acquisition Range, POONA

Date: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURL TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/15.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Bazar Kathian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar on Sept. 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Usha Kumari W/o Shri Daulat Kumar, R/o Bazar Ghanta Ghar, Dharek Gali, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kavita Arora W/o Sh. Kusum Arora, R/o Bazar Kathian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under:-(1) M/s Narain Agencies Rent Rs. 355/- p.m.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Bazar Kathian, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9660 dated 13-9-82 of the Registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, .

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/16.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Dera Baba Nanak, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jt. S.R. Dera Baba Nanak in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Tara Chand Rampal S/o Sh. Kalp Nath, R/o Dera Baba Nanak, Distt .Gurdaspur. (Transferor)

(2) Sh. Kharaiti Lal S/o Sh. Ram Lal, R/o Dera Baba Nanak, Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Dera Baba Nanak, as mentioned in sale deed No. 986 dated 7-9-82 of the registering authority at Dera Baba Nanak.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 6-5-1983

(1) Sh. Surjan Singh S/o Sh. Mul Singh, R/o Bazar Cheel Mandi, Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Sond Engineering Electric Works, R/o Bazar Cheel Mandi, Amritsar.
- (Transferce) (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd May 1983

Ref. No. ASR/83-84/17.—Whereas, 1, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at

bearing No. One property situated at Bazar Cheel Mandi, Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property, situated in Bazar Cheel Mandi, Inside Mahan Singh Gate, Amritsar as mentioned in sale deed No. 9302 dated Sept. 1982 of registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/18.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Kashmir, Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chand Bhatia D/o Sh. Kishan Chand, R/o 487-E.7, Aarenda Colony, Bhopal.
- (2) Sh. Pushp Vinod S/o Sh. Ram Saran Dass, R/o 114, Gali Beli Ram, Hathi Gate, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at No. 2 overleaf and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed 10738 dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-5-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/19.—Whereas, I,

R. B. SINHA, IŔS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at

Kashmir Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in Sept. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Smt. Chand Bhatia D/o Sh. Kishan Chand, R/o 487-E.7, Anrenda Colony, Bhopal. (Transferor)
- (2) Sh. Ashwani Kumar S/o Sh. Ram Saran Dass, R/o 114, Gali Beli Ram, Hathi Gate, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, mentioned in sale deed No. 10725 dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/20.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smt. Kamla Wati Wd/o Sh. Kishan Lal, R/o 487-E.7, Aavenda Colony, Bhopal.
- (2) Sh. Pushp Vinod S/o Sh. Ram Saran Doss, R/o 114, Gali-Beli Ram, Hathi Gate, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10691, dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-5-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURL TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/21.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at

Kashmir Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamla Vati Wd/o Sh. Krishan Lal, R/o 487—E.7, Aavenda Colony, Bhopal, presently at Kashmir Avenue,

(Transferor)

- (2) Sh. Ashwani Kumar S/o Sh. Ram Saran Dass, R/o 114, Gali Beli Ram, Hathi Gate, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on he respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10735 dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---46-106GI/83

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/22.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamla Vati Wd/o Sh. Krishan Lal, R/o 487-E.7, Aavenda Colony, Bhopal, now at Kashmir Avenue, Amritsar. (Transferor)

- (2) Sh. Satish Kumar S/o Sh. Ram Saran Dass, R/o 114 Gali Beli Ram, Hothi Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10736 dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar,

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1983

(1) Smt. Chand Bhatia D/o Sh. Kishan Chand, R/o 487-E.7. Aarenda Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar S/o Sh. Ram Saran ass, R/o 114 Gali Beli Ram, Hathi Gate, Amritsar.

(3) As at No. 2 above and tenants if any. (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURJ, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/23.—Whereas, 1, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. One property situated at

Kashmir Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in Sept. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10737 dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritaar.

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/44.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Fatehgarh Churian, Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala in Sept. 82 which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) S/sh. Bhushan Kumar, Madan Gopal Ss/o Sh. Tilak Raj, Vill. Fatehgarh Churian, Teh: Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Lal S/o Sh. Guran Ditta Mal, Vill. Fatchgarh Churian, Teh: Batala, Distt. Gurdaspur.

(3) As at No. 2 above and tenants if any.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Vill. Fatchgarh Churian, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur as mentioned in sale deed No. 3620 dated Sept. 82 of the registering authority, Batala.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/36.—Whereas, J. HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Khem Kaur W/o Dr. Amrit Singh R/o P-67 Asstroshal Mart, New Delhi through Sh. Ravinder Singh S/o Sh. Pritpal Singh, R/o 384 Green Avenue, Amritsar.
- (2) Sh. Narinjan Singh S/o Shri Gurdial Singh, R/o Chcel Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at No. 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the 'Official Gazette

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10145 dated 22-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> HARDAYAL SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-5-83 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/82-83/37.—Whereas, 1, HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. A plot of land situated at Batala Road. Amritsor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Khem Kaur W/o Dr. Amrit Singh R/o P-67, Aastroshal Mart. New Delhi through Sh. Ravinder Singh S/o Sh. Pritpal Singh, R/o 348 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

 Smt, Tarnjit Kaur W/o Sh. Narinjan Singh, R/o Cheel Mandi, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10146 dated 22-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-5-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/38.—Whereas, J. HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. bearing No. A plot of land situated at Kashmir Avenuc, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Madan Lal S/o Sh. Gurdial Ram R/o Pawan Nagar, Batala Road, Amritsar. (Transferor)

(2) Smt. Chanchal Sharma W/o Sh. Som Datt R/o Dogra Mohalla. Bazar Tara Chand, Dera Baba Nanak, Teh; Batala.

(Transferee)

(3) As at No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at T.P. Scheme No. 53, Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10356 dated 27-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/39.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Krishna Square, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Vimla Nanda W/o Sh. Baldev Krishan Nanda R/o Ghee Mandi, Amritsar through Sh. Gurdip Singh S/o Sh. Charan Singh, R/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Inderjit Singh S/o
 Shri Raj Singh, R/o Sharifpura, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Krishna Square, Shivala Bhaian, Amritsur, as mentioned in sale deed No. 9789 dated 3-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of te said act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/40.--Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/. and bearing No. A plot of land situated at Kennedy Avenue, Amritsur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the under sub-

aforesaid property by the issue of this notice section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

47-106GI/83

(1) Amritsar Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Balwant Singh S/o Sh. Uttam Singh, R/o 39-A, Kennedy Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at No. 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Kennedy Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9417 dated 7-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> HARDAYAL SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/41,—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sh. Om Parkash S/o
 Sh. Diwan Chand R/o Pawan Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Lal Sehgal S/o Sh. Gurdial Mal, R/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Batala Road, T.P. Scheme No. 53, as mentioned in sale deed No. 9442 dated 7-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/43.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated

at Hide Market, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Krishan Kumar S/o Sh. Lakhpat Rai R/o Jasinghapur through Sh. Mohinder Singh S/o Sh. Sudagar Singh, R/o Kennedy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Paramjit Singh S/o Sh. Mohinder Singh R/o 85 Kennedy Avenue, Amritsar.

- (3) As at No. 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Hide Market, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9712 dated 14-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> HARDAYAL SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/42.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land situated at Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Sept. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ved Parkash S/o Sh. Puran Chand R/o Katra Ahluwalia, Amritsar, self and General Attorney firm M/s Ramesh & Co., Sh. Ram Lal and Sh. Ram Rakha Mal etc. (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Pal Khanna S/o Sh. Khushi Ram, R/o Inside Gali Kaserian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Circular Road, Abadi New Garden Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10606 dated 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 10-5-83 Seal:

- (1) 1. Shri Aparajita Banerjee

 - 2. Shri Sanjoy Banerjee 3. Shri Sankar Banerjee 4. Shri Kasturi Chakraborty 5. Shri Sandhya Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swapan Kumar Banerjee, 22, S.C.M. Road, Baidyabati, Hooghly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1V CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1983

Ref. No. AC-16/R-IV/83-84.--Whereas, I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Nil.

situated at Mouza-Baidyabati, P. S. Serampore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Singur on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-5Ch-17 sq. ft. with building situated at Mouza-Baidyabati, Dist-Hooghly.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-5-1983

(1) Ujjain General Trading Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Columnea Limited

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1287/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Portion of premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta containing land measuring 492.3 sq. metres together with buildings.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1983

(1) Ujjain General Trading Society Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Condides Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1288/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at Calcutta on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wetalth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of the land measuring 1277 sq. meters together with building being premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Ujjain General Trading Society Ltd.

(Transferor)

(2) Arventea Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 16th April 1983

Ref No. 1289/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Calcutta on 6-9-1982

onter at Calculus of 69-1962 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta, land measuring 416.9 sq. meters together with building.

M: AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1983

Scal;

(1) Ujjain General Trading Society Ltd.

(Transferor)

(2) Billbergea Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1290/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta, containing land measuring 467.3 sq. meters together with buildings.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 12-5-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48-106GI/83

- (1) Ujjain General Trading Society Ltd.
- (Transferor)

(2) Crassula Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1291/Acq. R-III/83-84—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering at
Calcutta on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad linstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta, registered before the R.A., Calcutta, vide Deed No. 7853 dated 6-9-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Date: 12-5-1983

(1) Ujjain General Trading Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Vittatum Limited

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1292/Acq .R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 1277 sq. meters together with building being Premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1983

(1) Ujjain General Trading Society Ltd.

(Transferor)

(2) Ponderosa Holdings Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1293/Acq. R-III/83-84.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Periotection Act 1000

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Calcutta on 6-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 1277 sq.meters together with buildings being portion of the premises No. 17-A, Gurusaday Road, Calcutta.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 12-5-1983

FORM ITNS----

(1) Shri Soumya Mitra

(Transferor)

(2) Avanti Co-operative Housing Society

Ltd. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. 1294/Acq. R-III/83-84.---Whereas, 1, M. AHMAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/2 situated at Dover Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 8.825 cottahs with building being premises No. 26/2, Dover Road, Calcutta, registered vide Deed No. 11420 dated 18-9-1982.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S.——

(1) Shri Shyam Mohan Das

(Transferor)

(2) Salesian Province of Calcutta (Northern India) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acqn. R-f/Cal. TR-264/82-83/Sl. 737—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/1 situated at Mohendra Roy Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A. Calcutta on 16-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

8K 6Ch 15sft. of land being Premises No. 8/1, Mohendra Roy Lane, Calcutta, registered before the R. A., Calcutta, vide Deed No. 8201 dated 16-9-1982.

THE SCHEDULE

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54 Rufi Ahmad Kidwal Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 12-5-1983

FORM ITNS----

(1) Benode Behari Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Salesian Province of Calcutta (Northern India) (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn. R-I/Cal. TR-265/82-83/Si. 738.— Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/1 situated at Mohendra Roy Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 16-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10K 8Ch. 39 sft. more or less being Premiscs No. 8/1, Mohendra Roy Lane, Calcutta, registered before the R. A., Calcutta, vide Deed No. 8200 dated 16-9-1982.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54 Rafi Ahmad Kidwal Road. Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-5-1983

(1) Shri Ashutosh Paul

(Transferor)

(2) Shri Krishna Chandra Malakar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1983

Ref. No. 1285/Acq. R-III/83-84.—Whereas, J. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at Mouza-Bansdroni, P. S. Jadavpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Alipore on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land containing an area 1 B 8 K 4 sft, situated at Mouza-Bansdroni, P.S. Jadavpur, under J.L. No. 45.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Raange-III
54 Rasi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Molanlal Ramgi Vasha

(Taransferor)

(2) Shri Jahar Lal Banerjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1983

Ref. No. 1286/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/1 situated at Tiljala Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 3-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

49-106GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land containing an area 3K 8Ch with building being premises No. 2/1, Tiljala Lane, Calcutta,

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-700 016.

Date: 11-5-1983

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta; the 9th May 1983

Rcf. No. AC-6/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

P-291, Bangur Ave. situated at P. S. Dum-Dum (and more fully described in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.S.R., Alipur, Calcutta on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pallab Kr. Ghosh, P-291, Bangur Ave., Calcutta-55.

(Transferor)

(2) Smt. Bina Rani Dhar 59/60, Bagmari Rd., C.I.T. Flat No. 8, Room No. 26, Maniktala, Calcutta-54.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1k. 14ch. with two storied building at P-291, Bangur Ave., Block-'A' Cal-55. More particularly described in deed No. 12253 of Sept., 82 of D.S.R. Alipur, Cal.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date : 9-5-1983 Seal :

 John Swapan Kr. Issac & Ors., 168-A, Mahatma Gandhi Rd., Calcutta-41.

(2) Shri Asim Kr. Das 629, D. H. Rd., Calcutta-34. (Taransferor)

(Transcfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 9th May 1983

Rcf. No. AC-7/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Mahatma Gandhi Rd., situated at P. S. Behala,, Calcutta-63 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at D.S.R. Alipur, Cal. on 24-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any bacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 15k, land at 2, Mahatma Gandhi Road, P. S. Behala, Calcutta-63. More particularly described in deed No. 13075 of D.S.R. Alipur, Calcutta of September, 82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 9-5-1983 Seal:

 Smt. T. Shakunthala, No. 6, Doddakatappa Road, Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri A. Sudhakar Reddy, No. 36, Prithvi Avenue, Alwarpet, Madras-18.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st April 1983

C.R. No. 62/36258/82-83/Acg.B.--Whereas, J, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 506, situated at II Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. Nagar, under document No. 2050/82-83 on 20-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this market in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2050/82-83, dated 20-9-1982). All that property bearing No. 506, situated at Il Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sabiha Mohiddin 32/5, Aga Abbas Ali Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Smt. Fathima Hashim, No. 32/5 Aga Abbas Ali Road, Bangalore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-506 001, the 27th April 1983

C. R. No. 62/36289/82-83, ACQ./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 32/5, situated at Aga Abhas Ali Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2231/82-83 on Oct. 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2231/82-83, dated Oct. 1982). All that property bearing No. 32/5, situated at Aga Abbas Ali Road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 27-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. R. Periyanayaki, 1-18, D.S. Lane, Chickpet, Bangalore. (Transferor)

(2) 1. Smt. Sarso Bai, 2. Smt. Kamala Bai 3. Smt. Dayavanthi

4. Smt. Sumathi, 32, D.S. Lane, Chickpet, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd April 1983

C.R. No. 62/36215/82-83/ACQ/B.—Wherens, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 32 situated at S. Lane, Chickpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under Document No. 1904/82-83 on 15-9-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Qfficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1904/82-83, dated 15/9/82).

All that property bearing No. 32 situated at D. S. Lane Chickpet, Bangalore.

> MANJU MAHADEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-4-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Baugalore-560 001, the 28th April 1983

C.R. No. 62/26228/82-83/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, 3 and 3/1 situated at Shankarmutt Road, Shankarapuram, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, under Document No. 2186/82-83 on 27-9-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. B. K. Rukkamma, No. 3, Shankarmutt Road, Shankarpuram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Murali Mohan, No. 491, Burugal Mutt Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2186/82-83, dated 27-9-1982). All that property bearing No. 2, 3 and 3/1, situated at Shankarmutt Road, Shankarpuram, Bangalore.

MANJU MAHADEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 23rd April 1983

C. R. No. 62/35922/82-83/ACQ./B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5/01 situated at Prashanth Hotel, H. Siddaiah Road, 4th Cross, Wilson Gardens, Bangelore-27,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar under Document No. 1863/82-83 on 1/9/1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) fracilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri E. Srinivasa Adiga
 Sri S. Padmanabha Adiga
 Shri S. Natasimha Adiga

 Sri S. Sridhara Adiga, No. 5/01, 4th Cross, Wilson Gardens, Baugalore-27.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarayana Adiga No. 5/01, Prashanth Hotel, H. Siddaiah Road, 4th Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1863/82-83, dated 1-9-82). All that property bearing No. 5/01 situated at prashanth Hotel H. Siddaiah Road, 4th Cross, Wilson Garden: Benyalore-27.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bare alore

Date: 23-4-1983

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th April 1983

C.R. No. 62/36205/82-83/ACQ/.--Whereas, i, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-

No. 31/4, 31/5, 31/1 & 31/2, situated at Main Roal, Virajpet, Kodagu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Virajpet under Document No. 380/82-83 on 30-9-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Sri C. M. Abdul Azecz
 S/o Sri C. H. Mohamed Habceb
 Sri C. M. Mohamed Hassan
 S/o Shri C. H. Mohamed Habeeb

Statement Burgalous Contonment, Bangalore.

(Transferor)

Shri Manna A. Aboo Mohamed S/o Shri Manna Aboobacker

2. Shri Manna A. Shahul Hamced

Shri Manna A. Munavar
 Shri Manna A. Mazhar

sons of Manna A. Aboc Mohamed Manna Virajpet, South Kedagu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 380/82-83, dated 30-9-1982).
All that property bearing No. Sy. No. 31/4 of 1 cents
2) Sy. No. 31/5 of 6 cents Sy. No. 31/1 of 2 cents and Sy. No. 31/2 of 11 cents situated at Main Road, Virajpet, Kodagu.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th April 1983

C.R. No. 62/36261/82-83/Acq.B.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, New No. 8 situated at Benson Cross Road, Benson Town Civil Station, Bangalore-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under document No. 2091/82-83 on 12-9-1982

for an apparent consideration which is less than the follower value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the WealtL-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri Alhaj Mohamed Zahurlal Haq, Shri Mohamed Faizal Haq, Shri Mohamed Sheijaul Haq, Shri Zah Neseerul Haq, Shri K, Z, Anwerul Haq, Smt. D. K. Fathima and Shri K, Z. Mazharul Haq

Transferor(s)

(2) Smt. Bibisarao, W/o Late C. M. Ali, Hnd Cross, NMC, Badravathi,

Transferee (3-)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2091 82-83 Dated 12-9-82) All that property bearing No. 2, situated at Benson Road Cross, Civil Station, Bangalore-46.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-4-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001
Bangalore-560001, the 26th April 1983

CR. No. 62/36225/82-83/Acq.B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Banaglore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 (Old No. 24) situated at 9th cross, H. Siddaiah Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi under document No. 2179/82-83 on 27-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohammed Ahmed Khan, No. 184, New No. 188,
 8th Main Road, Official Colony, Byrasandra, Bangalore.

Transferor(s)

(2) Shri R. Arifulla Khan, P.A. holder Smt. Zaibunnisa, W/o late Rahat Khan, No. 76, Chikkabazar Rond Cross, Shiyajinagar, Bangalore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2179/82-83. Dated 27-9-82) All that property bearing No. 1 (Old No. 24) situated at 9th cross, H. Siddiah road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri G. M. Elias
 1/1, Hutchinson Road.
 Sth Cross, St. Thomas Town,
 Bangalore.

Transferor(s)

(2) Shrimathi G. E. Chiddethi No. 2, Kandaswamy Mudaliar Road, Richard's Town, Bangalore.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th April 1983

C.R. No. 62/36262/82-83/Acq.B.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7/1, 5th Cross situated at Hutchins road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office at

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar under document No. 2012/82-83 on 1-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2012/82-83, Dated 1-10-82)

All that property bearing No. 7/1 situated at 5th Cross, Hutching Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th May 1983

Ref. No. AR 11/3391/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. CTS Nos. 1911 & 1911/1 to 16 & 1912 & 1912/1 to 10 situated at Vile Parle (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Mariambai Mohamed Hussein Hakim 2. Waheadali Mohamed Hussein Hakim
- (2) Rizbi Estate & Hotels Pvt. Ltd.

(Transferor)
(Transferce)

(3) Tenants of the former lessees.

(Person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 41/82 and registered with Sub-Registrar, Bombay on 14-9-82.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-5-1983.

- (1) Edwin D'silva & Magdalone D'silva
- (2) Akhtar Hesan Rizvi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1983

Ref. No. AR-II/3388/82-83.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 283, Hissa No. 6A (Part) CST No. 1307 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registred Deed No. 1235/82 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 14-9-82.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometan Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1983.

(1) Chandulal Popatlal Panchal & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Laxmi Silk Mills

(3) Purchaser only.(4) Purchaser only.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th May 1983

Ref. No. AR-I/5385/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 532 Part situated at Goregaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S. 691/81 & Registered with Sub-Registrar, Bombay on 7-9-82.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983.

(1) Shri Natvarlal Maganlal Kapadi

(Transferor)

(2) Smt. Simantini Hareshwar Mantri

(3) Tenants.

(4) None.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th May 1983

Ref. No. AR-II/3390/82-83.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. CTS No. 100 & 100/1 to 100/4 situated at Borivl (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 38/81 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 8-9-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-5-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pranjivandas Devidas Dalai & Ors.

uararaan Buildam

(Transferor)

(2) Evergreen Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th May 1983

Ref. No. AR-II/3381/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS No. 578, 578 (1 to 9) situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-394/82 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 3-9-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1983

Ref. No. AR-II/3444/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. C/1308, S. No. 283, Hissa No. 8 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Edwin D'Silva & Magdalenc D'Silva.

(Transferor) (2) Javed Hasan

(Transferee)

(3) One tenant of the Transferors,

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 1673/ 81 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 22-9-82.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-5-1983

Seal 2